19 अक्टूबर 2025
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

निर्वाचन तैयारी की ली गई बारीकी से समीक्षा

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध

आपकी आवाज

■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

दिवाली से पहले इटली के मिलान में फंसे 255 यात्री

एअर इंडिया की उड़ान तकनीकी खराबी के कारण हुई रद्द

एजेंसी। नई दिल्ली

इटली के मिलान से दिल्ली लौटने की तैयारी कर रहे 255 यात्रियों की दिवाली की खुशियां फीकी पड़ गईं। एअर इंडिया की ड्रीमलाइनर फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने के कारण शुक्रवार को उड़ान रद्द करनी पड़ी। विमान की खराबी के चलते यात्रियों को मिलान में ही रोक दिया गया है, जबकि एक यात्री को विशेष अनुमति से दूसरे विमान से भेजा गया।मिलान से दिल्ली आने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट (अक-138) उड़ान भरने से पहले ही तकनीकी दिक्कत का शिकार हो गई। यह फ्लाइट दिल्ली से अक-137 के रूप में दोपहर 2:54 बजे रवाना हुई थी और करीब नौ घंटे बाद इटली पहुंची। लेकिन लैंडिंग के बाद तकनीकी खामी पाई गई, जिसे समय पर दुरुस्त नहीं किया जा सका। परिणामस्वरूप, वापसी की उड़ान रद्द करनी पड़ी। इस घटना से करीब 256 यात्रियों और 10 से अधिक क्रू मेंबर्स की यात्रा योजना प्रभावित हुई। एक यात्री, जिनका शेंगेन वीजा 20 अक्तूबर को समाप्त हो रहा था, उन्हें तुरंत दूसरे विमान में बुक किया गया ताकि वे वीजा समाप्त होने से पहले भारत पहुंच सकें। बाकी यात्रियों को 20 अक्तूबर या उसके बाद की फ्लाइट में समायोजित किया जा रहा है।

एअर इंडिया का बयान और व्यवस्थाएं

एअर इंडिया ने बयान जारी कर कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। एआई-138 को विस्तारित तकनीकी आवश्यकता के कारण रद्द किया गया। सभी प्रभावित यात्रियों को होटल आवास उपलब्ध कराया गया है, हालांकि सीमित स्थान के कारण कुछ व्यवस्थाएं एयरपोर्ट से दूर करनी पड़ीं। एयरलाइन ने कहा कि सभी यात्रियों को भोजन और जमीनी सहायता प्रदान की जा रही है।

तकनीकी बेड़े की चुनौतियां

एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (वीटी-एएनएन) पहले भी लंबी दूरी के रूट पर तकनीकी खामियों का सामना कर चुका है। कंपनी का पुराना वाइड-बॉडी बेड़ा अब भी उसकी सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। इससे पहले एक अन्य ड्रीमलाइनर विमान में भी तकनीकी समस्या आई थी, जिसके बाद भारतीय नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बोइंग से जानकारी मांगी थी।

दिवाली से पहले यात्रियों में नाराजगी

दिवाली से पहले भारत लौटने की उम्मीद लगाए बैठे यात्रियों को अब अतिरिक्त इंतजार करना पड़ रहा है। कई यात्रियों ने सोशल मीडिया पर एअर इंडिया की तकनीकी खामियों और असुविधाओं को लेकर नाराजगी जाहिर की है। एअर इंडिया ने हालांकि आश्वासन दिया है कि सभी यात्रियों को सुरक्षित और शीघ्र भारत लाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

अफगानिस्तान में पाकिस्तान हमलों में तीन क्रिकेटरों सहित आठ की मौत

एजेंसी। नई दिल्ल

शनिवार सुबह अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) ने एक दयविदारक खबर की पुष्टि की, पाकिस्तान की ओर से की गई एयर स्ट्राइक में अफगानिस्तान के तीन उभरते क्रिकेटर कबीर , सिबघतुल्लाह और हारून की मौत हो गई। ये तीनों खिलाड़ी अफगानिस्तान के दक्षिण-पूर्वी प्रांत पक्तिका के रहने वाले थे और घरेलू स्तर पर क्रिकेट खेल रहे थे। एसीबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक बयान जारी कर इस घटना की पुष्टि की। बोर्ड ने साथ ही यह भी घोषणा की कि वह अगले महीने होने वाली त्रिकोणीय सीरीज, जिसमें पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल थे, से वापस हट रहा है।अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने लिखा, 'हमने तीन युवा खिलाड़ियों को खो दिया है, जो देश के भविष्य थे। पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक ने केवल हमारे क्रिकेट को ही नहीं, बल्कि हमारे सपनों को भी नष्ट किया है।' टीम के कप्तान राशिद खान ने भी एसीबी के फैसले का समर्थन किया और पर लिखा, 'मैं बोर्ड के निर्णय का स्वागत करता हूं। पाकिस्तान का नागरिकों पर हमला निंदनीय है। खेल हमेशा शांति का प्रतीक रहा है, लेकिन निदोर्षों की जान लेना अस्वीकार्य है।'कबीर, जिन्हें स्थानीय तौर पर कबीर आघा कहा जाता था, पक्तिका के उरगुन जिले से थे। वह आक्रामक टॉप ऑर्डर बल्लेबाज थे और हाल ही में एसीबी की साउदर्न क्रिकेट कमिटी द्वारा आयोजित युवा टूनार्मेंटों में चमके थे।

झारखंड में समर्थन के बावजूद बिहार में नहीं मिला 'सम्मान'

महागठबंधन को झटका : जेएमएम सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान

एजेंसी। रांची

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले, विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को बड़ा झटका लगा है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने गठबंधन से अलग होकर बिहार की 6 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। जेएमएम के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने घोषणा करते हुए बताया कि 'धन लक्ष्मी का धनतेरस काल' और 'महादेव का प्रदोष तिथि' जैसे शुभ लग्न को देखते हुए पार्टी ने यह फैसला लिया है। जेएमएम इन 6 सीटों पर चकाई, धमदाहा, कटोरिया (अनुसूचित जनजाति आरक्षित),मनिहारी (अनुसूचित जनजाति आरक्षित), जमुई और पीरपैंती (अनुसूचित जाति आरक्षित) पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। सुप्रियो भट्टाचार्य ने महागठबंधन, विशेषकर राजद पर, सम्मानजनक सीटें न देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने लंबे समय से उन चिह्नित सीटों पर स्थान मांगा था, जहाँ उनके कार्यकर्ता भाजपा-जदयू गठबंधन के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने गठबंधन को झारखंड में दिए गए समर्थन का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि 2019 विधानसभा में जेएमएम ने झारखंड में राजद और कांग्रेस को समर्थन दिया और सीटें दीं। राजद के चतरा से जीते एकमात्र विधायक को 5 साल तक मंत्री बनाया गया और मुख्यमंत्री ने उन्हें प्रमुखता दी।इसके बाद 2024 विधानसभा चुनाव में जेएमएम ने राजद को 6 सीटें दीं और उनके विजयी प्रतिनिधि को वर्तमान कैबिनेट में महत्वपूर्ण स्थान दिया। इन त्यागों के बावजूद, बिहार में उनकी पार्टी की 'चिह्नित सीटों' को तवज्जो नहीं दी गई।

हेमंत सोरेन के नेतृत्व में स्टार प्रचारकों की सूची जारी

जेएमएम ने अपने उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए 20 स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी की है। इस सूची का नेतृत्व मुख्यमंत्री और पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन करेंगे। अन्य प्रमुख प्रचारकों में प्रो. स्टीफन मरांडी, सरफराज अहमद, कल्पना मुर्मू सोरेन, बसंत सोरेन, और सुप्रियो भट्टाचार्य शामिल हैं।

बिहार में राज्य स्तरीय दल के रूप में स्थापित होने का लक्ष्य

सुप्रियो भट्टाचार्य ने विश्वास जताया कि बिहार में यह लड़ाई बहुमुखी होगी, जहां एनडीए और महागठबंधन दोनों के अंदर विरोधाभास है। उन्होंने कहा कि जेएमएम इन 6 सीटों पर संघर्ष करेगी और सुनिश्चित करेगी कि सभी उम्मीदवार जनादेश लेकर पार्टी को बिहार में राज्य स्तरीय दल के रूप में स्थापित करें, जो उनके राष्ट्रीय पार्टी बनने के आगामी लक्ष्य को पूरा करने में सहायक होगा।

नगालैंड की सियासत में बड़ा बदलाव, एनडीपीपी और एनपीएफ के विलय का रास्ता साफ

एजेंसी। नई दिल्ली

नागालैंड की सत्तारूढ़ नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) ने शनिवार को नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के साथ विलय का प्रस्ताव औपचारिक रूप से पारित कर दिया। यह निर्णय पार्टी के छठे महाधिवेशन के दौरान लिया गया। बैठक में पार्टी अध्यक्ष चिंगवांग कोन्याक, मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, उपमुख्यमंत्री टीआर जेलियांग, मंत्री, विधायक और राज्य भर के नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। ह्यकैपिटल कल्चरल हॉलह्ल में आयोजित इस अधिवेशन में देश की सबसे पुरानी क्षेत्रीय पार्टियों में से एक नगा पीपुल्स फ्रंट के बैनर तले दोनों पार्टियों के विलय के प्रस्ताव पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सदन ने विस्तृत चर्चा के बाद सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया।नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने प्रस्ताव के माध्यम से ह्यनगा हितों और नगा लोगों के व्यापक हित में विलय के प्रस्ताव का स्वागत किया और इसे मंजूरी दीह्ल। नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने एनपीएफ के कदम को ह्यापरिपक्व और सुविचारितह्ल बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह विलय नगा लोगों की आवाज और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली एक मजबूत और एकीकृत क्षेत्रीय शक्ति का निर्माण करेगा। स्ताव में कहा गया कि एनडीपीपी, एनपीएफ के इस प्रस्ताव का स्वागत और स्वीकार करती है ताकि नागा जनजातीय हितों और नागा आंदोलन को मजबूती मिल सके। पार्टी ने इस कदम को एक परिपक्व और दूरगामी रणनीति बताया और भरोसा जताया कि इससे क्षेत्रीय राजनीति को एक मजबूती मिलेगी।

भारत-रूस तेल सौदे पर हैरान करती है मोदी की चुप्पी : कांग्रेस

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बार बार आ रहे बयानों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी की आलोचना करते हुए इसे चिंताजनक स्थिति करार दिया है । पार्टी ने कहा, राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक बार फिर कहा है कि उनके अच्छे दोस्त ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल के आयात में कटौती करेगा। लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के अच्छे दोस्त (प्रधानमंत्री मोदी) अचानक मौनी बाबा बन जाते हैं जबकि ट्रम्प बार बार कहते हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिन्दूर बंद करवाया और अब कह रहे हैं कि भारत रूस से तेल का आयात कम कर देगा। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने शनिवार को यहां सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह चिंता की बात है कि श्री मोदी हर मुद्दे पर चुप्पी साध लेते हैं और यह उनका स्वभाव बन गया है जबकि राष्ट्रपति ट्रंप रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दे रहे हैं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा पिछले चार-पांच महीनों में, राष्ट्रपति ट्रम्प ने 52 बार दावा किया है कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोका। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से दो बार मुलाकात की, फिर भी हमारे प्रधानमंत्री चुप रहे।

सेंट्रल रेलवे ने शुरू की 1702 स्पेशल ट्रेनें

छठ और दिवाली में सफर होगा आरामदायक!

एजेंसी। रनई दिल्ली

त्योहारों का मौसम शुरू होने के साथ ही लाखों यात्री अपने परिवार और परिजनों के साथ दिवाली और छठ मनाने के लिए घर जाने की तैयारी में हैं। इस भीड़भाड़ को देखते हुए सेंट्रल रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए बड़े कदम उठाए हैं। मध्य रेलवे के सीपीआरओ स्वप्निल नीला ने बताया कि इस बार छठ और दिवाली के मौके पर कुल 1702 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, ताकि यात्री आराम से और सुरक्षित तरीके से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। इन स्पेशल ट्रेनों की शुरूआत छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, लोकमाने टिलक टर्मिनस, पुणे, कोल्हापुर और नागपुर जैसे प्रमुख स्थानों से की गई है। इनमें से 800 से ज्यादा ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए निर्धारित हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र के भीतर भी विभिन्न रूटों पर जैसे पुणे से कोल्हापुर, मुंबई से नागपुर और मुंबई से कोल्हापुर-लातूर स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। रेलवे का यह प्रयास है कि हर यात्री अपने क्षेत्र और गंतव्य तक समय पर और आरामदायक तरीके से पहुंच सके।यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर तैयार होल्डिंग एरिया की क्षमता 3000 से ज्यादा यात्रियों के बैठने और इंतजार करने की है। इसके अलावा प्लेटफॉर्म नंबर 18 के पास भी एक होल्डिंग एरिया बनाया गया है। इन सभी होल्डिंग एरिया में यात्रियों के लिए खाने-पीने की सुविधा, पीने का पानी, शौचालय और पंखे लगाए गए हैं, ताकि लंबी प्रतीक्षा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मतगणना केंद्र की तैयारी तेज, डीएम ने किया बाजार समिति परिसर का निरीक्षण

- निर्वाचन व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को दिए कई आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की मतगणना को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां तेज हो गई हैं। शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने बक्सर स्थित बाजार समिति प्रांगण में बनाए जा रहे मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतगणना से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित

विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल बक्सर ने जिलाधिकारी को जानकारी दी कि संग्रहण केंद्र पर विधानसभावार ईवीएम जमा करने की व्यवस्था की जा रही है। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए बनाए गए काउंटरों को पंक्तिवार बांस-बल्ले से बैरिकेडिंग कर सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जाए, ताकि मतगणना के दिन किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

इसके साथ ही कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल बक्सर को निर्देश दिया गया कि मतगणना केंद्र और ईवीएम संग्रहण स्थल पर सुरक्षित विद्युत वायरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बिजली से संबंधित सभी कार्य मानक के अनुरूप हों और इसकी पुष्टि के लिए अभियंता विभाग द्वारा सुरक्षा प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराया जाए।

लोक स्वास्थ्य अभियंता प्रमंडल के अधिकारियों को जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि मतगणना के दिन पर्याप्त मात्रा में पेयजल की व्यवस्था की जाए और परिसर के भीतर चिह्नित स्थलों पर अस्थायी शौचालयों का निर्माण कराया जाए, ताकि कर्मचारियों और उपस्थित प्रतिनिधियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने सीएमआर गोदाम का भी अवलोकन किया, जहां मतगणना कार्य संचालित होना प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि मतगणना कार्य को ससमय, पारदर्शी और निर्बाध रूप से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दिशा में सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें।

उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि मतगणना के लिए पर्याप्त संख्या में टेबल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा सभी स्थानों पर स्पष्ट साइनबोर्ड (साइनज) लगाए जाएं, ताकि कर्मियों और एजेंटों को पहचान में कोई कठिनाई न हो।

साथ ही नगर परिषद बक्सर के कार्यपालक पदाधिकारी को आदेश दिया गया कि बाजार समिति परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें और मतगणना के पूर्व एवं दौरान पर्याप्त संख्या में सफाईकर्मियों की प्रतिनियुक्ति की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन की प्रतिबद्धता है कि मतगणना का कार्य पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और सुचारु ढंग से संपन्न हो। इसके लिए सभी विभागों के बीच तालमेल बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे समयबद्ध तरीके से सभी व्यवस्थाएं पूरी करें और किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें।

डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह ने किया सामग्री कोषांग का निरीक्षण, पारदर्शिता और समयबद्धता पर दिया जोर

निर्वाचन तैयारी की ली गई बारीकी से समीक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर बक्सर जिला प्रशासन की तैयारियां तेज हो गई हैं। शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने बाजार समिति प्रांगण स्थित सामग्री कोषांग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्वाचन कार्य से संबंधित सभी उपकरणों और सामग्रियों की उपलब्धता एवं उनकी स्थिति का गहनता से जायजा लिया।

निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने ईवीएम, वीवीपैट, मतपेटी, निर्वाचन कर्मियों के लिए किट, मतदाता सूची, प्रशिक्षण सामग्री सहित अन्य आवश्यक उपकरणों की स्थिति की जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी सामग्रियों का रखरखाव, वितरण और संधारण पूरी पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी या व्यवस्थागत समस्या न आए, इसके लिए सभी कर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन पहले से उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने कहा कि सामग्री वितरण के दौरान निर्वाचन कर्मियों को पूरी जानकारी दी जाए, ताकि मतदान के दिन किसी भी स्तर पर असुविधा न हो। डीएम डॉ. सिंह ने कोषांग प्रभारी को निर्देश दिया कि सभी सामग्रियों की स्टॉक रजिस्टर में अद्यतन प्रविष्टि की जाए तथा प्रत्येक वस्तु की भौतिक गिनती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन सामग्री के सुरक्षित भंडारण और सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस क्रम में उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की और संबंधित पुलिस पदाधिकारी को पर्याप्त सुरक्षा बल की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को चेताया कि किसी भी स्तर पर ढिलाई या लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त चुनाव संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के बाद डॉ. सिंह ने कहा कि जिले में निर्वाचन से जुड़ी सभी तैयारियों को तय समय सीमा में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि सभी कोषांगों के बीच आपसी सहयोग और समन्वय से कार्य किया जाए ताकि चुनाव प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। बक्सर जिला प्रशासन द्वारा लगातार निर्वाचन तैयारियों की निगरानी की जा रही है। डीएम के निर्देश के बाद संबंधित विभागों में सक्रियता बढ़ गई है और सभी अधिकारी अपने-अपने दायित्वों के निर्वहन में जुट गए हैं। प्रशासन का कहना है कि इस बार चुनाव प्रक्रिया को न केवल तकनीकी दृष्टि से बेहतर बनाया जाएगा, बल्कि मतदाताओं की सुविधा और सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

छठ घाटों के काम से नाराज दिखे ईओ

चौबीस घंटे के भीतर सुधार का दिया आदेश

केटी न्यूज, डुमरांव

नगर परिषद क्षेत्र में 18 छठ घाट हैं, जिसमें 9 डुमरांव शहर में हैं तो 9 विस्तारित क्षेत्र के नया और पुराना भोजपुर में है। शनिवार को ईओ राहुलधर दूबे और नगर प्रबंधक श्रुति सिन्हा ने डुमरांव शहर के छठ घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिस काम को कराने के लिये आदेशित किया था, उसमें कुछ हुआ ही नहीं था। उन्होंने सफाई जमादार, कर्मी और बड़ाबाबू दुर्गेश सिंह पर नाराज होते हुए कहा की तलाब के भीतरी भाग की सफाई अभी पूरी तरह से नहीं हुई है। घाटों के तलाब के बाहर जो सफाई है, उसका कचना पड़ा हुआ है, कचरा हट जाना चाहिए। नहीं हटाए जाने पर फिर उसी में चला जाएगा और उसी काम को दुबारा करना पड़ेगा। उन्होंने सारे कूड़ा को शीघ्र हटाने का अदेश दिया। फिर वैसे स्थानों पर तलाब में उतरने के लिये सिढ़ी बनाने का भी आदेश दिया था, लेकिन नहीं बनाया गया था। उन्होंन कटाक्ष करते हुए कहा की छठ के दिन बनेंगा, पहले बनने से सीढ़ी सुखक कठोर होबा, जिससे उतरने चढ़ने में ब्रितयों या परिवार के लोगों को कोई परेशानी नहीं होगी। उस दरम्यान कमिटी के लोग भी मौजूद रहे, ईओ ने उनसे भी राय लिया और उस दिशा में भी पहल शुरू की। दो तलाब की स्थिति अभी भी बहुत खराब है, जो डा. जगनारायण सिंह के अस्पताल के पास नया तलाब है और दूसर सूरत राय का तलाब है। उन दो तलाबों पर विशेश ध्यान देने की बात कही।

सोशल मीडिया पर राजनीतिक पोस्ट की होगी सख्त निगरानी

- एमसीएमसी कोषांग की टीम कर रही सतत मॉनिटरिंग, भ्रामक या आपत्तिजनक सामग्री पर तुरंत होगी कार्रवाई

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर राजनीतिक दलों एवं उम्मीदवारों की गतिविधियों पर अब प्रशासन की कड़ी नजर है। जिला जन संपर्क कार्यालय, बक्सर में गठित मीडिया एवं एमसीएमसी कोषांग की टीम फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब सहित अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निरंतर निगरानी रख रही है।

अधिकारियों ने बताया कि इस निगरानी का उद्देश्य चुनाव के दौरान भ्रामक सूचना, आपत्तिजनक पोस्ट, नफरत फैलाने वाली टिप्पणियों या आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़े किसी भी मामले पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना है। यदि किसी राजनीतिक दल, प्रत्याशी या उनके समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से गलत या भड़काऊ सामग्री साझा की जाती है, तो संबंधित व्यक्तियों पर तत्काल विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार, किसी भी राजनीतिक दल, उम्मीदवार या संस्था द्वारा टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाले सभी राजनीतिक विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणीकरण अनिवार्य किया गया है। बिना प्रमाणन के कोई भी विज्ञापन प्रसारित नहीं किया जा सकता।

साथ ही, प्रिंट मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों के लिए भी आयोग ने स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मतदान के दिन तथा उससे एक दिन पूर्व प्रकाशित होने वाले सभी राजनीतिक विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणीकरण अनिवार्य है।

जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर प्रसारित किसी भी भ्रामक या गलत सूचना को साझा न करें। यदि किसी प्रकार की संदेहास्पद पोस्ट दिखाई देती है तो उसकी सूचना तत्काल जिला जन संपर्क कार्यालय या संबंधित थाने को दें, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

इस पहल से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

संस्कृति की सीख, छठ गीतों से गूंजा लेजेंड स्कूल, रंगोली से सजा परिसर

- दीपावली व छठ की छुट्टी से पूर्व छात्रों ने जाना परंपराओं का महत्व, शिक्षकों ने दी भारतीय संस्कृति की सीख

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के स्टेशन रोड स्थित लेजेंड स्कूल में शनिवार को दीपावली और छठ पर्व की छुट्टी से पहले विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरे विद्यालय परिसर में छठ गीतों की मधुर गूंज और रंग-बिरंगी रंगोलियों की छटा ने वातावरण को उत्सवी बना दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई, जिसके बाद छात्रों ने रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया। विद्यालय के अलग-अलग समूहों ने पारंपरिक, धार्मिक और पर्यावरणीय संदेशों से जुड़ी आकर्षक रंगोलियां बनाकर सबका मन मोह लिया। रंगोली में दीपावली की झलक और छठ की आस्था का संगम स्पष्ट नजर आ रहा था।

शिक्षकों ने मौके पर छात्रों को लोक आस्था के महापर्व छठ का महत्व, इसकी विधि-विधान और इससे जुड़ी मान्यताओं के बारे में बताया। छात्राओं ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में शुभ्र वस्त्र धारण कर छठ पर्व का प्रतीकात्मक प्रदर्शन भी किया। उन्होंने हाथों में कलश व फल लेकर अर्घ्य अर्पण की प्रक्रिया को प्रस्तुत किया, जो कार्यक्रम का सबसे आकर्षक क्षण बन गया।

पांचवीं कक्षा की छात्राएं सृष्टि कुमारी, साक्षी कुमारी, आंचल और शान्वी ने बताया कि स्कूल में उन्हें इस बार छठ पर्व का गहरा अर्थ और इसके पालन की परंपराएं सिखाई गईं। साथ ही उन्हें दीपावली पर साफ-सफाई और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। छात्राओं ने बताया कि इस बार वे घरों की विशेष सफाई करेंगी और प्रदूषण रहित दीपावली मनाएंगी।

विद्यालय के डायरेक्टर संजीव कुमार सिंह उर्फ सिंकू सिंह ने कहा कि बच्चों को केवल किताबों की शिक्षा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और पर्व-त्योहारों की आत्मा से जोड़ना भी आवश्यक है। ऐसे आयोजनों से उनमें परंपराओं के प्रति सम्मान और समाजिक जिम्मेदारी की भावना जागृत होती है।

कार्यक्रम के अंत में रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया और विद्यालय प्रांगण में गूंजते छठ गीतों ने पर्व की पावनता का सुंदर संदेश दिया।

धनतेरस पर झमाझम खरीदारी से गुलजार रहा बाजार, देर रात तक हुई करोड़ों की बिक्री

सोना-चांदी से लेकर स्मार्ट टीवी और गाड़ियां तक बिकीं, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

केटी न्यूज/डुमरांव

धनतेरस पर शनिवार को डुमरांव में मानो धन की वर्षा हो गई। शहर के बाजारों में सुबह से ही खरीदारों की चहल-पहल शुरू हो गई जो देर रात तक जारी रही। हर गली, हर चौक पर रोशनी, रौनक और रुकती नहीं थी भीड़, यह नजारा किसी मेले से कम नहीं लग रहा था। पारंपरिक खरीदारी के साथ इस बार आधुनिक वस्तुओं की बिक्री ने भी नए रिकॉर्ड बनाए। व्यापारी भी उत्साहित नजर आए और ग्राहकों ने त्योहार के शुभ अवसर पर दिल खोलकर खरीदारी की।

सुबह से उमड़ी भीड़, देर रात तक रही रौनक

धनतेरस के शुभ मुहूर्त की शुरूआत के साथ ही लोगों ने खरीदारी की शुरूआत कर दी थी। सुबह आठ बजे से ही बाजारों में रौनक बढ़ने लगी थी। डुमरांव के प्रमुख बाजार गोला रोड, स्टेशन रोड, वीर कुंवर सिंह चौक और गांधी चौक में इतनी भीड़ उमड़ी कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया। दुकानों को झालरों, फूलों और लाइटों से सजाया गया था, जिससे पूरा बाजार जगमगा उठा। पुराने भोजपुर, नया भोजपुर, कोरानसराय सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचे।

सोना-चांदी के साथ इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं की हुई ताबड़तोड़ बिक्री

धनतेरस का पारंपरिक महत्व सोना-चांदी की खरीदारी से जुड़ा रहा है, लेकिन इस बार लोगों का रुझान सिर्फ आभूषणों तक सीमित नहीं रहा। इस वर्ष इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं की बिक्री ने दुकानदारों को खूब खुश किया। स्मार्टफोन, टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, मिक्सर और ओवन की बिक्री में 30 से 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। दुकानदारों के मुताबिक, कई ग्राहकों ने एक पर एक मुफ्त और नो-कॉस्ट ईएमआई जैसे ऑफर्स का खूब फायदा उठाया। त्योहार पर कई कंपनियों ने विशेष डिस्काउंट और आकर्षक गिफ्ट ऑफर्स भी दिए, जिसके चलते इलेक्ट्रॉनिक दुकानों पर दिनभर भीड़ बनी रही।

ज्वेलरी शोरूमों में लगी रही लंबी कतारें

शुभ घड़ी में सोना-चांदी की खरीदारी को लेकर भी लोगों में गजब का उत्साह देखा गया। महिलाएँ विशेष रूप से ज्वेलरी शोरूमों में उमड़ी रहीं। सोने के सिक्के, चांदी के सिक्के, ब्रेसलेट और झुमकों की बिक्री में खासा इजाफा हुआ। दुकानदारों का कहना है कि कई ग्राहकों ने पहले से बुकिंग कर रखी थी और धनतेरस के दिन डिलीवरी ली।

ऑटोमोबाइल बाजारों में भी दिखी चकाचौंध

त्योहार का जोश इस बार वाहन बाजारों में भी देखने को मिला। डुमरांव, नया भोजपुर और बक्सर रोड स्थित ऑटोमोबाइल शोरूमों में दिनभर खरीदारों की भीड़ लगी रही। सुबह से ही नई गाड़ियां लेने वालों की लाइन लगी रही। शुभ मुहूर्त में कारों और बाइक की डिलीवरी दी गई। गाड़ियों की पूजा के लिए शोरूमों के बाहर नारियल फोड़ने, अगरबत्ती जलाने और प्रसाद चढ़ाने का सिलसिला चलता रहा।

सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था रही चुस्त-दुरुस्त

बाजारों में उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने पहले से ही पुख्ता इंतजाम किए थे। डुमरांव थाना अध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस बल दिनभर बाजारों में गश्त करता रहा। गोला रोड से लेकर राजगढ़ चौक तक ट्रैफिक व्यवस्था को कड़ी निगरानी में रखा गया। ऑटो और बड़े वाहनों के प्रवेश पर अस्थायी रोक लगाई गई थी, ताकि पैदल खरीदारों को परेशानी न हो। महिला पुलिस बल को भी बाजारों में तैनात किया गया था, जिससे भीड़ के बीच सुरक्षा बनी रही। थाना अध्यक्ष ने बताया कि त्योहार के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए अतिरिक्त पुलिस बल और होमगार्ड जवान तैनात किए गए थे।

एक नजर

छठी मईया के गीतों से गूंज उठा मध्य विद्यालय रामपुर परिसर

केसठ। प्रखंड क्षेत्र के मध्य विद्यालय रामपुर में शनिवार को छठ महापर्व के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने लोक आस्था और श्रद्धा के प्रतीक छठ महापर्व से जुड़ी आकर्षक झांकी प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए जैसे पारंपरिक छठ गीतों से पूरा विद्यालय परिसर छठी मईया की भक्ति में सराबोर हो उठा।कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने सूर्य देव की आराधना, डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा तथा छठी मईया की पूजा विधि को पारंपरिक वेशभूषा और लोकगीतों के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। बच्चों की प्रस्तुति देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा माहौल गूंज उठा। विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार चौबे ने कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए कहा कि, ऐसे आयोजन बच्चों में सांस्कृतिक मूल्यों और परंपरागत त्योहारों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं। हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा दायित्व है, ताकि वे अपनी विरासत को पहचानें और संजोकर रखें।कार्यक्रम में विद्यालय परिवार सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। मौके पर बृज बिहारी सिंह, अखंड प्रताप सिंह, मीना कुमारी, नेहा कुमारी, पिंकी कुमारी, आरजू परवीन, अंजली कुमारी, नव्या कुमारी, ममता कुमारी, शिवम कुमार सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।छठी मईया के जयकारों और गीतों से गूंजते विद्यालय परिसर में पूरे दिन भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा।

धनतेरस पर अर्धसैनिक बल और नावानगर पुलिस का संयुक्त मार्च, शांति व्यवस्था बनाए रखने में मुस्तैद प्रशासन

के सठ। धनतेरस के अवसर पर शनिवार को अर्धसैनिक बल और नावानगर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला गया, ताकि त्योहारों के दौरान शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनी रहे। यह मार्च बीएसएफ तथा नावानगर पुलिस बल के संयुक्त नेतृत्व में किया गया। इस दौरान मार्च का नेतृत्व एसआई मुन्ना यादव और बटालियन के एसआई आशुतोष यादव ने किया।फ्लैग मार्च नया बाजार केसठ से शुरू होकर पुराना बाजार, मुख्य चौक, पोखरा रोड, केसठ बाजार एवं संवेदनशील गलियों से होते हुए संपन्न हुआ। इस दौरान पुलिस बल ने स्थानीय लोगों को आपसी सौहार्द और शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की। बाजारों में भीड़ को देखते हुए पुलिस बल के जवान पूरी तरह चौकन्ने दिखे।एसआई मुन्ना यादव ने बताया कि धनतेरस दीपावली और छठ जैसे पर्वों के दौरान लोगों की सुरक्षा सर्वोच्चप्राथमिकता है। क्षेत्र में किसी भी तरह की शरारती या अफवाह फैलाने वाली गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा रही है।वहीं बटालियन के एसआई आशुतोष यादव ने कहा कि अर्धसैनिक बल और स्थानीय पुलिस का उद्देश्य है कि लोग बिना किसी भय के त्योहार मनाएं। बाजारों में अतिरिक्त गश्ती दल की तैनाती की गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई हो सके मार्च के दौरान रामजी चौकीदार, रवि चौकीदार समेत अन्य सुरक्षाकर्मी भी सड़कों पर मुस्तैद रहे। पुलिस प्रशासन ने लोगों से अपील की कि वे सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। शांतिपूर्ण माहौल और आपसी भाईचारा बनाए रखने के संदेश के साथ यह मार्च लोगों में सुरक्षा का भरोसा और विश्वास जगाने में सफल रहा।

पुलिस के डर से भागने के दौरान पलटी शराब लदी कार, 420 लीटर विदेशी शराब बरामद

- पत्नी की तबीयत बिगड़ी, नामांकन से पहले ही थम गया धर्मवीर भारती

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर थाना पुलिस को शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने शनिवार की सुबह करीब पांच बजे एक कार से 420 लीटर विदेशी शराब बरामद की। बताया जाता है कि पुलिस टीम ने संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक पुलिस को देख तेज रफ्तार में भागने लगा। इसी दौरान वाहन का संतुलन बिगड़ गया और कार सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी।

मौके पर पहुंचे पुलिस दल ने तलाशी के दौरान कार से 2,327 पाउच फ्रूटी ब्रांड की विदेशी शराब बरामद की। हालांकि तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा। पुलिस ने वाहन को जब्त कर थाना परिसर में रखा है। थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार ने बताया कि फरार तस्कर की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि बरामद शराब की कुल मात्रा लगभग 420 लीटर है, जिसकी बाजार कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि शराब तस्करी और अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव को लेकर जिले में विशेष निगरानी बढ़ाई गई है और हर संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। ब्रह्मपुर पुलिस की इस कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप मच गया है, वहीं क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता को लेकर आम लोगों ने संतोष जताया है।

शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

चौगाई। मुरार पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के खेवली गांव में छापेमारी कर पांच लीटर देशी शराब के साथ एक कारोबारी शिवजी राय को गिरफ्तार किया है। मुरार थानाध्यक्ष नेहा कुमारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शिवजी अपने घर से शराब की तस्करी कर रहा है। सूचना की तस्दीक के बाद एक टीम गठित कर उसके घर छापेमारी करवाई गई। छापेमारी के दौरान उसके घर से शराब बरामद हुआ, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि आवश्यक पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि विधान सभा चुनाव को ले पुलिस विशेष अभियान चला रही है।

घर-घर पहुंची मतदाता पर्ची, जागरूकता की बढ़ी रफ्तार

- प्रेक्षक ने कई बूथों का किया निरीक्षण, मतदाताओं से की सीधी बातचीत

केटी न्यूज/डुमरांव

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रशासनिक स्तर पर मतदाताओं को जागरूक करने और निर्वाचक प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए अब घर-घर मतदाता पर्ची वितरण का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस जिम्मेदारी को निभा रहे हैं मतदान केंद्र स्तरीय पदाधिकारी और बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर), जो न केवल मतदाता पर्ची बांट रहे हैं बल्कि लोगों को मतदान की तारीख, प्रक्रिया और मतदान के महत्व की जानकारी भी दे रहे हैं। शनिवार को डुमरांव प्रखंड क्षेत्र के आरीयाव, नंदन, लाखन डिहरा और सोवा पंचायतों के विभिन्न मतदान केंद्रों पर इस अभियान की स्थिति का निरीक्षण करने पहुंचे निर्वाचन प्रेक्षक ने खुद तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों की व्यवस्था, पहुंच मार्ग, मूलभूत सुविधाओं और पर्ची वितरण कार्य की विस्तार से समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में प्रेक्षक ने युवा, महिला और वृद्ध मतदाताओं से भी सीधा संवाद किया। उन्होंने मतदाताओं से पूछा कि क्या उन्हें पर्ची मिल गई है और क्या वे मतदान की तारीख से अवगत हैं। अधिकांश लोगों ने बताया कि बीएलओ ने समय पर पर्ची दी और मतदान को लेकर जानकारी भी साझा की है। निरीक्षण के दौरान प्रेक्षक के साथ डुमरांव बीडीओ संदीप कुमार पांडेय मौजूद थे। उन्होंने बताया कि हर बूथ पर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी मतदाता वंचित न रहे। बीएलओ को निर्देश दिया गया है कि वे हर परिवार तक पहुंचें और मतदान दिवस से पहले पर्ची वितरण कार्य पूरा करें। साथ ही, निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के तहत सभी मतदान केंद्रों को आवश्यक सुविधाओंकृजैसे पेयजल, छाया, रैंप और शौचालय आदि से सुसज्जित किया जा रहा है।

युवा मतदाताओं में दिख रहा है उत्साह

डुमरांव क्षेत्र में इस बार पहली बार वोट डालने वाले युवा मतदाताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। वहीं, महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ती दिख रही है। प्रेक्षक ने इस जनजागरूकता अभियान की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र की सच्ची ताकत तभी नजर आती है जब हर नागरिक मतदान केंद्र तक पहुंचता है। वहीं, बीडीओ ने बताया कि मतदाता पर्ची वितरण और जागरूकता की यह मुहिम न केवल मतदान प्रतिशत बढ़ाने में सहायक होगी, बल्कि यह लोकतंत्र के महापर्व को और अधिक जनसहभागिता वाला बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बोला मतपत्र प्रकोष्ठ की तैयारी में नहीं बरती जायेगी कोताही

केटी न्यूज/रोहतास

शनिवार को विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारियों को लेकर शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, रोहतास उदिता सिंह ने समाहरणालय में मतपत्र प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर प्रकोष्ठ के नोडल पदाधिकारी, सहायक नोडल पदाधिकारी, तथा संबंधित शाखाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी ने मतपत्र की छपाई, प्रूफ रीडिंग, सत्यापन, पैकिंग, भंडारण एवं वितरण से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में मतपत्र की

भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, अतः इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि या लापरवाही अस्वीकार्य है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने नोडल पदाधिकारी को कई आवश्यक निर्देश दिए। मतपत्र की गुणवत्ता एवं प्रूफ रीडिंग पर विशेष ध्यान दें।सभी विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों के नाम, प्रतीक चिन्ह तथा पार्टी का नाम सही-सही छपे, यह सुनिश्चित किया जाए। प्रूफ फाइनल होने से पहले बार-बार जांच की जाए ताकि किसी भी प्रकार की गलती की संभावना न रहे।

निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन किया जाए। मतपत्र की छपाई, परिवहन, वितरण एवं रख-रखाव की प्रत्येक प्रक्रिया निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुरूप होनी चाहिए। सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मतपत्रों की छपाई एवं भंडारण स्थल पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रवेश नियंत्रण प्रणाली, सीसीटीवी निगरानी एवं अभिलेख संधारण की व्यवस्था सुदृढ़ की जाए। समय-सीमा का पालन अनिवार्य रूप से हो। सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किए जाएं ताकि निर्वाचन कार्यक्रम में किसी प्रकार की देरी न हो। संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी हेतु जिम्मेदार पदाधिकारी नामित हों। प्रत्येक चरण की प्रगति रिपोर्ट दैनिक रूप से जिला निर्वाचन कार्यालय को भेजी जाए। सभी संबंधित कर्मियों को निर्वाचन आचार संहिता एवं गोपनीयता नियमों की जानकारी दी जाए। मतपत्र से संबंधित जानकारी या नमूना किसी भी स्तर पर सार्वजनिक न किया जाए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतपत्र निर्वाचन की आत्मा है। इसकी शुद्धता, गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुसार सभी कार्य अत्यंत सावधानी एवं पारदर्शिता के साथ पूरे किए जाएं। विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त माहौल में संपन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। सभी पदाधिकारी पूरी निष्ठा, अनुशासन और टीम भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित शाखा अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन अपडेट करें और यदि किसी स्तर पर तकनीकी या प्रशासनिक समस्या आती है तो तुरंत उच्च अधिकारियों को सूचित करें।

केवल चुनाव लड़ना नहीं बल्कि काराकाट की तस्वीर बदलना ही मेरे जीवन का लक्ष्य : महाबली

- **काराकाट से एनडीए प्रत्याशी महाबली सिंह ने भरा अपना नामांकन,समर्थकों की उमड़ी भीड़**
- **एनडीए के रंग में रंग गया बिक्रमगंज से लेकर काराकाट और संझौली तक का मार्ग**

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट 213 विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए के जदयू प्रत्याशी महाबली सिंह ने नामांकन पर्चा दाखिल किया। जिसके बाद विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी को काफी चरम पर है। शनिवार को नामांकन दाखिल करने पहुंचे महाबली सिंह के समर्थन में कार्यकताओं, समर्थकों और आम जनता का ऐसा जन सैलाब उमड़ा कि काराकाट से लेकर बिक्रमगंज और

संझौली तक केसरिया रंग में रंग गया। यह नामांकन केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एनडीए के लिए एक विशाल शक्ति प्रदर्शन बन गया, जिसने विपक्ष को कड़ा संदेश देने का काम किया है। अवसर पर नामांकन सह सभा समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता सूरज पासवान प्रखंड अध्यक्ष रालोमा और संचालन भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष रंजन ने की।

लोगों के उत्साह और समर्थन में दिखा अद्भुत नजारा

स्थानीय शहर के वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर परिसर से नामांकन स्थल तक जाने वाले मार्ग पर सुबह से ही काराकाट विधानसभा क्षेत्र से लोगों का हुजूम जुटना शुरू हो गया था। कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरक रहे थे और फिर एक बार, एनडीए सरकार तथा महाबली सिंह जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। जिसमें महिला समर्थकों की उपस्थिति भी विशेष रूप से उल्लेखनीय थी।

सभा संबोधन में जंगलराज पर गरजे महाबली

नामांकन के बाद बिक्रमगंज शहर के राजीव गांधी मैदान जनता के साथ सभा सम्मेलन करते हुए महाबली सिंह ने बताया कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एनडीए के डबल इंजन की सरकार में विकास की बयार बह रही है। जो आगे भी बहती रहेंगी। दूसरी तरफ महागठबंधन का जंगलराज लालू यादव और तेजस्वी यादव पुनः बिहार में लाना चाह रहें है। जिसे बिहार की मतदाता जनता भलीभांति जान चुकी हैं। साथ ही बताया कि काराकाट विधानसभा की जनता ने जो प्यार और विश्वास आज मुझ पर जताया है, वह मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी है। जो मेरे जीवन का लक्ष्य मात्र लक्ष्य है कि काराकाट में ऐतिहासिक विकास का बयार ला सकूं। जिसके लिए में जनता से कहना चाहूंगा कि मैं केवल चुनाव लड़ने नहीं आई हूँ, बल्कि काराकाट की तकदीर और तस्वीर बदलने आई हूँ। जो एनडीए की डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर घर तक पहुंचाना मेरा लक्ष्य है। काराकाट को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में अग्रणी बनाना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। यह जनसैलाब मेरे नहीं, बल्कि विकास और सुशासन के संकल्प का प्रतीक है। वहीं उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि काराकाट अब पुराने और खोखले वादों से थक चुका है और अब यहां की जनता बदलाव के लिए तैयार है। मेरा मुकाबला किसी व्यक्ति से नहीं, बल्कि पिछड़ेपन, उपेक्षा और भ्रष्टाचार से है। शनिवार को नामांकन के दौरान एनडीए के सभी घटक दलों के शीर्ष नेता मौजूद थे, जिन्होंने गठबंधन की एकजुटता को प्रदर्शित किया। इन नेताओं ने महाबली सिंह को अपनी पार्टी का पूर्ण समर्थन दिया और काराकाट विधानसभा को जनता से उन्हें भारी मतों से जिताने की अपील की। मौके पर पूर्व मंत्री संतोष सिंह निराला,विवेक कुशवाहा,सरोज सिंह,संजीव सिंह,जसीम कुरैशी,राजेश्वर सिंह,सुरेश तिवारी, बिरेंद्र चौधरी, इरशाद खान, हसनैन खान,मुखिया विनय चौधरी,बिहारी गुप्ता,ललित मोहन सिंह,डॉ. रविन्द्र सिंह, संजय वर्मा, भीम पांडे,भाई जितेंद्र, सूर्यवंश कुशवाहा,बब्लू ब्राम्हण,भीम सिंह, नवीन चंद्र साह, मनमोहन तिवारी,हीरा साह, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि पिंटू सिंह, सुनील गुप्ता मुखिया प्रतिनिधि, मोनू गुप्ता, भ्रमण सिंह, हरेंद्र हरियाली, अजीत सिंह,विनेशकांत तिवारी, सुनील सिंह, पप्पू सिंह, मुन्ना सिंह, रविन्द्र मेहता,अनिल सिंह, रमेश सिंह, नागा सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

छठ महापर्व पर कस्तूरबा विद्यालय के बच्चियों ने निकाली झांकी

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट प्रखंड के जयश्री स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में छठ पूजा का पर्व सांस्कृतिक रूप से मनाया गया। अवसर पर छात्राओं ने आकर्षक झांकी प्रस्तुत की,जिसने सभी को प्रभावित किया । विद्यालय की वार्डन गुड़िया पांडेय ने बताया कि झांकी का उद्देश्य छात्राओं में बिहार की संस्कृति,लोक परंपरा और धार्मिक आस्था के प्रति जागरूकता पैदा करना था। शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में छात्राओं ने छठ पूजा से जुड़ी विभिन्न विधियों को मंच पर जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। इसमें खरना की तैयारी,सूर्य को अर्घ्य अर्पण और डाला सजाने जैसे दृश्य शामिल थे । झांकी में सूर्य को अर्घ्य देने,छठ मइया की आराधना और घाट की पूजा का मनमोहक चित्रण किया गया । इस झांकी में वार्डन गुड़िया पांडेय, शिक्षिका श्यामला कुमारी और नाहिदा खातून के साथ पूनम

कुमारी,खुशी कुमारी,अंजली कुमारी,काजल कुमारी,उषा कुमारी और रामवती कुमारी सहित कई छात्राएं शामिल थीं । झांकी के माध्यम से स्वच्छता,नारी सम्मान,प्रकृति प्रेम और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण संदेश दिए गए । विद्यालय परिसर में पारंपरिक छठ गीतों की स्वर लहरियां गूंज उठीं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस आयोजन में स्थानीय ग्रामीण,विद्यालय के शिक्षक और शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे । सभी ने छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में सांस्कृतिक जुड़ाव और नैतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं।

रोहतास डीएम ने मतदान जागरूकता अभियान अंतर्गत महिलाओं से किया संवाद

केटी न्यूज/रोहतास

शनिवार को स्वीप कोषांग के अंतर्गत सासाराम के मल्टीपर्पस हॉल में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी उदिता सिंह ने जीविका समूह के सीसी, आंगनवाड़ी, एलएस एवं शिक्षा के आशा कार्यकताओं से संवाद किया। जिसमें लगभग 300 महिला कार्यकताओं ने भाग लिया। संवाद के तहत जिला पदाधिकारी ने बताया कि आप सभी महिलाओं का योगदान मतदाता जागरूकता अभियान में बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने सभी को निदेश दिया की चुनाव के दिन ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को भूतों पर मत देने के लिए लेकर आए और उनके सहयोगी बने। मतदान के दिन पूर्वाहन 9:00 बजे तक ज्यादा से ज्यादा लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करें। सभी महिलाएं यह सुनिश्चित करें कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को घर से लेकर आए और मतदान संबंधी उनके वोट अधिकार के बारे में अवगत कराए। रोहतास जिला

प्रशासन इस बार महिलाओं के लिए मतदान के दिन विशेष व्यवस्था के साथ तैयार है। जिसमें जो महिलाएं आने में सक्षम नहीं है। उनके लिए वाहन की व्यवस्था महिलाओं के लिए अलग कतार की व्यवस्था एवं वैसे महिलाएं जो गर्भवती हैं उनके लिए विशेष कमरा की व्यवस्था की जाएगी। जिला पदाधिकारी के निदेर्शानुसार इस बार महिलाओं को केंद्र में रखकर मतदान किया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताया है कि इस बार महिला वोटर ज्यादा से ज्यादा संख्या में वोट करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई है कि पिछली बार जो महिला और पुरुषों के वोट में जो अंतर था। वह इस बार वोट अंतर में अप्रत्याशित सुधार करेंगे। जिला पदाधिकारी के अलावा स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे नोडल पदाधिकारी के द्वारा भी संवाद किया गया और उन्होंने मतदान से संबंधित बारीकियां सभी लोगों को बताया गया। जिला पदाधिकारी के निदेर्शानुसार मतदान संबंधी सभी जागरूकता कार्यक्रम युद्ध स्तर पर चलाए जा रहे हैं जिससे रोहतास जिला पिछली बार की तरह इस बार भी अव्वल रहे।

धनतेरस पर नोखा के बाजारों में खरीदारों की उमड़ी भीड़, झाड़ू-बर्तनों की दुकानों की बढ़ी रौनक

केटी न्यूज/रोहतास

नगर परिषद नोखा में दीपाली पर मां लक्ष्मी के धनवर्षा पर्व के धनतेरस पर बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। कहीं बर्तनों की दुकानों पर भीड़ है तो कहीं झाड़ू की दुकानों पर लंबी कतारें नजर आ रही हैं। धनतेरस पर खरीदारी को शुभ माना जाता है। धनतेरस के मौके पर नोखा के बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिल रही है। लोग सुबह से ही खरीदारी में जुटे हैं। कहीं बर्तनों की दुकानों पर भीड़ है तो कहीं झाड़ू की दुकानों पर लंबी कतारें नजर आ रही है। मार्केट में तो त्योहार की चहल-पहल ने पूरे माहौल को खुशनुमा बना दिया है। धनतेरस के मौके पर नोखा के बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिल रही है। लोग सुबह से ही खरीदारी में जुटे हैं। कहीं बर्तनों की दुकानों पर भीड़ है तो कहीं झाड़ू की दुकानों पर

लंबी कतारें नजर आ रही हैं।मार्केट में तो त्योहार की चहल-पहल ने पूरे माहौल को खुशनुमा बना दिया है। इस बार हमने झाड़ू और कुछ नए बर्तन लिए हैं, ताकि घर में लक्ष्मीजी का स्वागत अच्छे से हो सके। वही त्योहार के मद्देनजर पुलिस और ट्रैफिक विभाग ने भी बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हैं। ताकि जगह-जगह ट्रैफिक पुलिस तैनात है ताकि भीड़भाड़ के बीच लोगों को परेशानी न झेलनी पड़ी।

महागठबंधन प्रत्याशी अनीता देवी ने नोखा से किया नामांकन, लोगों की उमड़ी भीड़

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के अंतर्गत नोखा विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को महत्वपूर्ण राजनीतिक गतिविधियाँ देखने को मिलीं। महागठबंधन के प्रत्याशी अनीता देवी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। यह कार्यभार न केवल राजनीतिक बल्कि जनता की सक्रिय भागीदारी का भी प्रतीक रहा। नामांकन प्रक्रिया के बाद ईश्वर दयाल भगवत कालेज के मैदान में आयोजित नामांकन सह आशीर्वाद सभा में भारी जनसमूह ने भाग लिया। सभा में काराकाट सांसद राजाराम कुशवाहा,आरा सांसद सुदामा प्रसाद, जिलाध्यक्ष रामचंद्र ठाकुर,

उपस्थित रहे। अवसर पर जनता

से अनीता देवी के समर्थन में आशीर्वाद माँगा। सभा के दौरान उपस्थित जनता ने न केवल नेताओं का स्वागत किया बल्कि महागठबंधन के पक्ष में जीत की नारेबाजी और जयकारा लगाया।

एक नजर

पेड न्यूज एवं फेक न्यूज पर मीडिया सह एमसीएमसी कोषांग की पैनी नजर

सासाराम (रोहतास) भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश एवं जिला पदाधिकारी रोहतास के मार्गदर्शन में गठित मीडिया सह एमसीएमसी (मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग कमेटी) कोषांग आगामी बिहार विधान सभा निर्वाचन 2025 के दृष्टिगत सक्रिय रूप से कार्यरत है। इस कोषांग द्वारा जिले के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में सोशल मीडिया,इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं प्रिंट मीडिया में प्रकाशित समाचार, सूचनाओं एवं विज्ञापनों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। विशेष रूप से सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रसारित होने वाली सामग्री पर पैनी नजर रखी जा रही है, जहां भ्रामक एवं फेक सूचनाओं के त्वरित प्रसार की संभावना अधिक होती है। कोषांग द्वारा जिले के सभी प्रत्याशियों के सोशल मीडिया अकाउंट से प्रसारित समाचारों, विज्ञापनों एवं प्रचार सामग्रियों का सतत अनुश्रवण किया जा रहा है। विदित हो कि आदर्श आचार संहिता के 6 अक्टूबर 2025 से प्रभावी होने के साथ ही यह कोषांग जो प्रतिदिन 24 घंटे सक्रिय रूप से कार्यरत है, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

काराकाट से जनसुराज से मुखिया योगेंद्र सिंह ने किया नामांकन

बिक्रमगंज (रोहतास) 213 काराकाट विधानसभा क्षेत्र से जनसुराज पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी काराकाट मुखिया सह रोहतास मुखिया संघ जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह शनिवार को अपने समर्थकों के साथ बिक्रमगंज अनुमंडल कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने अपने प्रस्तावकों के साथ निवार्ची पदाधिकारी सह एसडीएम प्रभात कुमार के समक्ष अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया ।नामांकन के बाद जैसे ही प्रत्याशी योगेंद्र सिंह अनुमंडल परिसर से बाहर निकले,उनके समर्थकों ने फूल- मालाओं से भव्य स्वागत किया । प्रशांत किशोर जिंदाबाद और योगेंद्र सिंह जिंदाबाद के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा । समर्थकों के चेहरों पर जीत की उम्मीद और उत्साह साफ झलक रही थी । इसके बाद श्री सिंह अपने समर्थकों के साथ काराकाट बाजार स्थित खेल मैदान पहुंचे,जहां जनसैलाब उमड़ पड़ा । उन्होंने जनता का अभिवादन स्वीकार करते हुए कहा कि काराकाट की जनता मेरे परिवार की तरह है । मैं वर्षों से इस धरती की सेवा करता आया हूं और आज जनसुराज पार्टी के माध्यम से जनता के बीच जनसेवक बनकर आया हूं । हमारे सुप्रीमो प्रशांत किशोर का सपना है कि जनता खुद अपने विकास की योजना बनाए । मैं उसी सोच को लेकर आया हूं कि काराकाट की गलियों से लेकर पंचायत तक हर आवाज विधानसभा तक पहुंचे । जनता ने जो भरोसा दिया है,उसे हम हर हाल में निभाएंगे । हमारी प्राथमिकता शिक्षा,स्वास्थ्य,कृषि और युवाओं को रोजगार से जोड़ना होगा । अब काराकाट का विकास किसी बाहरी एजेंडे से नहीं,बल्कि यहां की जनता की इच्छाशक्ति से होगा । आशिर्वाद सभा स्थल पर मौजूद जनसमूह ने जनसुराज पार्टी जिंदाबाद और योगेंद्र सिंह आगे बढ़ो,हम तुम्हारे साथ हैं के नारों से पूरा माहौल गूंजा दिया । आशिर्वाद सभा के अंत में योगेंद्र सिंह ने कहा कि यह चुनाव सत्ता की लालसा नहीं,बल्कि जनता के अधिकार की लड़ाई है । मौके पर उनके समर्थक व जनसमूह उमड़ पड़ा।

डीएम उदिता सिंह द्वारा लोक शिकायत निवारण में चार मामलों का हुआ निस्तारण

सासाराम । लोक शिकायत निवारण के द्वितीय अपील अन्तर्गत प्राप्त 06 अपील आवेदनों पर जिला पदाधिकारी उदिता सिंह द्वारा शनिवार को सुनवाई की गयी। सुनवाई के दौरान लोक प्राधिकार के रूप में जिला पंचायत राज पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमण्डल, सासाराम, कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल, सासाराम उपस्थित रहें। परन्तु, एक अपीलार्थी सुनवाई के क्रम में अनुपस्थित रहें। लोक प्राधिकार द्वारा अनुपालन प्रतिवेदन समर्पित किया गया। प्राप्त अनुपालन प्रतिवेदन के आलोक में सुनवाई की गई तथा उपस्थित पक्षों को विस्तार से सुना गया। सुनवाई के दौरान राणा प्रताप सिंह, मनोहर कुमार, नारेन्द्र कुमार पाण्डेय, चन्दन पासवान के शिकायतों का निराकरण करते हुये निष्पादित किया गया। शेष मामले में लोक प्राधिकार को निर्देश दिया गया कि अगली निर्धारित तिथि को अनुपालन प्रतिवेदन के साथ उपस्थित रहें। साथ हीं लोक प्राधिकार को परिवादों के निस्तारण हेतु कई निर्देश भी दिये गये।

छठ महापर्व को लेकर काराकाट नगर पंचायत ने शुरू कराई घाटों की साफ- सफाई

काराकाट । छठ महापर्व को लेकर काराकाट नगर पंचायत की ओर से तैयारियां जोरों पर हैं । कार्यपालक पदाधिकारी सीमाब मतीन के नेतृत्व में छठ पूजा घाटों की साफ-सफाई अभियान की शुरूआत की गई । नगर पंचायत क्षेत्र के गोड़ारी,चिल्हा, करूप,जमुआ,नाद और बाद स्थित छठ घाटों पर सफाई कर्मियों ने व्यापक सफाई अभियान चलाया ।इस दौरान घाटों की सफाई के साथ-साथ आसपास की झाड़ियों की कटाई, कचरे का उठाव तथा नालों की सफाई भी कराई गई,ताकि व्रतधारी और श्रद्धालु स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण में सूर्य उपासना कर सकें ।कार्यपालक पदाधिकारी सीमाब मतीन ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र के सभी छठ घाटों पर स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था की जाएगी । उन्होंने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था का सबसे बड़ा पर्व है,इसलिए नगर पंचायत द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं । मौके पर नगर पंचायत के अधिकारी एवं सफाई कर्मी मौजूद रहे और पूरी तत्परता से स्वच्छता कार्यों में जुटे रहे ।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 21 अक्टूबर से करेंगे चुनावी रैलियों की शुरूआत

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सभी राजनीतिक पार्टियां पूरी ताकत के साथ चुनाव प्रचार में जुट गई हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय जनता दल (राजद), जनता दल यूनाइटेड (जदयू) समेत सभी प्रमुख दल अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर चुके हैं और अपने-अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार अभियान चलाने में जुट गए हैं। इस बार चुनाव में रणनीति और स्टार प्रचारकों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि

चुनावी मैदान में उम्मीदवारों की पहचान और उनकी साख तय करने में प्रचार की भूमिका अहम होती है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 21 अक्टूबर से बिहार विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान की शुरूआत मुजफ्फरपुर जिले से करेंगे। यह प्रचार अभियान जदयू के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि मुख्यमंत्री के भाषण का प्रभाव न सिर्फ मुजफ्फरपुर जिले में बल्कि आसपास के जिलों में भी देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह पहल पार्टी के लिए चुनावी माहौल बनाने और समर्थकों में उत्साह पैदा करने के उद्देश्य से की जा रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहली सभा मीनापुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित की जाएगी। इसके लिए मीनापुर हाईस्कूल के खेल मैदान को चुनावी सभा स्थल के रूप में चुना गया है। यह सभा दोपहर 12 बजे शुरू होगी, जिसमें मुख्यमंत्री जनता को संबोधित करेंगे और आगामी चुनाव के लिए जदयू के एजेंडे और विकास योजनाओं का हवाला देंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मीनापुर विधानसभा क्षेत्र में यह सभा जदयू के उम्मीदवारों के प्रचार को मजबूत करेगी और स्थानीय जनता पर सकारात्मक प्रभाव डालेगी। मीनापुर में पहली सभा के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूसरी सभा कांटी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित की जाएगी। यह सभा दोपहर 2 बजे से शुरू होने की संभावना है। कांटी विधानसभा क्षेत्र भी राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है और यहां मुख्यमंत्री के भाषण से स्थानीय मतदाताओं में चुनावी उत्साह बढ़ने की संभावना है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि दोनों सभाओं का उद्देश्य न केवल उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाना है, बल्कि पार्टी के प्रति जनता का विश्वास भी बढ़ाना है। जदयू के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ये सभाएं चुनाव प्रचार अभियान की औपचारिक शुरूआत मानी जा रही हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री राज्य के अन्य जिलों में भी रैलियों और सभाओं के माध्यम से अपने चुनावी अभियान को आगे बढ़ाएंगे। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्यमंत्री के भाषण में विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण और कृषि जैसे मुद्दों पर जोर दिया जाएगा, जो आम जनता के लिए सीधे तौर पर मायने रखते हैं।

विधानसभा चुनाव में पीएम मोदी भरेंगे हुंकार गया जी में करेंगे चुनावी सभा को संबोधित

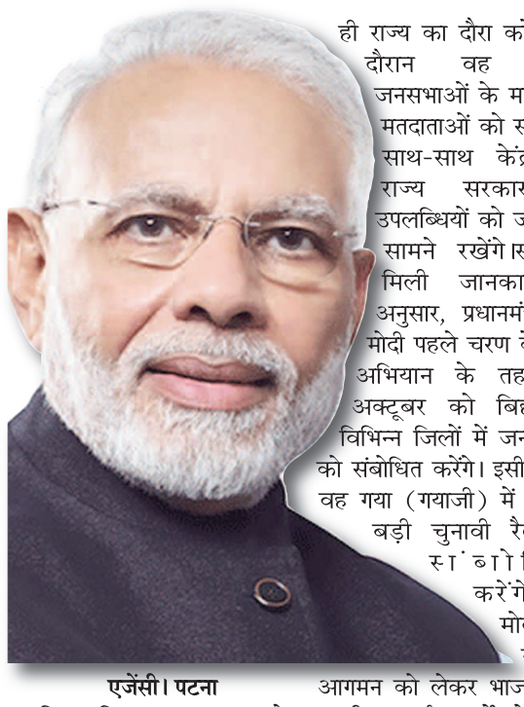

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही राज्य का दौरा करेंगे। इस दौरान वह अपनी जनसभाओं के माध्यम से मतदाताओं को साधने के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखेंगे।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले चरण के प्रचार अभियान के तहत 23 अक्टूबर को बिहार के विभिन्न जिलों में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसी क्रम में वह गया (गयाजी) में भी एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित करेंगे।पीएम मोदी के गया आगमन को लेकर भाजपा और एनडीए कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि प्रधानमंत्री की सभा से मगध प्रमंडल की 26 विधानसभा सीटों पर सीधा असर पड़ेगा और सभी सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों को लाभ मिलेगा। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। पीएम मोदी की रैली को लेकर गया जिला प्रशासन ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। सभा स्थल पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं और अधिकारियों की कई टीमें स्थल का निरीक्षण कर रही हैं।

पटना, गया से लेकर दरभंगा तक, प्रधानमंत्री मोदी 4 दिन में करेंगे 12 रैलियां

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मतदान के लिए अब 20 दिन से भी कम समय बचा हुआ है. पार्टियां चुनावी प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दे रही है. प्रधानमंत्री मोदी भी 23 अक्टूबर से बिहार में अपनी रैलियों का आगाज करेंगे. दरभंगा, मुजफ़्फरपुर, पटना, गया, पूर्वी चम्पारण, समस्तीपुर, छपरा, पश्चिमी चम्पारण और अररिया में रैली को संबोधित करेंगे. बिहार विधानसभा चुनाव के नजदीक आते-आते जैसे-जैसे सियासत का तापमान बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे हर कोई इस चुनावी समर को लेकर दिलचस्पी से भरा है. और अब इस पिक्चर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एंट्री होने वाली है जो इसे नया आयाम पर पहुंचाएगी. प्रधानमंत्री मोदी अक्टूबर के आखिरी हफ्ते से लेकर नवंबर के शुरूआती दिनों तक पूरे बिहार में कई रैलियों को संबोधित करेंगे. ये रैलियां न सिर्फ वोटरों के मूड पर असर डाल सकती हैं, बल्कि पूरे चुनावी समीकरण को पलट कर रख सकती हैं.प्रधानमंत्री की पहली रैली 23 अक्टूबर को तय है. इस दिन वे सासाराम, गया और भागलपुर में विशाल जनसभाएं करेंगे. इन इलाकों में बीजेपी और एनडीए की मजबूत पकड़ मानी जाती है, लेकिन विपक्ष भी हर सीट पर दमखम दिखाने में जुटा है. प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी से कार्यकताओं में जोश बढ़ेगा और मतदाताओं में नई ऊर्जा देखने को मिलेगी. इसके बाद 28 अक्टूबर को दरभंगा, मुजफ़्फरपुर और पटना में रैलियां होंगी. दरभंगा-मुजफ़्फरपुर मिथिलांचल के दिल माने जाते हैं और पटना तो राजधानी होने के साथ-साथ राजनीति का बड़ा केंद्र भी है. प्रधानमंत्री मोदी की भाषण केवल जनता से जुड़ने का जरिया नहीं, बल्कि पूरे बिहार को यह बताने का सशक्त माध्यम होंगे कि बीजेपी इस बार चुनाव में जीत के लिए कमर कस चुकी है. 1 नवंबर को पूर्वी चम्पारण, समस्तीपुर और छपरा में प्रधानमंत्री मोदी के भाषण होंगे, जहां सामाजिक समीकरण और स्थानीय मुद्दे निर्णायक बनेंगे. विकास, रोजगार, भ्रष्टाचार मुक्त शासन जैसे विषय युवाओं और किसान वर्ग को सीधे प्रभावित कर सकते हैं।

एक नजर

बिहार पहुंचे त्रिपुरा के सीएम मानिक साहा ने किया दावा, कहा-सभी 243 सीटों पर एनडीए की जीत तय

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच शनिवार को बगहा और रामनगर विधानसभा क्षेत्र में एनडीए प्रत्याशियों के नामांकन में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मानिक साहा शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार की 243 सीटों पर एनडीए की जीत तय है, जबकि चंपारण की सभी 9 सीटों पर एनडीए बहुमत से विजय प्राप्त करेगा। मुख्यमंत्री मानिक साहा ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के शासनकाल पर निशाना साधते हुए कहा कि ह्लकभी बिहार ह्यजंगलराजह्ल के नाम से जाना जाता था, लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ह्यविकासराजह्ल की पहचान बन चुका है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार की जनता अब जाति और परिवार की राजनीति नहीं, बल्कि विकास और स्थिरता को वोट दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और बिहार दोनों तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि चंपारण की धरती ने हमेशा परिवर्तन और स्वराज का संदेश दिया है, और इस बार भी जनता एनडीए को अभूतपूर्व जनसमर्थन देगी। सभा में क्षेत्रीय नेताओं और एनडीए समर्थकों की भारी भीड़ देखने को मिली। पूरे कार्यक्रम के दौरान ह्लफिर एक बार एनडीए सरकारह्ल और ह्लनीतीश-मोदी जिंदाबादह्ल के नारे गूंजते रहे।

बिहार में पूर्व वार्ड सदस्य के घर सिलेंडर ब्लास्ट, 6 लोगों की हालत गंभीर

पटना। सारण जिले के मढ़ौरा थाना क्षेत्र के मिजार्पुर बाजिदभोरहा गांव में शुक्रवार को खाना बनाते समय गैस सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा हो गया। जोरदार धमाके से आसपास के घरों की खिड़कियां हिल गईं और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में 10 लोग झुलसकर घायल हो गए, जिनमें से 6 की हालत गंभीर है। यह घटना पूर्व वार्ड सदस्य राजकिशोर राय के घर में हुई। उनके पुत्र बबलू राय सिलेंडर लगाने की कोशिश कर रहे थे, तभी विस्फोट हो गया। हादसे में बबलू राय, उमाशंकर प्रसाद, आशा देवी समेत 10 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को तत्काल मढ़ौरा अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां से 6 गंभीर रूप से घायल लोगों को सदर अस्पताल रेफर किया गया है। सूचना मिलते ही एसडीपीओ नरेश पासवान और थानाध्यक्ष अजय कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। अग्निशमन दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया।

चनपटिया से मनीष कश्यप ने जनसुराज से किया नामांकन

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर शनिवार को चनपटिया विधानसभा क्षेत्र से यूट्यूबर मनीष कश्यप ने जनसुराज पार्टी के प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन के बाद उन्होंने कहा कि जनता का साथ मिला तो क्षेत्र की हर समस्या को जड़ से खत्म कर दूंगा। उन्होंने कहा, ह्लमैं एक यूट्यूबर हूं, गरीब का बेटा हूं और गरीबों की पीड़ा को भलीभांति समझता हूं। सात दिनों के अंदर ब्लॉक में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करूंगा, वहीं एक महीने के भीतर अस्पताल की कुव्यवस्था को दुरुस्त करूंगा।ह्ल मनीष कश्यप ने नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा, जो सांसदों या बड़े घरानों के बेटे हैं, उन्हें आम जनता की तकलीफों का एहसास नहीं होता। मैं खुद गरीबी से निकला हूं, इसलिए लोगों के दुख-दर्द को समझ सकता हूं।

शराब की तस्करी में चोरी की बाईक का इस्तेमाल 6 मोटरसाइकिल के साथ 5 अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

बांका के टाउन थाना क्षेत्र में सक्रिय बाइक चोर गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने छापेमारी कर 6 बाइक के साथ 5 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इसे पुलिस बड़ी सफलता मान रही है। चोरी की बाइक का इस्तेमाल शराब की तस्करी में किया जाता था। जांच में यह बात सामने आई कि चोरी की मोटरसाइकिलों को शराब तस्करों के हाथों चोर बेचता था। जिसका धड़ल्ले से इस्तेमाल शराब के धंधेबाज शराब तस्करी में करते थे। अवैध शराब की ढुलाई और आपूर्ति में इसका इस्तेमाल किया जा रहा था। एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा के निर्देश पर एसडीपीओ अमर विश्वास के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। जांच टीम ने गुप्त सूचना, सीसीटीवी फुटेज और खुफिया इनपुट के आधार पर छापेमारी कर यह कार्रवाई की। इस दौरान टाउन थाना क्षेत्र के मर्दनकुरावा निवासी मिथिलेश यादव, लाडोमाटी निवासी अर्जुन कुमार यादव, जमदाहा थाना क्षेत्र के गौरबरन निवासी पंकज कुमार, जमदाहा के अमित कुमार और बाबूपुर निवासी दिलीप यादव को गिरफ्तार किया गया। उगिरफ्तार आरोपियों के घरों और ठिकानों से पुलिस ने कुल छह मोटरसाइकिल बरामद किया गया। जिनमें एक अपाचे, एक पैशन प्लस, एक सुपर स्प्लेंडर और दो हीरो ग्लैमर बाइक शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह पिछले डेढ़ महीने से बांका और आसपास के इलाकों में सक्रिय था और चोरी की मोटरसाइकिलों को अपराधियों व शराब तस्करों को बेचा करता था। शनिवार को टाउन थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा ने कहा कि वाहन चोरी और अवैध शराब कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इस अभियान में एसडीपीओ अमर विश्वास, थानाध्यक्ष राकेश कुमार, एएसआई ब्रजेश कुमार, दरोगा सुनील कुमार, धर्मेंद्र कुमार, जिबू कुमार, रंजेश भारती, राहुल कुमार और डीआईयू टीम के सदस्य शामिल थे।

बिहार आए जम्मू-कश्मीर के जवान की हार्ट अटैक से मौत, चुनाव ड्यूटी में हुई थी तैनाती

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर जहां राजनीतिक दलों में सरगर्मी तेज हो गई है, वहीं शांतिपूर्ण और व्यवस्थित चुनाव संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद है। इसी बीच, समस्तीपुर जिले से एक दुखद खबर सामने आई है। समस्तीपुर के खानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरुषोत्तमपुर अन्नु स्थित मसीना उच्च विद्यालय में स्पेशल ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस जवान की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक की पहचान 54 वर्षीय एएसआई अब्दुल हमीद गांगी के रूप में हुई है, जो जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी थाना क्षेत्र स्थित नाबला गांव के निवासी थे। शुक्रवार को ड्यूटी के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। शुरूआती जांच में मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया है। हमीद को उनके सहयोगी तुरंत रेलवे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ संजय कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेजा गया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि एएसआई की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है। मृतक के परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई है और शव को उनके पैतृक स्थान भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सुपौल में दर्दनाक सड़क हादसा : एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, चार लोगों की बची जान

एजेंसी। पटना

सुपौल जिले में एनएच 327 ई पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। स्कॉर्पियो कार नहर में गिरने से पति, पत्नी और बेटी की डूबने से मौत हो गई, जबकि चार लोग बाल-बाल बच गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दसुपौल जिले के सदर थाना क्षेत्र के थलहा के पास एनएच 327 ई पर एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि स्कॉर्पियो कार रेलिंग तोड़ते हुए सीधे नहर में जा गिरी। मृतकों में पति, पत्नी और उनकी सात वर्षीय बेटी शामिल हैं, जबकि चार अन्य की जान बाल-बाल बच गई। यह दर्दनाक हादसा शुक्रवार रात करीब 11 बजे का बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, मृतक परिवार सहरसा जिले के नवहट्टा थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 9 का रहने वाला था। मृतकों की पहचान 35 वर्षीय मोहम्मद इंतखाब उर्फ मीठे, उनकी पत्नी 32 वर्षीय साजिदा खातून और सात वर्षीय पुत्री इकरा शेख उर्फ सोफिया के रूप में हुई है। पूरा परिवार सुपौल के जोलहनियां गांव में एक रिश्तेदार के यहां छठी के भोज में शामिल होकर वापस सहरसा लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शी समीर ने बताया कि कार मोहम्मद इंतखाब खुद चला रहे थे। रास्ते में थलहा के पास पुलिया पार करते समय गाड़ी अचानक अनियंत्रित हो गई और रेलिंग तोड़ते हुए लगभग 20 फीट नीचे नहर में जा गिरी। हादसे के दौरान गाड़ी का गेट लॉक हो गया, जिससे अंदर बैठे तीनों लोग बाहर नहीं निकल सके और उनकी डूबने से मौत हो गई। समीर, जो गाड़ी की पिछली सीट पर बैठा था, ने बताया कि दुर्घटना से ठीक पहले आगे बैठी बच्ची इकरा को नींद आने लगी थी। इंतखाब गाड़ी चलाते हुए उसे पीछे सीट पर बैठी मां के पास दे रहे थे, तभी गाड़ी की स्टीयरिंग अचानक मुड़ी और वाहन नियंत्रण खो बैठा। गाड़ी डिवाइडर से टकराई और नहर में गिर गई। टक्कर के बाद डिक्की का दरवाजा खुल गया, जिससे तीन बच्चों को किसी तरह बाहर निकाला गया और उनकी जान बच गई। गाड़ी से बचकर निकले लोगों ने सड़क पर आकर एक ई-रिक्शा को रोका और परिजनों को फोन कर हादसे की सूचना दी। थोड़ी ही देर में स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे। राहत-बचाव कार्य के बाद तीनों शवों को बाहर निकाला गया और देर रात सुपौल सदर अस्पताल भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। मृतक के पिता मो. तस्सद्दु ने बताया कि 10 वर्षीय समीर ने साहस दिखाते हुए तीन छोटे बच्चों को बचा लिया। उन्होंने कहा कि बेटा मीठे, बहू साजिदा खातून और पोती सोफिया की मौत ने पूरे परिवार को तोड़ दिया है। घटना की सूचना मिलते ही नवहट्टा गांव में मातम पसर गया है।

बिहार में ठंड ने दिखाना शुरू किया अपना असली रूप

एजेंसी। पटना

बिहार में ठंड की तगड़ी शुरूआत, पटना-गया जैसे जिलों में सिहरन ज्यादा, अदक 150 पार, मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी. बिहार में अक्टूबर के आधा बीत जाने के बाद मौसम ने करवट ले ली है। सुबह और रात में ठंडी हवाएँ चल रही हैं, जिससे चादर ओढ़ने का मन करने लगा है। दिन में धूप तो निकल रही है पर उसकी गर्मी अब पहले जैसी नहीं रही, हल्की उमस के साथ 30-32 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रह रहा है। रात को तापमान 18-22 डिग्री तक गिर रहा है, मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर-पश्चिम से ठंडी हवाएँ बिहार में दाखिल हो रही हैं, जिससे अगले कुछ दिन और ठंड बढ़ेगी। आज मौसम साफ रहेगा। पटना में सुबह 20 डिग्री और दिन में 32 डिग्री के आसपास तापमान रहेगा। गया में रात का तापमान 19 डिग्री तक गिर सकता है, यह जिला सबसे ठंडा रहेगा। किशनगंज, पूर्णिया और भागलपुर में 20-21 डिग्री रात का तापमान और दिन में 32-33 डिग्री रहेगा। दक्षिणी जिलों रोहतास, कैमूर और औरंगाबाद में भी ठंडक ज्यादा महसूस होगी क्योंकि न्यूनतम तापमान 18-20 डिग्री के बीच रहेगा। बाकी जगहों में मुजफ्फरपुर और दरभंगा में रात का तापमान 22-24 डिग्री रहेगा। हवा में प्रदूषण भी लगातार बढ़ रहा है, पटना का अदक 150-160 तक पहुंच गया है और 'मध्यम' से 'खराब' की ओर जा रहा है। पूर्णिया और भागलपुर में अदक 145-150 के बीच है तो मास्क का उपयोग जरूर करें। डॉक्टरों का कहना हैं कि ठंडी हवाओं से जुकाम और बुखार बढ़ सकता है, ऐसे में सुबह-शाम गरम कपड़े पहनो, गुनगुना पानी पियो और बाहर कम निकलो। किसानों को रबी फसलों की बुआई में ठंड और कोहरे का ध्यान रखना होगा। अगले हफ्ते तापमान और गिरेगा तो तैयार रहें।

बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर ईसी की सख्त का असर, वाहन जांच के दौरान 50 लाख जब्त

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर सख्त निगरानी के बीच भोजपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गाड़ी से करीब 50 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। यह जब्ती शुक्रवार शाम नगर थाना क्षेत्र के गांगी स्थित एसएसटी (स्टेटिक सर्विलांस टीम) द्वारा की गई। एसपी राज ने जानकारी देते हुए बताया कि गांगी चौक पर मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक संदिग्ध वाहन को रोका गया, जिसमें भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई। बताया जा रहा है कि जब्त किए गए पैसे किसी हार्डवेयर व्यवसायी से जुड़े हो सकते हैं, हालांकि इसकी पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आयकर विभाग की टीम भी जांच में जुट गई है। चुनावी आचार संहिता लागू होने के बाद नकदी के लेन-देन पर चुनाव आयोग द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी तरह के अवैध धन का चुनाव में इस्तेमाल न हो सके।

सुभाषितम्

जिस चीज के उपयोग से मन सूली पर चढ़ते समय भी सत्य पर डटा रहे वही धर्म की शिक्षा है। - महात्मा गांधी

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर मंडराता कर्ज और मंदी का साया

दुनिया की अर्थव्यवस्था आज एक ऐसे दो-राहे पर खड़ी है, जहाँ समृद्ध देशों की चकाचौंध के पीछे कर्ज का पहाड़ तेजी से बढ़ता ही जा रहा है। अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और जापान जैसे विकसित देशों का सार्वजनिक ऋण उनके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 110 फीसदी से अधिक पहुँच गया है। यह महज आंकड़ों की जादूगरी नहीं है, बल्कि एक गहराते वैश्विक संकट का संकेत है, जिसकी आंच अब पूरी दुनिया को महसूस होने लगी है। दुनियां की महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका जैसे देश में हालात इतने खराब हैं कि सरकार को बार-बार लॉकडाउन जैसी नीतियों का सहारा लेना पड़ा है। लाखों लोग बेरोजगार हो चुके हैं और मध्यम वर्ग का जीवन-स्तर गिरता जा रहा है। महंगाई और टैक्स का बोझ इतना बढ़ गया है कि आम नागरिकों की जेबें खाली हो रही हैं, जबकि सरकारें अपने खर्चों को पूरा करने के लिए साल-दर-साल कर्ज पर निर्भर होती जा रही हैं। अमेरिका की यह समस्या अब केवल उसकी नहीं रही, फ्रांस, ब्रिटेन और जापान जैसे देशों में भी यही हाल है। दूसरी ओर, विकासशील देशों की स्थिति और भी विकट है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल जैसे देशों में हाल के वर्षों में जो जनविद्रोह देखे गए, वे इस बात के प्रतीक हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था का ढांचा हिल चुका है। बढ़ती महंगाई, घटती नौकरियाँ और शिक्षा-स्वास्थ्य पर कटौती ने आम जनता के जीवन को असहनीय बना दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीक जहाँ उत्पादकता बढ़ा रही हैं, वहीं बेरोजगारी को भी नई ऊँचाइयों पर पहुँचा रही हैं। लाखों लोग अपनी नौकरियाँ खो चुके हैं, और जो काम पर हैं, वे भी असुरक्षा की स्थिति में जी रहे हैं। इस पर मौजूदा सरकारों का ध्यान रक्षा, ब्याज भुगतान और जलवायु परिवर्तन पर खर्च में तो है, परंतु जनता की बुनियादी जरूरतों को उपेक्षित किया हुआ है। शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च घटाने से सामाजिक असंतोष बढ़ रहा है। यूरोप और एशिया के कई देशों में लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं, सरकारें गिर रही हैं, पर नई सरकारें भी आर्थिक संकट का समाधान नहीं खोज पा रही हैं। इस अव्यवस्था के चलते जनता का विश्वास अपनी ही सरकारों और सिस्टम के प्रति तेजी से घट रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले वर्षों में यूरोप और अमेरिका जैसे विकसित देशों पर ब्याज, पेंशन, स्वास्थ्य, रक्षा और जलवायु खर्च का भारी दबाव रहेगा। अमेरिका को अपने खर्च और आय के बीच का अंतर पाटने के लिए टैक्स बढ़ाना पड़ेगा और सार्वजनिक खर्च में कटौती करनी होगी। पर चिंता इस बात की है कि इसका सीधा असर भी आम नागरिकों पर पड़ेगा, यानी रोजगार घटेंगे, महंगाई बढ़ेगी और जीवनयापन और कठिन हो जाएगा। इस बीच एशिया की स्थिति भी चिंताजनक है। चीन और दक्षिण कोरिया ने पिछले दो दशकों में अपनी जनशक्ति का उपयोग कर आर्थिक मजबूती हासिल की, पर भारत जैसी युवा आबादी वाले देश अभी भी इस क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाए हैं। भारत की युवा शक्ति यदि उचित दिशा नहीं पा सकी, तो बेरोजगारी और असंतोष यहाँ भी गंभीर सामाजिक समस्या बन सकता है। दुनिया भर में एक नई प्रवृत्ति देखने को मिल रही है, स्थायी नौकरियों की जगह अस्थायी और अनुबंध आधारित रोजगार के साथ ही ठेका पद्धति का चलन बढ़ा है। इसका परिणाम यह हुआ है कि लोगों की बचत समाप्त हो रही है, और भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ रही है। अर्थव्यवस्था की रफ्तार थमने लगी है, जबकि सोने-चांदी जैसे सुरक्षित निवेशों की मांग बढ़ रही है। डॉलर और अन्य मुद्राओं का अवमूल्यन हो रहा है, बैंकिंग व्यवस्था डगमगा रही है और शेयर बाजारों में अस्थिरता का दौर जारी है। यह स्थिति बताती है कि वैश्विक आर्थिक प्रणाली एक बड़े पुनर्गठन की मांग कर रही है। मुक्त व्यापार और उदारीकरण की नीतियाँ, जिन्होंने कभी दुनिया को समृद्धि की ओर अग्रसर किया था, अब अपने ही भार से दबने लगी हैं।

चिंतन-मनन

दान और परोपकार से घटता नहीं है धन

सभी धर्मों में कहा गया है कि दान करो। दान करने से धन घटता नहीं है बल्कि आपका धन बढ़ता है। लेकिन समस्या यह है कि लोग धन बढ़ने का तात्पर्य यह समझते हैं कि आज आप सौ रुपए कमाते हैं तो कल हजार रुपए कमाने लगेंगे। शास्त्रों में मुद्रा को धन कभी कहा ही नहीं गया है। शास्त्रों के अनुसार व्यक्ति जो पुण्य अर्जित करता है वही धन है। पुण्य रूपी धन परोपकार और जनहित से बढ़ता है। मुद्रा रूपी धन तो आपको उतना ही मिलेगा जितना आपकी किस्मत में होगा। अगर आप दान भी कर देंगे तो आपके पास उतना ही रहेगा जितना आपके भाग्य में है। अगर आप संचित करके भी रखेंगे तब भी उतना ही बचेगा जितना आपकी किस्मत में विधाता ने लिख दिया है। दक्षिण भारत की एक कथा है इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। एक गरीब ब्राह्मण था। दिन भर अपना काम करता इसके बाद जो भी समय बचता उसे भगवान की सेवा में लगा देता। ब्राह्मण की पत्नी अक्सर ब्राह्मण से कहती पूजा-पाठ से क्या लाभ है भगवान तो हमारी सुनते ही नहीं, पता नहीं हमारी गरीबी कब दूर होगी। एक दिन ब्राह्मणी की बात सुनकर ब्राह्मण बहुत दुःखी था। पूजा करने बैठा तो भगवान प्रकट हो गये। भगवान को देखते ही ब्राह्मण अपनी गरीबी दूर करने के लिए प्रार्थना करने लगा। भगवान ने कहा तुमने पूर्व जन्म दान नहीं किया है इसलिए तुम्हारे भाग्य में अन्न धन की मात्रा कम है। अगर तुम चाहो तो तुम्हें तुम्हारे भाग्य का अन्न धन एक साथ मिल सकता है। लेकिन एक बार अन्न धन खत्म होने के बाद तुम क्या करोगे। अच्छा होगा कि तुम धीरे-धीरे अपने हिस्से का अन्न धन प्राप्त करो। ब्रह्मण ने कुछ देर सोचा फिर बोला प्रभु मेरे भाग्य का सारा अन्न धन एक साथ दे दीजिए। कुछ दिन तो सुखी से जी लूंगा। भगवान ने तथास्तु कह दिया। ब्राह्मण का घर अन्न से भर गया। ब्राह्मणी अन्न का भंडार देखकर खुश हो गयी। ब्राह्मण ने कहा कि इसे हम एक साथ खर्च नहीं करेंगे।

गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक दीपावली

- मुस्ताअली बोहरा

दिवाली न सिर्फ घर-आंगन को बल्कि हम हिन्दुस्तानियों के दिलों को भी रौशन करने वाला त्यौहार है। यूं तो दिवाली मनाने के पीछे कई वजहें हैं और कई पौराणिक कथाएं हैं। जैसे जैसे साल गुजरते जा रहे हैं ये त्यौहार और भी भव्य-दिव्य होता जा रहा है। दीपावली का त्यौहार सदियों से मनाया जाता रहा है। स्कन्द, भविष्य तथा पद्म पुराण में दीपावली उत्सव का वर्णन है। ब्रह्म पुराण के अनुसार कार्तिक अमावस्या की इस अंधेरी रात्रि अर्थात अर्धरात्रि में महालक्ष्मी स्वयं भूलोक में आती हैं। इसके अलावा 7 वीं सदी में राजा हर्षवर्धन के नाटकों और 10वीं शताब्दी में राजशेखर के काव्यमीमांसा में भी दीपोत्सव का उल्लेख मिलता है। 7 वीं शताब्दी के संस्कृत नाटक नागनंद में राजा हर्ष ने इसे दीपप्रति पादुत्सवः कहा है जिसमें दीये जलाये जाते थे और नव वर-वधू को उपहार दिए जाते थे। नौवीं शताब्दी में राजशेखर ने काव्य मीमांसा में इसे दीपमालिका कहा है। फारसी यात्री और इतिहासकार अल बेरूनी ने भारत पर अपने 11 वीं सदी के संस्मरण में, दीपावली को कार्तिक महीने में नये चंद्रमा के दिन पर हिंदुओं द्वारा मनाया जाने वाला त्यौहार कहा है। तुलसीदास रामचरितमानस में विज्ञानदीप को प्रतीक स्वरूप प्रस्तुत किया। छांदोग्य उपनिषद के अनुसार प्रकृति का समस्त सर्वोत्तम प्रकाश रूप है। सूर्य प्रकृति का भाग है। कठोपनिषद मुंडकोपनिषद व श्वेताश्वतर उपनिषद में कहा गया है प्रकृति के केंद्र में सूर्य प्रकाश नहीं, चंद्र किरणों का भी नहीं। न विद्युत है और न अग्नि, लेकिन उसी एक ज्योति केंद्र से यह सब प्रकाशित है। इसी तरह बृहदारण्यक उपनिषद में तमसो मा ज्योतिर्गमय, असतो मा सद्गमय यानी अंधकार से प्रकाश व असत से सत की ओर चलने का संदेश है। ऋग्वेद के अनुसार, जन-जन को प्रकाश से भरने के लिए ही अग्नि ने अमर सूर्य को आकाश में बिठाया है। लगभग 3500 वर्ष ईसा पूर्व कठोपनिषद में यम और नचिकेता के बीच प्रश्नोत्तरों की स्मृति को भी दीपपर्व से जोड़ा जाता है। शायद इस बात पर आपको यकीन ही न हो लेकिन यदि इतिहासकारों की मानें, तो आज जिस धूमधाम के साथ दिवाली का उत्सव पूरा देश मनाता है उसकी शुरुआत मुगल काल में हुई थी। किसी भी पर्व या त्यौहार का महत्व तब और बढ़ जाता है जब वह मजहबी सीमाओं से परे चला जाता है। देशभर में आज जिस धूमधाम से दिवाली मनाई जाती है, उसकी शुरूआत मुगलों के शासनकाल में हुई थी। मुगल काल में सामाजिक सदभाव और पूरी शिद्दत के साथ दिवाली मनाई जाती थी। शाहजहाँ से लेकर बहादुर शाह जफर तक, हर मुगल शासक ने दिवाली को एक ऐसे त्यौहार का स्वरूप दिया जो साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देता था। मुगल काल में दिवाली केवल हिंदू त्योहार न होकर संपूर्ण समाज का उत्सव तो था ही साम्प्रदायिक सद्भाव और सांस्कृतिक मिलन का प्रतीक भी था। मुहम्मद बिन तुगलक, जिन्होंने सन 1324 से 1351 तक दिल्ली पर शासन किया, अपने दरबार के अंदर हिंदू त्योहार मनाने वाले पहले सम्राट बने। मुगल काल में दिवाली को जश्न-ए-चरागाँ भी कहा जाता था। पूरा लाल किला दीपों से जगमगाता जाता था। शाहजहाँ ने दिल्ली में आकाश दीया जलाने की परंपरा शुरू की थी, चालीस गज उंचे खंभे पर दिया जलाया जाता था जिसे आकाश दीया कहा जाता था। इसकी रौशनी मीलों दूर तक दिखाई देती थी। ये दीया रातभर जल सके इसके लिए एक सैनिक की तैनाती की जाती थी, जो सीढ़ी की मदद से रातभर दीये को रोशन रखने के लिए तेल डालता था। बादशाह अक्सर सोने-चाँदी से तौले जाते और यह धन गरीबों में बाँट दिया जाता था। इतिहासकारों की मानें तो शाही तौर और भव्य रूप से दिवाली मनाने की शुरूआत बादशाह अकबर के जमाने में आगरा में हुई थी। आगरा के किले और फतेहपुर सीकरी में दिवाली पर भव्य उत्सव देखने को मिलता था। मुगल बादशाह शाहजहां, अकबर के दौर में उत्सव की भव्यता देखने लायक होती थी, औरंगजेब के दौर में तोहफे भेजे जाते थे। राजपूत घराने से मुगल दरबार में तोहफे भेजे जाते थे। जोधपुर के राजा जसवंत सिंह और जयपुर के राजा जय सिंह के यहां से मुगलों को तोहफे भेजे जाने की परंपरा थी। जब देश की राजधानी दिल्ली स्थानांतरित हुई तो लाल किले में दिवाली का भव्य आयोजन शाहजहां के दौर में हुआ करता था। मोहम्मद शाह रंगीला के शासनकाल में दिवाली को रंगीला की दिवाली कहा जाता था। जहांगीर के शासनकाल में दिवाली के अलग ही रंग थे। किताब तुजुक-ए-जहांगीर के मुताबिक साल 1613 से लेकर 1626 तक जहांगीर ने हर साल अजमेर में दिवाली मनाई। वे अजमेर के एक तालाब के चारों किनारों पर दीपक की जगह हजारों मशालें प्रज्वलित करवाते थे। इस मौके पर शहंशाह जहांगीर, अपने हिन्दू सिपहसालारों को कीमती नजराने भेंट करते थे। इसके बाद फकीरों को नए कपड़े, मिठाइयां बांटी जातीं। दीपावली पर 71 तोपें दागी जातीं और बारूद से बने बड़े-बड़े पटाखे चलाये जाते। अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर के समय में भी दिवाली सामाजिक सदभाव के साथ मनाई जाती थी। 14वीं सदी में मुगल शासक मोहम्मद बिन तुगलक अपने अंतरमहल में दीवाली का जश्न मनाते थे। भव्य स्तर के भोज का आयोजन किया जाता था। हालांकि, उसके शासन काल में आतिशबाजी होने का जिक्र नहीं मिलता। 16वीं सदी के न्यायविद शेख अहमद सरहिंदी (1564-1624 ई.) ने अपनी किताब में मुस्लिम महिलाओं द्वारा दीवाली पर मिठाई और उपहार भेंट किए जाने का जिक्र किया है। 17वीं शताब्दी में भारत आने वाले फ्रांसीसी बहुभाषाविद जीन डे थेवेनोट ने दीवाली के भव्य उत्सव का वर्णन किया है। अबुल फजल ने आइन-ए-अकबरी में आकाश दीया या सूरजक्रांत का उपयोग करके आकाश का दीपक जलाने की अनूठी परंपरा का जिक्र किया है। दिवाली की शुरूआत शाही स्नान से होती थी, जिसके लिए सात पवित्र कुओं से पानी लाया जाता था और सम्राट को सुगंधित स्नान कराया जाता था। इस दौरान पंडित और मौलाना पवित्र भजन गाते थे। तब बादशाह मलमल के कपड़े पहनकर अपनी पत्नियों के हरम में जाता था। इसके बाद बादशाह दरबार पहुंचता था। यहां बादशाह अपने अधीनस्थों, मित्रों को दिवाली का नजराना या उपहार देता था। अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय के साथ ही सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व का त्यौहार है दीपावली। रामायण के अनुसार इस दिन जब भगवान राम, सीता जी और भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्ष का वनवास पूर्ण कर अयोध्या वापस लौटे थे। रावण वध और 14 साल का वनवास खत्म होने के बाद मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के अयोध्या वापस लौटने पर लोगों ने दीपमालिका सजाकर उनका स्वागत किया था। कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को मां लक्ष्मी समुद्र मंथन द्वारा धरती पर प्रकट हुई थीं। इस पर्व को मां लक्ष्मी के स्वागत के रूप में मनाया जाता है। नरक चतुर्दशी को राक्षस नरकासुर पर विजय प्राप्त की थी। द्वापर युग में भगवान कृष्ण ने राक्षस नरकासुर का संहार किया था। इस नृशंस राक्षस के वध से खुश होकर लोगों ने घी के दीए जलाए।

कौमुदी महोत्सव : परंपरा, प्रवृत्ति और संस्कृति

- संजय गोस्वामी

300 ईसा पूर्व कौमुदी महोत्सव पर दीपदान होता था, 2000 साल बाद यह आज जैसे स्वरूप में पहुंचा भगवान राम के अयोध्या लौटने से लेकर भगवान कृष्ण द्वारा नरकासुर का वध करने और भगवान विष्णु द्वारा देवी लक्ष्मी को बलि की कैद से मुक्त कराने जैसी कई धार्मिक मान्यताएं दिवाली की शुरूआत का कारण मानी जाती हैं। कई सामाजिक मान्यताएं भी हैं, जो इसे एक कृषक समुदाय के त्योहार के रूप में स्थापित करती हैं। इन सभी मान्यताओं के बीच भारतीय उपमहाद्वीप में इस उत्सव को मनाए जाने का उल्लेख पिछले 2500 सालों की कई रचनाओं में आया है। अलग-अलग ग्रंथों, पुराणों, उपन्यासों, विदेशी यात्रियों के यात्रा वृत्तान्तों और धार्मिक स्कॉलरों की रचनाओं में दिवाली उत्सव का जिक्र है। दैनिक भास्कर अढढ ने पूना के भंडारकर शोध संस्थान के अध्यक्ष रहे डॉ. पीके गोडे की किताब स्टडीज इन इंडियन कल्चर स्टडीज, कलानाथ शास्त्री की किताब भारतीय संस्कृति : आधार और परिवेश और एसी मुखर्जी की किताब हिंदू फास्ट एंड फिस्ट में 1500 ईसवी से पहले की रचनाओं के हवाले से दिए गए संदर्भों के आधार पर प्राचीन काल में इस उत्सव को मनाए जाने के तरीकों को जाना। दिवाली का आज जो स्वरूप है, वह पिछले 2 से 3 हजार सालों की कई परम्पराओं के एक साथ समन्वित हो जाने से 500 साल पहले हुआ। ईसा पूर्व में जहां इस उत्सव पर केवल दीपक जलाकर उजाला करने की परंपरा का उल्लेख मिलता है, तो 500 ईस्वी तक इसमें नाच-गाने समेत कई सामाजिक गतिविधियां जुड़ गईं थी। घरों की सजावट, दोस्तों-रिश्तेदारों को उपहार भेंट करना, नए कपड़े पहनने जैसी परंपराएं भी 1000 ईसवी तक इस उत्सव में शामिल हो गईं। 1000 ईसवी के बाद इस उत्सव में लक्ष्मी पूजा व 14वीं सदी में पटाखे जलाने का उल्लेख प्राचीन रचनाओं में मिलता है। 1000 से 600 ईसा पूर्व : ऊंचे बांस पर दीपक जलाए जाते थे दीपक जलाने का सबसे पुराना उल्लेख उत्तर वैदिक काल (1000-600 ईसा पूर्व) में मिलता है। शरदकाल (वर्तमान में दिवाली का समय) में दीपक को किसी ऊंचे बांस पर टांग दिया जाता था। शास्त्रों में यह विधान बहुत पुराना है। इसके अनुसार श्राद्ध पक्ष के बाद जब पूर्वज अपने लोकों की ओर लौटते हैं तो उन्हें मार्ग दिखाने के लिए दीपकों को बहुत ऊंचाई पर टांगा जाता था। इन्हें आकाशदीप कहा जाता था। 400 से 200 ईसा पूर्व : कौमुदी महोत्सव में दीपदान का उल्लेख चाणक्य और चंद्रगुप्त के समय पाटलिपुत्र में कौमुदी महोत्सव मनाया जाता था। विद्वानों के अनुसार, यह उत्सव शरद पूर्णिमा को मनाया जाता था। जो कार्तिक अमावस्या (दीपावली) से 15 दिन पहले होती है। इस महोत्सव में जलाशयों पर और नावों में दीपक जलाए जाते थे। 2000 साल पहले लिखे गए सप्तशती में भी महिलाओं द्वारा स्थान-स्थान पर दीपक रखकर उत्सव मनाने का वर्णन है। 100 से 500 ईसवी : कार्तिक अमावस्या के दिन नाच-गाने और जुआ खेलने का उल्लेख 50 से 400 ईस्वी के बीच कार्तिक अमावस्या को यक्षरात्रि के नाम से एक सामाजिक उत्सव मनाने की परंपरा थी। इसका उल्लेख सबसे पहले वात्स्यायन के कामसूत्र में मिलता है। इस उत्सव में नाच-गाने के साथ-साथ कुछ सामाजिक गतिविधियां होती थीं। स्कॉलर टीएन रे ने भी अपने एक रिसर्च आर्टिकल द इंडोर एंड आउटडोर गेम्स ऑफ इंडिया में यक्षरात्रि पर्व के बारे में बताया है। इनके मुताबिक, आज जिस दिन दिवाली मनाई जाती है, ठीक उसी दिन 500 ईस्वी के आसपास यक्षरात्रि मनाई जाती थी। इसमें सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ लोग जुआ भी खलते थे। 600-1000 ईसवी : घरों की सजावट और कपड़े भेंट करने की परंपरा का जिक्र है 606 से 648 ईस्वी के बीच लिखे गए नागानंद नाटक में दीप प्रतिपदोत्सव का उल्लेख है। इस उत्सव में नवविवाहितों को उनकी पहली दिवाली पर कपड़े भेंट करने की परंपरा का जिक्र है। यह नाटक कन्नौज के राजा हर्षवर्धन ने लिखा था।500 से 800 ईसवी के बीच लिखे गए नीलमत पुराण में यक्षरात्रि की ही तरह ही सुखसुप्तिका का उल्लेख है। इस दिन हर जगह दीपों के जरिए उजाला करने, परिवार और रिश्तेदारों के साथ भोजन करने, नाचने, गाने और जुआ खेलने, नए कपड़े और गहने पहनने, दोस्तों, रिश्तेदारों को नए कपड़े भेंट करने की परंपरा थी। इसी दौर में लिखे गए आदित्य पुराण में भी सुखसुप्तिका का उल्लेख है।959 ईस्वी के आसपास मालखेड़ के राष्ट्रकूट राजा कृष्ण-तृतीय के समय सोमदेवसूरि द्वारा लिखे गए यशस्तिलक चंपू में दीपोत्सव से पहले घरों की लिपाई-पुताई और सजावट करने का उल्लेख है। घरों की सबसे ऊंचाई वाले स्थानों पर उजाला करने के साथ-साथ इस दिन नाच-गाने और जुआ खेलने का वर्णन है। इस दिन शादियां होने का भी उल्लेख है।1000-1200 ईसवी : पहली बार विदेशी यात्रियों ने दिवाली का जिक्र किया1030 ईस्वी में अरब यात्री अलबरूनी ने तहकीक-अल-हिंद में दिवाली शब्द का जिक्र करते हुए लिखा है, इस दिन भारत में लोग नए कपड़े पहनते हैं, पान के पत्ते और सुपारी के साथ उपहार देते हैं, मंदिरों के दर्शन करते हैं, गरीबों को दान देते हैं और घर के हर कोने में रोशनी करते हैं। अलबरूनी ने इस दिन को वासुदेव की पत्नी लक्ष्मी और बाली की मुक्ति का दिन भी बताया है। उन्होंने इस दिन शादियों का भी जिक्र किया है।1100-1200 ईसवी में मुल्तान के अब्दुल रहमान ने संदेश रासक में महिलाओं द्वारा घरों में दीपक जलाने और इनसे निकले काजल को आंखों में लगाने का जिक्र किया है।1100 ईस्वी में ही आचार्य हेमचंद्र ने अपनी किताब देशी नाममाला में प्राचीन भारत में मनाए जाने वाले जक्खरत्ती पर्व का उल्लेख किया है, जो यक्षरात्रि की तरह ही प्रतीत होता है।1119 ईस्वी में चालुक्य वंश के समय के कन्नड़ शिलालेख में इस दिन एक राजा के द्वारा नीलेश्वर देव को उपहार भेंट करने का वर्णन है।1200-1400 ईसवी : यमद्वितीया के दिन बहन के घर भाई के भोजन करने का उल्लेख है 1220 ईसवी में महाराष्ट्र के संत ज्ञानेश्वर ने अपनी तीन अलग-अलग रचनाओं में दीपावली का उल्लेख किया है।

बिना रीढ़ वाले लोग और एमएलए का टिकट

- डॉ. योगेन्द्र

बिहार में परदेशी नेता महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कहते हैं कि बिहार का विकास रूकने नहीं देंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बुलेट ट्रेन की तरह बिहार का विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री का जो रेल है न, उसने विकास की कैसी रफ्तार पकड़ी है, इसका उदाहरण बताता हूं। 4 अक्टूबर को मेरा आई फोन एक पाकेटमार ने भागलपुर स्टेशन पर ट्रेन चढ़ते वक्त चुरा ली। ट्रेन चल चुकी थी और मधुपुर जाना जरूरी था। मैं जब मधुपुर स्टेशन पहुंचा तो वहां के रेल थाना में प्राथमिकी दर्ज करवा दी। रेल थाना ने प्राथमिकी की एक प्रति दी। उस प्रति को जब भागलपुर रेल थानाध्यक्ष को दिखाया गया तो उसने कहा कि जब आनलाइन मेरे पास यह आयेगी तो मैं कार्रवाई शुरू करूंगा। आज चौदह दिन बीत गए हैं। वह प्राथमिकी आनलाइन नहीं हुई। जब मैंने वहां के एक दोस्त को थाने पर भेजा तो बताया कि फलां बाबू करते हैं। वे बाबू खुद से नहीं करते। उनसे करवाना पड़ता है। करवाने का मतलब तो समझ ही रहे होंगे। विकास का यह रफ्तार है और बिहार के विकास के बारे में मत पूछिए। टका के बिना किसी दफ्तर का काम करा लीजिए तो समझिए कि गंगा स्नान हो गया और सीधे स्वर्ग का टिकट मिल गया। टिकट से याद आया। बिहार हर पार्टी टिकट ही बांट रहा है और टिकटार्थी पार्टी - वाटी नहीं देख रहा। जहां से मिल जाय , वहां उन्होंने लाइन लगा दी। न विचार का ख्याल, न स्वाभिमान का ख्याल। बंद से बदतर स्थिति है। इस हिसाब से देखें तो बिहार का विकास द्रूतगामी है।.मन वैल्यू की गिरावट अभूतपूर्व है। बिहार में हर कुछ का रिकॉर्ड टूटता है। टिकट बंटवारे का भी रिकॉर्ड टूटा। सीट बंटी नहीं, सिंबल बंटने लगा। बाद में सीट का बंटवारा हुआ। उम्मीदवार सिंबल लिए घूम रहे हैं। उन्हें समझ में नहीं आ रहा कि वे फर्जी उम्मीदवार हैं कि सही उम्मीदवार। नेता आखिर में कह दिया - फ्रैंडली लड़ो। यह कैसी लड़ाई है? दूसरे दलों से दुश्मनों वाली लड़ाई लड़ो और अपने वालों से फ्रैंडली। बड़े बड़े नेता चुनाव में एक दूसरे की कब्र खोदते हैं तो उम्मीदवारों से सतयुग की उम्मीद करें। खैर। नेताओं ने सारे रिकॉर्ड तोड़ देने की कसम खा रखी है। अशोक चौधरी जदयू के मंत्री हैं, बेटी चिराग पासवान की पार्टी के सांसद हैं और दामाद बीजेपी का कोटा संभाले हैं। देखा देखी यह लत फैलती - सिकुड़ती रही। किसी का बेटा बीजेपी में है, बाप जदयू में। बेटी को राजद का टिकट चाहिए। विचार बेचारा क्या करें? रात को धर्मनिरपेक्ष है, दिन को धार्मिक है। एक कोई हैं अपर्णा कुमारी। मैं टहलने जाता था तो पोस्टरों में उसकी तस्वीर देखता था। वे नीतीश कुमार का झाल बजाती थी। कल सुना था कि बिहपुर विधानसभा से राजद के टिकट के लिए लाइन में लगी थी। आज अखबार में देख रहा हूं कि मुकेश सहनी की पार्टी से उसे टिकट मिल गया है। जो लाइन लगाते लगाते थक गए, उन्होंने निर्दलीय की पतवार थाम ली है। सभी को एम एल ए बनना है। कुछ लोगों का पेशा गाने बजाने और फिल्मों में नाचने में अच्छा खासा चल रहा था, वे भी एम एल ए बनने आ गये। मुझे बांसुरी बजाने नहीं आती, मुझे बजाने कहिएगा तो बांसुरी कैसी बजेगी? रवि किशन, हेमा मालिनी, मनोज तिवारी आदि राजनीति में क्या कर रहे हैं? सिर्फ हाथ उठाने के। दरअसल इनके लिए सांसद या एम एल ए की कुर्सी शोभा की वस्तु है।

आज का राशिफल

मेष दोपहर के बाद किसी उच्चाधिकारी से वाद-विवाद की स्थिति बनती हुई नजर आ रही है।	**तुला** दिन लाभ से भरा रहने वाला है। शुक्र ग्रह के प्रभाव से सुख में आज के दिन वृद्धि होगी।
वृषभ दिन उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। कार्यस्थल पर किसी अधिकारी से मतभेद संभव दिख रही है।	**वृश्चिक** आज का दिन परोपकार से भरा रहेगा। दूसरों की मदद करने करने का मौका मिलेगा।
मिथुन दिन चुनौतीपूर्ण दिख रहा है। किसी प्रियजन से अलग होने का दुख मन को परेशान कर सकता है।	**धनु** दिन तनावपूर्ण रह सकता है। मंगल की स्थिति अशांति और मतभेद उत्पन्न कर सकती है।
कर्क चंद्रमा के अनुकूल प्रभाव से व्यापार और साझेदारी में सफलता के योग बनते हुए नजर आ रहे हैं।	**मकर** आज अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। किसी नई डील से लाभ प्राप्त होगा।
सिंह दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आपकी लोकप्रियता आज के दिन बढ़ती हुई दिख रही है।	**कुंभ** दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। किसी बड़ी सफलता का समाचार प्राप्त हो सकता है।
कन्या आज का दिन सम्मान रहने वाला है। शनि और केतु का योग उत्तम संपत्ति प्राप्ति का संकेत दे रहा है।	**मीन** आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। गुरु का प्रभाव करियर में प्रगति के संकेत दे रहा है।

विशेष

भारत के खिलाफ अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल नहीं

भारत ने एक बड़ी कूटनीतिक चाल चली है। उन्होंने तालिबान को भारत बुलाया है। मान सम्मान दिया है। इससे अभीभूत होकर तालिबान के विदेश मंत्री ने कहा, अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होने देंगे। भारत का पड़ोसी देश पाकिस्तान जिस तरह से अमेरिका और चीन की गोद मे बैठा है। उसने भारत की चिंता को बढ़ा दिया था। ऐसी स्थिति में अफगानिस्तान, भारत के लिए सबसे बड़ा सहारा है। इसका असर दिख भी रहा है।पूरा पाकिस्तान सुलग रहा है, भारत सरकार मजे ले रही है। यह तालिबानियों के साथ भारत के आने से हुआ है। यह एक अलग बात है कि भाजपा की छवि को गहरा आघात लगा है।

अजीत पवार का हिंदूवाद

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अब हिंदुत्व के सहारे आगे बढ़ने का निर्णय किया है। अभी तक वह धर्मनिरपेक्ष राजनीति करते थे। अब अपना भविष्य हिंदुत्व में देख रहे हैं। इसके पहले उन्होंने नवाब मलिक की बेटी को चुनाव लडाकर मुसलमानो के बीच में यह भरोसा बनाया था। वह उनके हितों की रक्षा करेंगे। वर्तमान राजनीति में उनकी हिंदुत्व की विचारधारा जरूरी हो गई है। उन्होंने हिंदुत्व को अपना लिया है। चाचा शरद पवार जरूर धर्म निरपेक्षता की राजनीति करेंगे। विचारधारा है,कभी भी बदली और बनाई जा सकती है। सवाल सत्ता में बने रहने का है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1689: औरंगजेब ने रायगढ़ किले पर कब्जा किया। 1774: ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा संचालित प्रशासन में सुधार के लिए इंग्लैंड से न्यायाधीशों का एक दल भारत पहुंचा। 1781: लार्ड कार्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों ने यार्क टाउन वर्जीनिया में आत्मसमर्पण किया। 1812: नेपोलियन बोनापार्ट की फौजों ने मास्को से पीछे हटना शुरू किया। 1912: बाल्कन युद्ध में बल्गारिया ने तुर्की के शहर एड्रियानोयल की नाकेबंदी की । 1915: जापान ने लंदन संधि पर हस्ताक्षर किए। 1921: लिस्बन में क्रांति शुरू हुई। 1935: लीग ऑफ नेशंस ने इटली के खिलाफ प्रतिबंध लगा दिए। 1944: अमरीकी फौजें फिलीपींस पहुंची। 1951: संयुक्त राष्ट्र संघ की फौजें उत्तर कोरिया की राजधानी पोंगयांग पहुंची। 1951: अमरीका के राष्ट्रपति टुमैन ने जर्मनी से युद्ध समाप्त होने के अधिनियम पर हस्ताक्षर किए ।

दैनिक पंचांग

19 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	तुला	05.51 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृश्चिक	08.10 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.26 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.31 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.17 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	15.50 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.21 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.01 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	20.59 बजे से
		कर्क	23.12 बजे से
		सिंह	01.28 बजे से
		कन्या	03.40 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 292 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 13.52 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 17.50 बजे को समाप्त। **योग** इन्द्र 02.05 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 13.52 बजे तदनन्तर विष्टि 02.47 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 09° 59' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872502 **जूलियन दिन** 2460967.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 26 **विशेष** काली चौदस, हनुमान पूजा, मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

बिरसा चौक पर कपड़ा दुकान में लगी आग, बुझाने में लगे रहे अग्निशमन कर्मी

रांची, एजेंसी। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के बिरसा चौक स्थित एक कपड़ा दुकान में शुक्रवार की रात लगभग 9 :45 बजे आग लग गई। दुकान से धुआं निकलते देख आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने धुर्वा फायर स्टेशन को जानकारी दी, जिसके बाद दमकल की दो गाड़ी मौके पर पहुंची, आग बुझाने में लग गई। देर रात तक दोनों दमकल आग बुझाने के लिए मशक्कत कर रही थी। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। डीआरएम कार्यालय परिसर स्थित रेलवे कैंटिन के पीछे शुक्रवार को आग लग गई। वहां मौजूद लोगों ने कहा कि कैंटीन के किचन में जलने वाले चूल्हे से आग पीछे रखी लकड़ी में लग गई। लोगों की सक्रियता से काबू पा लिया गया।

सारंडा जंगल में आईईडी विस्फोट करने वाले दो माओवादी गिरफ्तार

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिम सिंहभूम जिले के सारंडा वन क्षेत्र में सक्रिय माओवादियों के खिलाफ पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। छोटानागरा थाना क्षेत्र के रातागुटू गांव मुख्य सड़क पर हाल ही में हुए आईईडी विस्फोट मामले में पुलिस ने दो माओवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अमित रेनू ने बताया कि विशेष सूचना एवं गहन अनुसंधान के आधार पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने क्षेत्र के दो माओवादियों को दबोच लिया है। दोनों पर हाल में सड़क पर आईईडी लगाकर सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की साजिश रचने का आरोप है। गौरतलब है कि बीते दिनों रातागुटू गांव के पास मुख्य सड़क पर माओवादियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के इरादे से आईईडी लगाया था। हालांकि, विस्फोट समय से पहले ही हो गया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार माओवादियों से पूछताछ जारी है और उनके अन्य साथियों की तलाश में पुलिस टीम अभियान चला रही है।

गाड़ी आगे बढ़ाने को कहा, तो अधिवक्ता ने भुजाली से बाइक सवार पर किया हमला

धनबाद, एजेंसी। बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के जेपी चौक के पास चारपहिया वाहन से आ रहे अधिवक्ता प्रियांशु कृष्णा सिंह ने बाइक चालक अनिल कुमार चौहान पर भुजाली से हमला कर दिया। इससे अनिल बुरी तरह जख्मी हो गया। घटना के बाद जेपी चौक के पास जाम लग गया। वहां मौजूद बैंक मोड़ पुलिस मौके पर पहुंची और अधिवक्ता प्रियांशु को हिरासत में ले लिया है। घायल अनिल कुमार चौहान को जोड़ा फाटक स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि जेपी चौक के पास गाड़ियां धीमी हो जाती है। बाइक सवार अनिल कुमार चौहान जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक से कार में धक्का लग गया। इस पर कार में सवार कसियाटांड निवासी अधिवक्ता प्रियांशु कृष्णा सिंह ने गाड़ी में रखी भुजाली निकाली और अनिल के पेट में घोंप दी। भुजाली लगते ही अनिल सड़क पर गिर गया। बैंक मोड़ पुलिस की नजर पड़ी, तो आरोपी को पकड़ा। कार में प्रियांशु के साथ एक अन्य व्यक्ति भी सवार थे। पुलिस ने बताया कि प्रियांशु हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करता है। उसके पिता कृष्णा सिंह बीसीसीएल के रिटायर डॉक्टर हैं। घटना की जानकारी घायल युवक के परिजनों को दे दी गयी है। उसके परिजन अस्पताल पहुंच गये हैं। पुलिस ने घायल अनिल के बयान के बाद आगे की कार्रवाई करेगी।

अपर्णा पब्लिक स्कूल के बाथरूम में छात्रों ने फोड़ा पटाखा, सात छात्रों को थाना ले गयी पुलिस

धनबाद, एजेंसी। दीपावली की खुशियां मनाना सात बच्चों को भारी पड़ गया। गोविंदपुर थाना क्षेत्र के गोसांइडीह मौजा स्थित अपर्णा पब्लिक स्कूल प्रबंधन ने शुक्रवार को आठवीं कक्षा के सात छात्रों को पटाखा फोड़ने के आरोप में पुलिस के हवाले कर दिया। सभी बच्चों को शाम चार बजे तक थाने में बैठाकर रखा गया था। शाम में अभिभावकों द्वारा पीआर बांड भरने के बाद ही पुलिस ने बच्चों को थाने से छोड़ा। इस घटना ने अभिभावकों में विद्यालय प्रबंधन के रवैये को लेकर तीखी नाराजगी पैदा कर दी है। उनका कहना है कि बच्चों की शरारत को लेकर इतना कठोर कदम उठाना अमानवीय है। बच्चों की यह शरारत स्कूल प्रबंधन को नागवार गुजरी। स्कूल प्रबंधन की शिकायत पर गोविंदपुर थाना से एक पेट्रोलिंग वाहन स्कूल भेजा गया। वहां स्कूल प्रबंधन ने छह बच्चों को रोक रखा था, जबकि एक छात्र घर चला गया था। उस छात्र को स्कूल ने फोन कर पहले अभिभावक के साथ बुलाया और फिर उसे भी पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस सभी बच्चों को पेट्रोलिंग वाहन में बैठाकर गोविंदपुर थाना ले गयी। सभी छात्र गोविंदपुर थाना क्षेत्र के साबलपुर, बैंक कॉलोनी, लाल बंगला और जियलगढ़ा के रहने वाले थे। जिन तीन बच्चों के अभिभावक थाने नहीं पहुंच सके, उनके लिए जियलगढ़ा पंचायत के पूर्व मुखिया सुभाष गिरि ने पीआर बांड भरा। श्री गिरि ने कहा कि हो सकता है बच्चों ने शरारत की हो, लेकिन उन्हें पुलिस के हवाले करना कहीं से भी उचित नहीं है।

झारखंड में गुलाबी ठंड की दस्तक, दिवाली में बढ़ेगी ठिठुरन

रांची, एजेंसी। झारखंड में मानसून के विदा होते ही ठंड ने दस्तक दे दी है। अब मौसम ने ठंडी करवट लेनी शुरू कर दी है और लोगों को सुबह-शाम हल्की सिहरन महसूस होने लगी है। खासतौर पर लातेहार जिले में न्यूनतम तापमान गिरकर 15.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जो अब तक का सीजन का सबसे कम तापमान है।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड और भी तेज हो सकती है, जिससे दिवाली के समय तक पूरे राज्य में गुलाबी ठंड का एहसास लोगों को होगा। राज्य के कई हिस्सों में तापमान में लगातार गिरावट देखी जा रही है।

खासकर रांची, मेदिनीनगर, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर और गुमला जैसे जिलों में सुबह और रात के समय ठंडी हवाओं का प्रभाव साफ महसूस हो रहा है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इन जिलों में न्यूनतम तापमान 17 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गया है। वहीं दिन के तापमान में भी हल्की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे गर्म कपड़ों की जरूरत महसूस होने लगी है।

उत्तर-पश्चिमी की ओर से शुष्क हवाएं झारखंड में कर रही प्रवेश

मौसम विभाग रांची के प्रभारी डायरेक्टर अभिषेक आनंद ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी शुष्क हवाएं झारखंड की ओर बढ़ रही हैं, जिससे न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट हो रही है। अभी यह सिलसिला कुछ दिन और जारी रहेगा।

दिवाली तक प्रदेश के कई जिलों में रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की और गिरावट संभव है। वहीं उन्होंने बताया कि इस तरह की ठंड किसानों के लिए फायदेमंद हो सकती है, खासकर रबी फसलों की बुवाई की तैयारी कर रहे किसानों को।

तापमान में गिरावट से गेहूं और चना जैसी फसलों की बुवाई का समय करीब आता जा रहा है। हालांकि, अचानक तापमान गिरने से कुछ जगहों पर सब्जियों की खेती पर असर पड़ने की आशंका भी जताई जा रही है। दूसरी ओर, आम लोगों ने भी अब गर्म कपड़े निकालने शुरू कर दिए हैं।

गर्म कपड़े, जैकेट और स्वेटर पहनने लगे लोग : सुबह की सैर पर निकलने वाले लोग अब जैकेट और स्वेटर पहनने लगे हैं। बाजारों में भी ऊनी कपड़ों की मांग धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। मौसम विभाग ने आने वाले हफ्तों में और ठंड बढ़ने की संभावना जताई है।

ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बुजुर्गों और बच्चों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है। दिवाली के करीब आते-आते झारखंड में ठंड का असर और बढ़ सकता है, जिससे त्योहार के मौसम में गुलाबी ठंड का आनंद दोगुना हो सकता है।

क्या है अगले पांच के मौसम का हाल जानें : मौसम विभाग रांची के अनुसार अगले पांच दिनों तक रांची में मौसम शुष्क रहेगा। हवाओं की गति सामान्य रहेगी। सुबह के समय कोहरा धुंध और बाद में मौसम साफ रहेगा। देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुर साहेबगंज में ठंड को लेकर ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा कोडरमा, चतरा, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा, पालामू में यलो अलर्ट जारी किया गया है। बोकारो, हजारीबाग, रांची, खूंटी, गुमला में ग्रिन अलर्ट जारी किया गया है। जबकि सराईकेला व सिमडेगा में ब्लू अलर्ट जारी है।

फूड सेफ्टी विभाग ने कई दुकानों में नष्ट कराये रंगयुक्त लड्डू

धनबाद, एजेंसी। दीपावली के त्योहार को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न मिठाई दुकानों और खाद्य प्रतिष्ठानों में औचक जांच अभियान चलाया। फूड सेफ्टी ऑफिसर राजा कुमार के नेतृत्व में चलाये गये इस अभियान के दौरान कई दुकानों से लिये गये नमूनों की मौके पर ही जांच की गयी। इस दौरान कुछ दुकानों पर मिठाइयों में खाद्य चंपई रंग का इस्तेमाल किये जाने की पुष्टि हुई। फूड सेफ्टी ऑफिसर राजा कुमार ने सभी खाद्य व्यवसायियों से अपील करते हुए कहा कि वे नियमानुसार, स्वच्छता का पालन करते हुए केवल प्रमाणित सामग्रियों का ही उपयोग करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर कठोर कार्रवाई की जायेगी। बेकारबांध स्थित बसंत स्विट्स में जांच के दौरान 10 किलो बेसन के लड्डू में चंपई रंग मिला हुआ पाया गया। स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले इस रंग के इस्तेमाल के कारण सभी लड्डुओं को मौके पर ही फेंकवा दिया गया। वहीं राज नमकीन में पांच किलो बूंदी के लड्डू और 15 किलो बेसन के लड्डू में भी यही रंग पाया गया। जिसे फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने नष्ट करा दिया। दोनों दुकानदारों को भविष्य में ऐसा नहीं करने की कड़ी चेतावनी दी गयी। अभियान के दौरान टीम ने विभिन्न मिष्ठान प्रतिष्ठानों में खोया, पनीर, रसगुल्ला, काजू बर्फी, चटनी, लड्डू समेत कुल 30 खाद्य पदार्थों के नमूनों की स्थल पर ही अत्याधुनिक किट से जांच की।

नहीं की जा रही पटाखों की जांच, पटाखे फोड़ना है 125 डेसिबल से कम शोर वाले, बाजार में 140 डेसिबल के बिक रहे

रांची, एजेंसी। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दीपावली को लेकर रांची में पटाखा फोड़ने को लेकर निर्देश जारी किया है। इस निर्देश के अनुसार, दीपावली पर 125 डेसिबल से कम शोर वाले पटाखे ही बेचे और फोड़े जा सकते हैं। लेकिन हर साल की तरह इस साल भी रांची में तय मानक से कम के पटाखे नहीं हैं। बाजार में 125 डेसिबल से अधिक शोर और वायु प्रदूषण करने वाले पटाखे भारी मात्रा में बिक रहे हैं। तेज आवाज वाले पटाखे तो 140 डेसिबल से भी अधिक शोर वाले हैं।

इन पटाखों की कोई जांच तक नहीं की जा रही है। धड़ल्ले से ऐसे पटाखे बेचे जा रहे हैं। इधर प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने भी निर्देश जारी कर कहा है कि पटाखे निर्धारित अवधि यानि की रात 8 से 10 बजे तक ही चलाए जाएं। नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। प्रदूषण विभाग का कहना है कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए इसे कड़ाई से लागू किया जाना चाहिए। विभाग ने अपील की कि पटाखे फोड़ते समय बच्चों के साथ अभिभावक भी रहें।

4000 रुपए तक के पटाखे बाजार में उपलब्ध हाइड्रो बम : बाजार में 140 डेसिबल से अधिक शोर करने वाले हाइड्रो बम इस बार बाजार में उपलब्ध हैं। ये ध्वनि प्रदूषण तो करेंगे ही, वायु प्रदूषण भी बढ़ाएंगे। पटाखा विक्रेताओं ने बताया कि इस बम को रावण दहन में इस्तेमाल किया जाता है। जहां ज्यादा भीड़ होती है। ताकि आवाज जोरदार हो।

सेलिब्रेशन टाइम : इस पटाखे की कीमत 1800 रुपए है। इसे सेलिब्रेशन टाइम नाम दिया गया है। ये आसमान में 140 डेसिबल से अधिक का शोर करता है। चूंकि दिवाली की रात लगातार पटाखे छूटते हैं इसलिए इन पटाखों के डेसिबल की जांच नहीं हो पाती।

लाइट ऑफ थंडर : इस पटाखे की कीमत 4000 रुपए है। इसकी खासियत यह है कि यह आसमान में जाकर आकाशीय बिजली की तरह तेज आवाज के साथ फटेगा। इस पटाखे का भी शोर 125 डेसिबल से ज्यादा है। आकाश में फटने के बाद इससे इससे प्रदूषण भी काफी होगा। क्योंकि बड़े क्षेत्र में इसका धुआं फैलेगा।

फ्लैश : इस पटाखे की कीमत बाजार में 2500 रुपए रखी गई है। ये भी आसमान में जाकर तेज आवाज के साथ फटेगा और जोरदार रोशनी बिखेरेगा। इसका भी शोर 125 डेसिबल से ज्यादा है। कीमत अधिक होने की वजह से इस पटाखे को चुनिंदा लोग ही खरीद रहे हैं।

जन आंदोलन और घाटशिला उपचुनाव को लेकर बनी रणनीति

जमशेदपुर , एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष परविंदर सिंह की अध्यक्षता में विस्तारित जिला कार्यकारिणी की बैठक बिष्टुपुर स्थित तिलक पुस्तकालय में की गयी।पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष परविंदर सिंह की अध्यक्षता में विस्तारित जिला कार्यकारिणी की बैठक बिष्टुपुर स्थित तिलक पुस्तकालय में की गयी। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी सह महासचिव बलजीत सिंह बेदी उपस्थित रहे। इस दौरान भाजपा को छोड़ कर युवा नेता किशोर प्रभात सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गये। जिला अध्यक्ष परविंदर सिंह ने सभी को पार्टी की सदस्यता दिलायी। जिला अध्यक्ष बनने के बाद उनकी पहली कार्यसमिति बैठक थी। बैठक में जिला कांग्रेस की मजबूती, आगामी आंदोलन की रूपरेखा, संगठन को बूथ स्तर पर ले जाने की जिम्मेदारी, घाटशिला उपचुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गयी। मौके पर जिला प्रभारी बलजीत बेदी ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत ग्राम पंचायत कमेटी के साथ-साथ आने वाले दिनों में वोट चोरी रोकने के लिए जिले के हरेक बूथ में बूथ लेवल एजेंट का गठन करना होगा। साथ ही साथ जिला कांग्रेस के सफल संचालन के लिए डिस्ट्रिक्ट पॉलिटिकल अफेयर कमेटी के गठन का निर्देश दिया। जिला अध्यक्ष परविंदर सिंह ने कहा कि आगामी घाटशिला उपचुनाव को देखते हुए जिला कांग्रेस कमेटी पूरे जोर-शोर से तैयारी करेगी, ताकि चुनाव में गठबंधन के प्रत्याशी को भारी मतों से जीत मिल सके। उन्होंने युवाओं से कांग्रेस से जुड़कर देशहित के आगे आने की अपील की। बैठक में प्रदेश कांग्रेस, जिला कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआइ के नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।इस अवसर पर विजय खान, संजीव श्रीवास्तव, प्रिंस सिंह, आनंद मय पात्रो, खगेन महतो, कमलेश पांडेय, डॉ परितोष सिंह,अवधेश सिंह, रियाजुद्दीन खान, नलिनी सिन्हा, राजेश सिंह राजू , रजनीश सिंह, चिन्ना राव, अविनाश सिंह, अतुल गुप्ता, आशुतोष सिंह, बबुआ झा, दीपक यादव, गुरदीप सिंह सहित कई कांग्रेसजन उपस्थित थे।

तेजी से बढ़ा रहा गैर संचारी रोगों का प्रसार:पूर्वी सिंहभूम राज्य का पहला जिला होगा जहां मरीजों के परिजनों की भी होगी जांच

जमशेदपुर, एजेंसी। कोल्हान में गैर संचारी रोगों का प्रसार तेजी से बढ़ रहा है। यहां की लगभग 61 प्रतिशत आबादी किसी न किसी गैर संचारी रोग से पीड़ित है। पूर्वी सिंहभूम जिले के जादूगोड़ा में कम उम्र के लोगों में किडनी रोग और पोटका क्षेत्र के दर्जनों गांवों में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में शुगर के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य विभाग को सतर्क कर दिया है। इसी कड़ी में जिला स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी पहल की है।

दिसंबर के पहले सप्ताह से जिले के सदर अस्पताल समेत सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों को अस्पताल लेकर आने वाले परिजनों की भी बीपी और शुगर की जांच अनिवार्य रूप से की जाएगी। जरूरत पड़ने पर उनका ब्लड टेस्ट भी कराया जाएगा। यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क होगी। यह पहल अब तक समय-समय पर आयोजित कैंपों और जागरूकता कार्यक्रमों से अलग होगी। पूर्वी सिंहभूम झारखंड का पहला जिला बन गया है, जहां गैर संचारी रोगों की रोकथाम के लिए इस तरह का अतिरिक्त

प्रयास शुरू किया गया है।

जिले के सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों में गैर संचारी रोगियों की संख्या बढ़ने तथा हाल के दिनों में संथाल डॉक्टर एसोसिएशन के 8 वें वार्षिक कान्फ्रेंस में जादूगोड़ा क्षेत्र के कम उम्र के लोगों की किडनी फेल होने की संख्या बढ़ने की चर्चा होने पर जिला स्वास्थ्य विभाग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए यह पहल शुरू की है। मरीजों के परिजनों का ब्योरा अलग से तैयार कर मुख्यालय को महीने के अंत में देना होगा। इस पहल के तहत सबसे अधिक मरीजों के परिजनों की जांच करने वाले डॉक्टर व कर्मचारियों को इंसेंटिव भी मिलेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रहे गैर संचारी रोगों के मरीज : ग्रामीण क्षेत्रों में गैर संचारी रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। एसोसिएशन द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में देखा गया है कि पिछले तीन वर्षों में कम उम्र के लोगों में बीपी, शुगर, किडनी और हृदय रोग के मामले तेजी से बढ़े हैं। तीन साल पहले यह स्थिति नहीं थी। इसकी सबसे बड़ी वजह ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी है। इस ट्रेंड को समझने के लिए एसोसिएशन ने एक्सपर्ट टीम से रिसर्च कराने का निर्णय लिया है।

रांची में पुलिस ड्यूटी मीट का आयोजन, हजारीबाग बना ओवरऑल चैंपियन

रांची, एजेंसी। जैप वन ग्राउंड में चल रहे पुलिस ड्यूटी मीट 2025 का शुक्रवार को समापन हो गया। तीन दिनों तक चले इस आयोजन के दौरान झारखंड पुलिस की सात टीमों के प्रतिभागियों ने अपराध अनुसंधान के विषयों पर अपने कौशल का प्रदर्शन किया। पुलिस ड्यूटी मीट 2025 में ओवरऑल चैंपियन हजारीबाग रहा।

सीएम रहे मौजूद : झारखंड पुलिस ड्यूटी मीट में सर्वाधिक पुरस्कार के साथ हजारीबाग रेंज ओवर ऑल चैंपियन रहा, जबकि रांची टीम दूसरे स्थान पर रहकर रनर अप रही। समापन समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 14 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक चली प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न और कप देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड पुलिस बेहतर काम कर रही है, यह मंच उन्हें आधुनिक अनुसंधान की दिशा में आगे ले जाएगा।

पुलिस को टेक्निक के साथ आगे बढ़ना होगा- डीजीपी : कार्यक्रम के दौरान डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि झारखंड पुलिस ड्यूटी मीट एक बेहतर मंच है। यहां आकर प्रतियोगिता के तौर पर पुलिसकर्मी अपने अनुसंधान के गुण का प्रदर्शन करते हैं। प्रतियोगिता में विजेता रहे पुलिसकर्मी राष्ट्रीय पुलिस ड्यूटी मीट में शामिल होंगे। इसके लिए उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। पुलिसकर्मियों को अत्याधुनिक तरीके से अनुसंधान के तरीके सिखाए जा रहे हैं ताकि अनुसंधान का काम तेज गति से हो सके और लंबित मामलों में कमी आए।

सब इंस्पेक्टर अनुपम ने जीते सबसे ज्यादा मेडल : पुलिस ड्यूटी मीट 2025 में हजारीबाग का दबदबा रहा। यहां सर्वाधिक पुरस्कार के साथ हजारीबाग ओवरऑल चैंपियन रहा, दूसरे स्थान रांची जिले का रहा। इंडिविजुअल चैंपियनशीप में हजारीबाग के सब इंस्पेक्टर अनुपम प्रकाश एक नंबर पर रहे।

आपात स्थिति में जान बचाने के लिए सीपीआर तकनीक कारगर -डॉ टुडू

धनबाद।, एजेंसी। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) में कार्डियो पल्मोनरी रीससिटेशन (सीपीआर) सप्ताह के तहत शक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अस्पताल के मेडिसिन विभाग की ओर से विभागाध्यक्ष डॉ एलबी टुडू के नेतृत्व में हुआ। इसका उद्देश्य आम लोगों, मेडिकल छात्रों और स्वास्थ्यकर्मियों को हृदयगति रुकने की स्थिति में जीवन रक्षक तकनीक सीपीआर की जानकारी व प्रशिक्षण देना था।

कार्यक्रम में विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सीपीआर की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। डॉ एलबी टुडू ने बताया कि अचानक किसी व्यक्ति की सांस या हृदय की धड़कन रुक जाने पर त्वरित सीपीआर देने से उसकी जान बचायी जा सकती है। यह प्रक्रिया तब तक जारी रखनी चाहिए जब तक पेशेवर चिकित्सा सहायता उपलब्ध न हो जाये। प्रतिभागियों को मानव शरीर के पुतले पर सीपीआर की व्यावहारिक विधि भी सिखायी गयी। मौके पर मेडिकल छात्र, नर्सिंग स्टाफ, स्वास्थ्यकर्मियों के साथ कई मरीज व उनके परिजन भी मौजूद थे।

डॉ टुडू ने कहा कि सीपीआर एक ऐसी तकनीक है जिसे हर व्यक्ति को सीखनी चाहिए। आपात स्थिति में यह किसी की जान बचाने में सहायक साबित हो सकती है। उन्होंने ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आगे भी नियमित रूप से आयोजित करने की बात कही।

आदिवासी समाज उतरा सड़क पर:जो पार्टी कुड़मी की मांग का समर्थन करेगी, उसका अस्तित्व मिटा देंगे

रांची, एजेंसी। कुड़मी को एसटी सूची में शामिल करने की मांग के विरोध में आदिवासी समाज सड़क पर उतर आया। धुर्वा के प्रभात तारा मैदान में शुक्रवार को आदिवासी हुंकार महारैली की। इसमें झारखंड के सभी 32 जनजातीय समूह के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, बंगाल और ओडिशा के लोग भी पहुंचे। महारैली में वक्ताओं ने आरपार की लड़ाई छेड़ने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा-जो भी राजनीतिक दल कुड़मी समाज की इस मांग का समर्थन करेगा, झारखंड से उसका अस्तित्व मिटा देंगे। हम कुड़मी भाई का सम्मान करते हैं। आप भी झारखंडी हैं। आप ओबीसी हैं। इसलिए ओबीसी आरक्षण बढ़ाने की मांग करें, हम पूरा समर्थन देंगे। लेकिन आदिवासी बनने की मांग करेंगे तो यह सहन नहीं होगा।

निशा भगत ने की माइक छीनने की कोशिश, मंच से उतारा : महारैली के दौरान आदिवासी नेत्री निशा भगत मंच पर पहुंचीं। उन्होंने पूर्व मंत्री देवकुमार धान से माइक छीनने की कोशिश की। इससे आयोजक नाराज हो

गए। उन्होंने निशा भगत को मंच से नीचे उतार दिया। इस दौरान निशा और आयोजकों के बीच नोंक-झोंक भी हुई।

महारैली में आठ प्रस्ताव पारित... कुड़मी के एसटी बनाने की मांग मूल आदिवासियों के संवैधानिक अधिकार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व में हिस्सेदारी, नौकरी, आरक्षण, जमीन और आदिवासियों के संघर्षशील इतिहास को हड़पने की मंशा से प्रेरित है। इस घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

आदिवासी महिला द्वारा गैर आदिवासी पुरुष से और आदिवासी पुरुष द्वारा गैर आदिवासी महिला से विवाह करने पर महिला को एसटी का दर्जा न मिले। पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में सरकार तत्काल पेसा नियमावली लागू करे। आदिवासियों की जमीन लूट की वापसी के लिए विशेष आयोग बनाएं। 6जनगणना प्रपत्र में अलग धर्म का कॉलम दिया जाए।

एसटी आरक्षण की पात्रता की जांच के लिए आदिवासी समुदाय को लेकर स्वतंत्र कमेटी गठित की जाए। चुआड़ विद्रोह में रघुनाथ महतो कोल विद्रोह में, बुली महतो संथाल विद्रोह में, चानकु महतो जैसे छद्म नाम के नायकों को आदिवासियों के संघर्षों को कुड़मी द्वारा अपने इतिहास के रूप में पेश करने की साजिश रोकी जाए। पांचवी अनुसूची क्षेत्र में अनुच्छेद 244 का उल्लंघन कर बड़ी आबादी बसी है। इस परिस्थिति में परिसीमन की आड़ में एसटी के लिए आरक्षित पांच लोकसभा सीट और 28 विधानसभा सीटों में कटौती का विरोध करती है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार जगत में बनाएं कॅरियर

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अधिकारी का काम व्यापार का विकास और दो देशों के बीच गुड्स एंड सर्विसेज के लेन-देन और गठजोड़ को बढ़ावा देना होता है। जिस कंपनी के लिए आप काम कर रहें है उस पर ग्लोबलाइजेशन का क्या प्रभाव पड़ रहा है यह भी देखना अधिकारी की जिम्मेदारी होती है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अधिकारी अपने क्लाइंट्स को विदेशी व्यापारों की स्टेटिस्टिक्स, भविष्य के अनुमानों और व्यापार में निवेश के विषय में जानकारी प्रदान करता है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आज के ग्लोबलाइजेशन की दुनिया में सबसे प्रमुख उद्योगों में से एक बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं या क्षेत्रों के आर-पार पूंजी, माल और सेवाओं का आदान-प्रदान करना होता है। यह करियर अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग के अंतर्गत आता है और जिस भी कैंडिडेट को बैंकिंग फील्ड में रूचि है वह इस क्षेत्र में एक अच्छा करियर बना सकते हैं।

नेचर ऑफ़वर्क - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अधिकारी का काम व्यापार का विकास और दो देशों के बीच गुड्स एंड सर्विसेज के लेन-देन और गठजोड़ को बढ़ावा देना होता है। जिस कंपनी के लिए आप काम कर रहें है उस पर ग्लोबलाइजेशन का क्या प्रभाव पड़ रहा है यह भी देखना अधिकारी की जिम्मेदारी होती है। एक व्यापार अधिकारी अपने नीचे काम रहे लोग जो व्यापार प्रक्रिया का निरिक्षण, जांच और लेखापरीक्षा करते हैं उनकी भी देख-रेख करता है और साथ ही असिस्टेंट ट्रेड कमिशनर्स और बंदरगाह के डायरेक्टर्स के साथ काम करता है।

पाठ्यक्रम के बारे में - ग्लोबल पीजी डिप्लोमा इन बैंकिंग एंड फाइनेंस एक वर्ष का कोर्स है। इसके तहत बैंकिंग ऑपरेशंस, धन प्रबंधन, ट्रेड फाइनेंस, फोरेक्स, फाइनेंस एसएमई जैसे विषय पढ़ाया व सिखाया जाता है। इस कोर्स में स्टूडेंट्स कंप्यूटर की बेसिक जानकारी के साथ, व्यापार संचार और शेयर बाज़ार में किस तरह काम होता है उसका प्रशिक्षण दिया जाता है।

योग्यता - स्नातक और किसी भी स्ट्रीम से अंतिम वर्ष के छात्र बैंकिंग और फाइनेंस के कोर्स में आवेदन कर सकते हैं और इंटरनेशनल ट्रेड ऑफिसर बनने की राह में अपना पहला कदम रख सकते हैं। जिन विद्यार्थी के स्नातक में कम से कम 50 प्रतिशत है वह भीं इस कोर्स में आसानी से आवेदन कर सकते हैं।

अवसर - इस कोर्स के पूरा होने के बाद कैंडिडेट बड़ी कंपनियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, आयात और निर्यात के विभागों में एक ऑफिसर के पद के लिए आवेदन कर सकता है। कैंडिडेट विदेशी मंत्रालय में भी नौकरी के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। विदेशी भाषाओँ का ज्ञान होना जरुरी नही होता पर फिर भी अगर आपको आती है है तो ये आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

आमदनी - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में रूचि रखने वाले लोग इसमें अपना अच्छा भविष्य बना सकते हैं। एक इंटरनेशनल ट्रेड ऑफिसर की न्यूमतम सैलरी 40 से 50 हजार होती है और तजुर्बे के साथ साथ जिसमे इजाफा होता रहता है।

देश-विदेश में आउटसोर्सिंग के लिए बढ़ रही है टेक्सटाइल डिजाइनरों की मांग

काम की दृष्टि से देखें तो टेक्सटाइल उद्योग 1980 से अब तक एक लंबा सफर तय कर चुका है। तब आप या तो एक छोटे से डिजाइन स्टुडियो के लिए काम कर सकते हैं, जो उसे टेक्सटाइल मिलों को ही भेजता था या आप मिल में ही काम पा सकते हैं। चुनौती, डिजाइन की पेपर ड्राइंग तैयार करने तक ही सीमित हैं, आप नहीं जानते कि आपकी रचना किस रूप में सामने आएगी। बुनाई, रंगाई, प्रिंटिंग और कढाई जैसे कौशल से फैब्रिक को कई रूपों में गढ़ा जा सकता है। यही विविधता टेक्सटाइल डिजाइनरों को रोमांचित करती है।

कहां हैं केन्द्र

कॉरपोरेट ऑफिस और डिजाइनर स्टूडियो शहरों में स्थित हैं, लेकिन असल गतिविधियां तो करूर, पानीपत, कुन्नूर जैसे कस्बों में स्थित फैक्टरियों, हथकरघे और हस्तशिल्प केन्द्रों में हो रही हैं जहां परंपरागत शिल्प के अनुसार काम किया जाता है। होम फर्नीशिंग का कलेक्शन तैयार किया जाता है, वह विदेशों में लगातार बिकता है।

बनाएं करियर

एक टेक्सटाइल डिजाइन प्रोग्राम आपको डिजाइन के तकनीकी और रचनात्मक पहलुओं में प्रशिक्षित करेगा। एक प्रतिष्ठित संस्थान से टेक्सटाइल डिजाइन प्रोग्राम पास करने वाले उम्मीदवार को पहली ही नौकरी में 20,000 से 30,000 रूपए मासिक वेतन मिल सकता है। तो पोलिटेक्निक से कोर्स करने वाला छात्र एक्सपर्ट हाउस जैसे संस्थानों में 8,000 रुपए से शुरूआत कर सकते हैं। काम की दृष्टि से देखें तो टेक्सटाइल उद्योग 1980 से अब तक एक लंबा सफर तय कर चुका है। तब आप या तो एक छोटे से डिजाइन स्टुडियो के लिए काम कर सकते हैं, जो उसे टेक्सटाइल मिलों को ही भेजता था या आप मिल में ही काम पा सकते हैं। चुनौती, डिजाइन की पेपर ड्राइंग तैयार करने तक ही सीमित हैं, आप नहीं जानते कि आपकी रचना किस रूप में सामने आएगी।

फुलटाइम जॉब

टेक्सटाइल डिजाइन ग्रेजुएट्स, एक्सपोर्ट हाउस, बाइंग (खरीदार) हाउस, टेक्सटाइल मिल, हैंडलूम मिल में फुलटाइम नौकरी कर सकते हैं या फिर फैशन डिजाइनरों, डिजाइन स्टुडियो या बाइंग एजेंसी के लिए काम कर सकते हैं। हमें स्थानीय बाजार से फैब्रिक खरीदना पड़ता था, उसके अनुसार डिजाइन तैयार करने पडते हैं, कढाई करवानी पड़ती और कलेक्शन से मैच करते पैटर्न प्रिंट करने पडते, उसके बाद ही अच्छा उत्पाद तैयार हो पाता है।

कई एक्सपोर्ट हाउस अपने डिजाइनरों को भारत और विदेशों में डिजाइन ईवेंट्स और प्रदर्शनियों में जाने का भी अवसर देते हैं। घरेलू बाजार में टेक्सटाइल डिजाइनरों की मांग है ही, विदेशों में आउटसोर्सिंग के लिए डिजाइनरों की मांग बढ़ रही है।

कारीगरों से संपर्क भी जरूरी

कारीगरों के साथ काम टेक्सटाइल डिजाइनरों के काम का एक अन्य पहलू है। कलाकारों से संपर्क बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है इससे समस्या सुलझने वाले अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्हें बाजार संबंधी जानकारी देना आपका भी काम है। यदि आप चुनौतियां स्वीकार नहीं करते तो डिजाइन प्रोफेशन आपके लिए है ही नहीं।

कहां से करें कोर्स

टेक्सटाइल डिजाइन कोर्स कक्षा 12 के बाद डिजाइन संस्थानों द्वारा करवाया जाने वाला चार वर्षीय अंडरग्रेजुएट कोर्स है। चयन प्रेक्टिकल स्टुडियो टेस्ट और इंटरव्यू के जरिए होता है, डिजाइन कैरियर में आपका एप्टीट्यूड, रूचि और मोटीवेशन का स्तर आंका जाता है। फैब्रिक, शिल्प या संबंधित पहलुओं का अनुभव जरूरी है। रचनात्मकता दर्शाने के लिए आपको पोर्टफोलियो भी तैयार करना पड़ सकता है। कोर्स में पहले साल बुनियादी डिजाइन कोर्स कराया जाता है, इसके अलावा छात्र स्पेशलाइजेशन के क्षेत्रों से परिचित होते हैं। पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट्स से जुडा होता है और टेक्सटाइल के सारे पहलू इसमें शामिल होते हैं, मसलन, वीविंग (बुनाई), प्रिंटिंग, रंगाई और विभिन्न उपयोगों के लिए फैब्रिक तैयार करना। स्टुडेंट्स एक्सचेंज प्रोग्राम भी समृद्ध अनुभव करवाने वाले होते हैं।

पीजी के लिए योग्यता

आपने किसी संबंधित स्ट्रीम से ग्रेजुएशन किया है, तो टेक्सटाइल का ज्ञान अर्जित करने के लिए पीजी कर सकते हैं। एनआईडी में पीजी प्रोग्राम के लिए योग्यताएं हैं-बीएफए, डिजाइन डिग्री इन टेक्सटाइल, निटवियर या फैशन, टेक्सटाइल्स के साथ होम साइंस, इंटीरियर डिजाइन एंड आर्किटेक्चर, टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में स्पेशलाइजेशन वाली इंजीनियरिंग डिग्री कर चुके भी पीजी प्रोग्राम कर सकते हैं। अन्य विषय में ग्रेजुएट्स को टेक्सटाइल्स उद्योग में एक साल का अनुभव है तो यह पीजी प्रोग्राम कर सकते हैं।

और भी हैं रास्ते

आप टेक्सटाइल डिजाइन में स्पेशलाइजेशन के साथ बैचलर इन फाइन आर्ट्स भी कर सकते हैं, इस कोर्स का फोकस तकनीकी कौशल पर होता है। लेकिन डिजाइन संस्थानों और फाइन आर्ट्स कॉलेजों में सीटें सीमित होती हैं। एक अन्य रास्ता है, बीएससी इन होम साइंस जिसमें टेक्सटाइल भी एक विषय होता है। मिसाल के तौर पर लेडी इरविन कॉलेज बीएससी इन होम साइंस प्रोग्राम में फैब्रिक एंड एपेरल साइंस की भी पेशकश करता है। इसके अलावा फैब्रिक एंड एपेरल साइंस में एमएससी भी उपलब्ध है। दुर्भाग्य से होम साइंस कोर्स महिलाओं के लिए ही है। पोलिटेक्निक और क्राफ्ट्स इंस्टीट्यूट भी ऐसे प्रोग्राम की पेशकश करते हैं। कई डिजाइन और छोटे स्टुडियो इन संस्थानों से सहायकों का चयन करते हैं। नियुक्ति पार्ट टाइम या प्रोजेक्ट के आधार पर होती है। आप कोई भी रास्ता अपनाएं, रचनात्मकता, टेक्सटाइल के लिए जुनून और अधिक से अधिक सीखने की लगन आपको दूसरों से आगे ले जाएगी।

उद्यमी भी बन सकते हैं

टेक्सटाइल डिजाइनर बनने के बाद आपके लिए उद्यमी बनने के भी रास्ते खुले हैं। आप अपना डिजाइन स्टूडियो खोलकर डिजाइनरों की सेवाएं ले सकते हैं, और अंतर्राष्ट्रीय तथा भारतीय क्लाइंट्स की जरूरतें पूरी करने पर अपना ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं। 20-25 लोगों की टीम के साथ उनकी कंपनी डिजाइन फैब्रिक और सॉफ्ट होम फर्नीशिंग पर ध्यान केन्द्रित करती है। हालांकि जब-तब उन्हें अपनी वेबसाइट के जरिए विदेशों से एक अनूठा प्रोजेक्ट भी हाथ लग जाता है। लम्बे समय तक विदेशी ट्रेंड और तकनीक की समझ होने की वजह से हमें यह समझ आ जाती है कि कौन से प्रिंट चल सकते हैं, कौन से नहीं। नवीनतम डिजाइनों से परिचित होने के अलावा सफल उद्यमी बनने के लिए मार्केटिंग और प्रबंधन में कुशल होना भी जरूरी है। एप्रोच बहुत जरूरी है। रचनात्मकता जो बाजार में प्रासांगिक हो और सांस्कृतिक विरासत, शिल्प या क्षेत्रीय पहचान को सामने ला सके, वह आपके लिए अधिक जरूरी है। उनके प्रोजेक्ट्स में घरेलू रिटेल स्टोर के लिए टेक्सटाइल डिजाइन तैयार करना और आर्किटेक्ट्स तथा इंटीरियर डिजाइनरों के साथ काम घरों के लिए होम फर्नीशिंग तैयार करना शामिल है।

मैनेजमेंट का मूलमंत्र है टीमवर्क

जो सभी के साथ मिलकर काम करना सीख लेता है वह पीछे मुड़क़र नहीं देखता, क्योंकि टीमवर्क के रूप में कार्य करना ही मैनेजमेंट का मूलमंत्र है। करियर बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक है चूंकि इससे आप अपनी मनपसंदीदा करियर को चुनने में आसानी होने के साथ ही खाली बैठने के लिए आपके पास समय भी नहीं होगा।

खुद को परफेक्ट बनाएं

मौजूदा परिस्थिति में किताबी कीड़ा बनकर या डिग्रियों का ढेर लगाकर सफलता की कामना नहीं की जा सकती है। अपने अंदर झांककर अपनी प्रतिभा को टटोलें कि किन क्षेत्रों में आप अपनी दक्षता को विकसित कर बाजी मार सकते हैं। जो क्षेत्र आपको सर्वाधिक उपयुक्त लगे, उसमें विशेषज्ञों की सलाह लेकर अपना कौशल बढ़ाएं।

आत्मविश्वास बढ़ाना भी है जरूरी

जीवन के कुरुक्षेत्र में आधी लड़ाई तो आत्मविश्वास द्वारा ही लड़ी जाती है। यदि योग्यता के साथ आत्मविश्वास जुड़ जाए तो करियर के कुरुक्षेत्र में आपको कोई पराजित नहीं कर पाएगा। अध्ययन के साथ-साथ उन गतिविधियों में भी हिस्सा लें, जिनसे आपका आत्मविश्वास बढ़े।

संपर्क स्थापित करना महत्वपूर्ण

आज जमाना ही सूचना प्रौद्योगिकी का है, यहां जितनी जानकारी, जितनी सूचनाएं आपके पास होंगी करियर निर्माण की राह उतनी ही आसान होगी। कूपमंडूकता छोड़ें, ज्यादा से ज्यादा लोगों से मिलें उन्हें अपनी जानकारी दें, आपके जानने वालों का जंजाल जितना लंबा होगा सफलता उतनी ही आपके करीब होगी।

नए जमाने की तकनीक अपनाएं

पुराना भले ही सुहाना माना जाता हो, लेकिन आज की प्रतिस्पर्धा में नई तकनीक का महत्त्व नकारा नहीं जा सकता है। किसी भी क्षेत्र में प्रवेश से पहले पूछा जाता है, क्या कम्प्यूटर चलाना आता है? कम्प्यूटर के आधारभूत ज्ञान के बजाय थोड़ी ज्यादा दिलचस्पी दिखाएं, क्योंकि यही वह अलादीन का चिराग है, जो करियर निर्माण की हर मांग को पूरा कर सकता है। इससे पहले कि कोई नई तकनीक पुरानी हो जाए आप इसके उस्ताद बन जाएं। अपने ज्ञान को परिमार्जित करते रहें। भविष्य उसी का होता है, जो अपने को श्रेष्ठतम तरीके से अनुकूल रूप में ढाल लेता है।

परिवार का सहयोग आवश्यक

अकसर देखा गया है कि करियर निर्माण की चिंता में लोग घर परिवार को भूल जाते हैं। परेशानी और तकलीफ के वक्त परिवार ही काम आता है। इसलिए परिवार को पर्याप्त समय दें। पारिवारिक आमोद-प्रमोद से करियर की राह आसान हो जाती है तथा आप तनावमुक्त होकर करियर निर्माण की राह पर अग्रसर हो सकते हैं।

दूसरों से न करें अनमना व्यवहार

आपका संघर्ष, आपकी परेशानी नितांत निजी मामला है। इसका असर दूसरों के साथ अपने व्यवहार में न आने दें। जो सभी के साथ मिलकर काम करना सीख लेता है वह पीछे मुड़क़र नहीं देखता, क्योंकि टीमवर्क के रूप में कार्य करना ही मैनेजमेंट का मूलमंत्र है।

काम में ईमानदारी बरतें

झूठ ज्यादा देर टिकता नहीं है, अपने बारे में सही आकलन कर वास्तविक तस्वीर पेश करें। निष्ठापूर्ण व्यवहार की सभी कद्र करते हैं। अपने काम के प्रति आपकी ईमानदारी आपको करियर निर्माण में सर्वोच्च स्थान दिला सकती है। भूलें नहीं कि कार्य ही पूजा है।

ज्यादा महत्वाकांक्षी न बनें

प्रत्येक इनसान में महत्वाकांक्षा का होना जितना अच्छा है, उसकी अतिमहत्वाकांक्षा उतनी ही नुकसानदायक होती है, क्योंकि अति सर्वत्र वर्जयते। किसी करिश्मे की उम्मीद न करें सभी चीजें समय पर ही मिलती हैं।

डेटा सेंटर वाली कंपनी का आ रहा आईपीओ

● सेबी की मंजूरी का इंतजार ● आईपीओ में 2,500 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों का इश्यू

मुंबई, एजेंसी। डेटा सेंटर को-लोकेशन सर्विस प्रोवाइडर कंपनी-सिफी इन्फिनिट स्पेसेस लिमिटेड ने 3,700 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। इस आईपीओ में 2,500 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों का इश्यू और मौजूदा शेयरधारकों- कोटक डेटा सेंटर फंड (643 करोड़ रुपये) और कोटक स्पेशल सिचुएशंस फंड (557 करोड़ रुपये) - द्वारा 1,200 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल शामिल है। कंपनी 500 करोड़ रुपये तक का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट भी कर सकती है, जिससे नए इश्यू का आकार कम हो जाएगा।

यह कंपनी सिफी टेक्नोलॉजीज द्वारा प्रवर्तित सिफी समूह का एक हिस्सा है। यह कंपनी मुंबई, चेन्नई, नोएडा, हैदराबाद, बेंगलुरु और कोलकाता में 14 को-लोकेशन डेटा सेंटर संचालित करती है, जिसकी संयुक्त निर्मित आईटी पावर क्षमता 30 जून, 2025 तक 188.04 मेगावाट है। 31 मार्च, 2025 तक भारत में आईटी क्षमता का निर्माण करके इसकी बाजार हिस्सेदारी 15.26 प्रतिशत थी।

क्या होगा पैसे का

नए इश्यू से मिले रकम का उपयोग कंपनी के चेन्नई-2 डेटा सेंटर में टावर बी के निर्माण और नवी मुंबई स्थित रबाले डेटा सेंटर में टावर 11 और 12 के निर्माण के लिए पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा, जिसका अनुमान क्रमशः 465 करोड़ रुपये और 860 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त, 600 करोड़ रुपये उधारों के पुनर्भुगतान या पूर्व-भुगतान के लिए दिए जाएँगे, और शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। जेएम फाइनेंशियल, सीएलएसए इंडिया, जेपी मॉर्गन इंडिया, कोटक महिंद्रा कैपिटल और मॉर्गन स्टेनली इंडिया इस इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं।

आरईसी लिमिटेड को क्यू2 में 4414.93 करोड़ का नेट प्रॉफिट, डिविडेंड का भी ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। कंपनी आरईसी लिमिटेड का नेट प्रॉफिट चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 4,414.93 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से आय बढ़ने के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। आरईसी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले वित्तवर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में उसे 4,037.72 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। बता दें, दूसरी तिमाही में कंपनी की आय 10.62 प्रतिशत बढ़कर 15,162.38 करोड़ रुपये हो गयी जो एक साल पहले इसी तिमाही में 13,706.31 करोड़ रुपये थी। महारत्न कंपनी ने दूसरी तिमाही के नतीजों के साथ डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 4.60 रुपये का डिविडेंड निवेशकों को दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 27 अक्टूबर 2025 की तारीख, दिन सोमवार को रिकॉर्ड डेट तय किया है। बता दें, कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि योग्य निवेशकों को 14 नवंबर या उससे पहले भुगतान कर दिया जाएगा। आरईसी लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को बाजार के बंद होने समय पर 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 374.70 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। 2025 में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 25 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 30.90 प्रतिशत गिरा है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 573 रुपये और 52 वीक लो लेवल 348.65 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 98,666.90 करोड़ रुपये का है।

3 महीने में 1000 करोड़ रुपये का फायदा

मुंबई, एजेंसी। अरबपति उद्योगपति अनिल अग्रवाल के वेदांता ग्रुप की कंपनी हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने तगड़ा मुनाफा कमाया है। चांदी की वजह से कंपनी के मुनाफे में तेज उछाल आया है। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में टैक्स चुकाने के बाद हिन्दुस्तान जिंक का कंसॉलिडेटेड प्रॉफिट 2649 करोड़ रुपये रहा है। तिमाही आधार पर कंपनी का मुनाफा 19 पर्सेंट बढ़ा है। कंपनी के कुल मुनाफे में अकेले चांदी की हिस्सेदारी 40 पर्सेंट रही है, जो कि करीब 1060 करोड़ रुपये है। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, दुनिया के टॉप-5 सिल्वर प्रॉड्यूसर में से एक है। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में हिन्दुस्तान जिंक ने 1706 करोड़ रुपये का सिल्वर रेवेन्यू हासिल किया। तिमाही आधार पर कंपनी के सिल्वर रेवेन्यू में 10 पर्सेंट का और सालाना आधार पर 20 पर्सेंट का उछाल आया। वैश्विक बाजार में चांदी की कीमतें बढ़ने से कंपनी को यह सिल्वर बोनांजा मिला है और कंपनी ने मजबूत परफॉर्मेंस दिखाया है। लेड और जिंक ओर्स के साथ चांदी प्राकृतिक रूप से पायी जाती है, इसकी माइनिंग और रिफाइनिंग हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड करती है। कंपनी की अर्निंग्स में इसकी हिस्सेदारी बढ़ रही है। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने दूसरी तिमाही में अब तक का सबसे ज्यादा रेवेन्यू हासिल किया है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 8,549 करोड़ रुपये रहा है, जो कि तिमाही आधार पर 10 पर्सेंट ज्यादा है। दूसरी तिमाही में कंपनी का इबिट्डा मार्जिन 52 पर्सेंट रहा है। कंपनी ने टेक्नोलॉजी अपग्रेड्स और ऑपरेशनल इफीशिएंसी से 5 साल की सबसे कम जिंक प्रॉडक्शन कॉस्ट हासिल की है। साल 2025 में अब तक चांदी में जबरदस्त तेजी आई है। श्वञस्न ने पहले ही लोगों का पैसा दोगुना कर दिया है। फ्यूचर मार्केट में चांदी की कीमतों में करीब 70 पर्सेंट का उछाल आया है।

त्योहारी मौसम में अस्थायी रोजगार पाने के लिए भी डिजिटल कौशल अनिवार्य

टीमलीज एडटेक की रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी। देश में त्योहारी मौसम के दौरान होने वाली अल्पकालिक भर्तियों में भी अब तीन-चौथाई नियोक्ता डिजिटल कौशल को अनिवार्य कर रहे हैं। टीमलीज एडटेक की रिपोर्ट के मुताबिक, अग्रिम पंक्ति और आपूर्ति भूमिकाओं से इतर करीब 76 फीसदी नियोक्ता अब मौसमी भूमिकाओं के लिए भी तकनीकी दक्षता जरूरी कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि डिजिटल मंच, भंडारण प्रणाली और कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित ऑर्डर प्रबंधन में कुशल कर्मचारियों को बार-बार अल्पकालिक अनुबंध मिलने की संभावना अधिक होती है। टीमलीज एडटेक के संस्थापक एवं सीईओ शांतनु रूज ने कहा, त्योहारी मौसम में नियुक्तियां अब केवल सीटें भरने के बारे में न होकर ऐसे प्रतिभाशाली लोगों की तलाश के बारे में हैं, जो डिजिटल टूल, प्लेटफॉर्म और एआई-सक्षम प्रणाली का उपयोग कर सकें। त्योहारी सत्र में बढ़ी मांग को देखते हुए डिजिटल कौशल वाले कर्मचारी इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए सबसे उपयुक्त स्थिति में होते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पारंपरिक त्योहारी नौकरियों के अलावा नियोक्ता एआई-चालित ग्राहक जुड़ाव और त्योहारी रुझानों के विश्लेषण प्रबंधन के लिए प्रॉम्प्ट इंजीनियर, प्रक्रिया स्वचालन विश्लेषकों और डाटा मार्केटिंग अधिकारियों की भी भर्ती कर रहे हैं।

आज, अपने अनूठे वेंचर से उनका सालाना टर्नओवर 50 लाख का है

सुपरबूस्टर से 50 लाख सालाना का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी।
महाराष्ट्र की महिला उद्यमी सलोनी गोडबोले तिवारी ने कैंसर रिसर्च के क्षेत्र को छोड़कर भारत के पशुपालन में क्रांति ला दी है। सह-संस्थापक डॉ. मिलिंद निफाडकर के साथ मिलकर उन्होंने 2018 में ओकैमी बायोसाइंस की नींव रखी थी। उनका मिशन साधारण था। ग्रामीण किसानों के लिए किफायती माइक्रोब-आधारित समाधान पेश करना। उन्होंने महसूस किया कि अगर प्रोबायोटिक्स इंसानों को लाभ पहुंचा सकते हैं तो मवेशियों को क्यों नहीं। इसी सोच के साथ उन्होंने पशुओं के लिए च्यवनप्राश जैसे न्यूट्रास्यूटिकल्स विकसित किए। आज, अपने अनूठे वेंचर से उनका सालाना टर्नओवर 50 लाख का है। आइए, यहां सलोनी गोडबोले तिवारी की सफलता के सफर के बारे जानते हैं।

दवाओं पर निर्भरता में कमी

सलोनी का मिशन केवल पशु स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस -एएमआर की बढ़ती वैश्विक चुनौती का भी समाधान करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में किसान अनजाने में दूध की मात्रा और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए एंटीबायोटिक या हार्मोन इंजेक्शन का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। इससे फूड चेन प्रदूषित होती है। सलोनी का वेंचर पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार करके किसानों को इन हानिकारक दवाओं पर निर्भरता कम करने में मदद करता है। यह वन हेल्थ नजरिया खाद्य सुरक्षा को मजबूत करता है। मीथेन उत्सर्जन को कम करके जलवायु स्थिरता के लक्ष्यों के साथ भी जुड़ता है।

अब 50 लाख का टर्नओवर

एक महिला और शहरी उद्यमी होने के नाते सलोनी को ग्रामीण क्षेत्रों में सांस्कृतिक और लैंगिक पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ा। अक्सर खेत और पशुधन की देखभाल महिलाएं करती हैं। लेकिन, महत्वपूर्ण वित्तीय निर्णय पुरुष लेते हैं। ग्रामीण पुरुषों को महिला के साथ व्यापार पर चर्चा करने में संकोच होता था। सलोनी ने जल्द ही इसे महसूस किया। इन चुनौतियों को दूर करने के लिए उन्होंने ग्रामीण पुरुषों की एक क्षेत्रीय टीम का गठन किया। साथ ही महिला किसानों को प्रशिक्षित किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में न्यूट्रास्यूटिकल डिवीजन का वार्षिक कारोबार लगभग 50 लाख रुपये रहा। कंपनी अगले 5 वर्षों के लक्ष्यों के लिए धन जुटा रही है। इसका उद्देश्य भारत और विश्व स्तर पर विस्तार करना है। अपनी 20 कर्मचारियों की टीम के साथ कंपनी का लक्ष्य भारत के 766 जिलों में कम से कम 1 व्यक्ति को रोजगार देना है।

इन सप्लीमेंट्स से महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु सहित पूरे भारत के किसानों को लाभ हुआ है।

पशुओं के लिए च्यवनप्राश जैसे न्यूट्रास्यूटिकल्स विकसित किए। आज, अपने अनूठे वेंचर से उनका सालाना टर्नओवर 50 लाख का है

नौकरी छोड़कर लिया बड़ा फैसला

माइक्रोबायोलॉजिस्ट सलोनी गोडबोले तिवारी ने एक्ट्रेक में जूनियर रिसर्च साइंटिस्ट की नौकरी छोड़कर पशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में कदम रखा। यह बदलाव अचानक नहीं था। अलबत्ता, उद्देश्य-प्रेरित था। सलोनी इस बात से चिंतित थीं कि जीवन रक्षक विज्ञान ग्रामीण भारत और किसानों तक नहीं पहुंच पा रहा है। उन्होंने देखा कि दूध की गिरती गुणवत्ता और एंटीबायोटिक दवाओं का अंधाधुंध इस्तेमाल एक प्रणालीगत समस्या पैदा कर रहा है। इसी समस्या को सुलझाने के लिए उन्होंने डॉ. मिलिंद निफाडकर के साथ मिलकर 2018 में ओकैमी बायोसाइंस की शुरुआत की। उनका उद्देश्य विज्ञान आधारित प्राकृतिक सप्लीमेंट्स (न्यूट्रास्यूटिकल्स) को भारत के कोने-कोने तक पहुंचाना है ताकि न केवल पशु स्वस्थ रहें, बल्कि मानव स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों का भी समाधान हो सके।

किसानों के बीच हिट हुए प्रोडक्ट

सलोनी के उत्पाद सरल, प्रभावी और किसान-हितैषी हैं। ये गाय और बकरियों के च्यवनप्राश से मशहूर हैं। इन्हें सिंथेटिक दवाओं के बजाय लाभदायक रोगाणुओं यानी माइक्रोब्स, अमीनो एसिड, प्रोबायोटिक्स और प्राकृतिक तत्वों का इस्तेमाल करके बनाया जाता है। उनके प्रमुख इनोवेशन में रक्षक (रोग प्रतिरोधक क्षमता और प्रजनन के लिए), बोवी बूस्टर (दूध की मात्रा और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए) और बक बूस्टर (बकरियों में वजन बढ़ाने के लिए) शामिल हैं।

इटरनल में दीपिंदर गोयल की कुल हिस्सेदारी 3.83 प्रतिशत की है। उनके पास 36,94,71,500 शेयर हैं

मिनटों में ही दीपिंदर गोयल के डूब गए 556 करोड़

मुंबई, एजेंसी।
जोमैटो को ऑपरेट करने वाली कंपनी इटरनल के फाउंडर और सीईओ दीपिंदर गोयल को भारी नुकसान हो गया है। उन्होंने मिनटों में 55 करोड़ रुपये गंवा दिए। इसकी वजह शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का प्रदर्शन है। शुक्रवार का दिन इटरनल के लिए अच्छा नहीं रहा है। कंपनी के शेयरों का भाव 4.2 प्रतिशत तक टूट चुका है। जिसकी वजह से स्टॉक लुढ़ककर 333.75 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गए। बता दें, इटरनल में दीपिंदर गोयल की कुल हिस्सेदारी 3.83 प्रतिशत की है। उनके पास 36,94,71,500 शेयर हैं।

बीएसई में आज शुक्रवार को इटरनल के शेयर 340.30 रुपये के लेवल पर खुले थे। कंपनी के शेयर एक वक्त पर 347.75 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर भी पहुंचे। लेकिन बिकवाली के दबाव में यह स्टॉक 333.75 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल तक आ गया।

मिनटों में हुआ भारी नुकसान

इटरनल के शेयरों में गिरावट की वजह से दीपिंदर गोयल के शेयरों की वैल्यू घटकर 12331.11 करोड़ रुपये आ गई। शेयरों में गिरावट से पहले उनके शेयरों की वैल्यूएशन 12,887.16 करोड़ रुपये थी। डाटा के अनुसार दीपिंदर गोयल को कुल 556.05 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

तिमाही नतीजों से टूटा शेयर

दीपिंदर गोयल सहित करोड़ों निवेशकों को तिमाही नतीजों से झटका लगा है। इटरनल का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 63 प्रतिशत टूटा है। जुलाई से सितंबर 2025 के दौरान इटरनल का नेट प्रॉफिट 65 करोड़ रुपये था। कंपनी के रेवन्यू में 183 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इस बार दूसरी तिमाही में इटरनल का रेवन्यू 13590 करोड़ रुपये रहा है।

शेयरों के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट की क्या राय: बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के अनुसार एक्सपर्ट्स की राय इटरनल के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर अलग-अलग है। कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि कंपनी के शेयर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। तो वहीं कुछ को बिकवाली की उम्मीद है।

धाकड़ डिफेंस कंपनी ने फ्रांस की इस कंपनी से मिलाया हाथ

मुंबई, एजेंसी। चर्चित डिफेंस कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने एक बड़ा समझौता ज्ञापन साइन किया है। इस चर्चित सबमरीन बनाने वाली कंपनी ने फ्रांस के नेवल ग्रुप के साथ समझौता ज्ञापन साइन किया है। दोनों कंपनियों के बीच यह समझौता 16 अक्टूबर को हुआ है। दोनों कंपनियां मिलकर दोस्ता सम्बंध रखने वाले देशों के लिए मिलकर सबमरीन बनाएंगी। इसी साल जुलाई में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने नेवल ग्रुप के साथ कावेरी सबमरीन में एनर्जी सिस्टम लगाने के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को लेकर एक औपचारिक एग्रीमेंट साइन किया था। इस साल दिसंबर 2024 में डिफेंस मिनिस्ट्री ने करीब 2867 करोड़ रुपये के दो कॉन्ट्रैक्ट साइन किए थे। डिफेंस मिनिस्ट्री इस प्रोजेक्ट के जरिए भारतीय सबमरीन की क्षमताओं का बढ़ाना चाह रही है। पहला कॉन्ट्रैक्ट मझगांव डॉक के साथ है। जिसकी वैल्यू 1990 करोड़ रुपये की है। वहीं, दूसरा कॉन्ट्रैक्ट 877 करोड़ रुपये का है। जिसे फ्रांस के नेवल ग्रुप के साथ साइन किया गया है। शुक्रवार को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के शेयर 0.53 प्रतिशत की गिरावट के बाद 2817.05 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते 6 महीने में मझगांव डॉक के के शेयरों की कीमतों में 3.90 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में इस डिफेंस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 25.50 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी का 52 वीक हाई 3778 रुपये और 52 वीक लो लेवल 1917.95 रुपये है।

यस बैंक में हिस्सेदारी नहीं बढ़ाएगा एसएमबीसी ग्रुप

ुंबई, एजेंसी। जापानी लेंडर सुमितोमो मित्सुई ंकिंग कॉर्पोरेशन की भारत के यस बैंक में अपनी ्स्सेदारी 24.99 प्रतिशत से आगे बढ़ाने की तत्काल ोई योजना नहीं है। इस खबर के बीच सप्ताह के ाखिरी कारोबारी दिन यानी यस बैंक के शेयर में ड़ी गिरावट देखी गई। शुक्रवार को यस बैंक के ेयर करीब 5 पर्सेंट गिरकर 22.06 रुपये के निचले तर पर आ गए। बैंक के शेयर के 52 हफ्ते का लो 6.02 रुपये है। शेयर का यह भाव मार्च 2025 में ा। एसएमबीसी समूह के भारत प्रभाग के समूह ार्यकारी अधिकारी और प्रमुख राजीव कन्नन ने कहा ्र बैंक, यस बैंक के बोर्ड में सबसे बड़े शेयरधारक ्र रूप में योगदान देने पर केंद्रित है और ऋणदाता में ार्यकारी भूमिका निभाने का इरादा नहीं रखता है। न्नन ने कहा कि हम यस बैंक में अपनी हिस्सेदारी नयामक द्वारा निर्धारित 24.99 प्रतिशत की सीमा से ागे बढ़ाने पर सक्रिय रूप से विचार नहीं कर रहे हैं। न्होंने आगे कहा-ऐसे कई क्षेत्र हैं जिन पर यस बैंक ो अभी भी काम करने की जरूरत है, और हमें यह ुनिश्चित करने की जरूरत है कि जिन क्षेत्रों पर काम ्ररने की उनकी योजना है, उन पर अमल हो रहा है।

सितंबर महीने में जापान की सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) ने यस बैंक में 4.22 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी हासिल कर ली थी। इस अधिग्रहण के साथ, यस बैंक में एसएमबीसी की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से बढ़कर 24.22 प्रतिशत हो गई है। एसएमबीसी ने 22 सितंबर को बाजार से इतर खरीद-बिक्री के माध्यम से 132.39 करोड़ शेयर हासिल किए। एसएमबीसी इस सौदे के साथ, यस बैंक का सबसे बड़ा शेयरधारक बन गया है, जबकि एसबीआई के पास 10 प्रतिशत से अधिक की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी बनी हुई है। एसबीआई और सात निवेशक वित्तीय संस्थानों ने मार्च, 2020 में यस बैंक पुनर्निर्माण योजना के तहत बैंक में निवेश किया था। सार्वजनिक क्षेत्र के एसबीआई के पास एक

विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे सप्ताह कमी

10 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान 00 बिलियन डॉलर के पार हुआ

मुंबई, एजेंसी।
सोने के भाव में इन दिनों आश्चर्यजनक तेजी दिख रही है। शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025 को इसका भाव 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर बंद हुआ। इससे हम-आप के लिए सोना खरीदना भले ही मुश्किल हो गया हो, लेकिन रिजर्व बैंक को फायदा हुआ है। इसके भंडार में जितना सोना है, उसका मूल्य बीते 10 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान पहली बार100 बिलियन डॉलर के पार हो गया है। हालांकि इसी सप्ताह अपने विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर से कमी दिखी है। यह लगातार चौथा सप्ताह है जबकि अपना विदेशी मुद्रा भंडार गिरा है।

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के

रिजर्व बैंक को फायदा हुआ है

भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में खूब कमी हुई है। 10 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपनेएफसीए में 5.605 बिलियन की कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार घट कर 572.103 बिलियन रह गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक

कहां तक गिर गया भंडार

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 10 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.176 बिलियन की कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 276 मिलियनकी कमी हुई थी। अब अपना भंडार घट कर 697.784 बिलियन का रह गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियन के रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। सोने की कीमत इस समय आसमान में चली गई है। कल ही यानी 17 अक्टूबर 2025 को 24 कैरेट सोने का भाव 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर बंद हुआ था। इस वजह से रिजर्व बैंक के भंडार में जितना सोना है, उसका भी वैल्यू बढ़ गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक बीते 10 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने सोने के भंडार में 3.595 बिलियन की बढ़ोतरी हुई। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 3.753 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। इसी के साथ अब अपना सोने का भंडार बढ़ कर स्ह्र 102.365 बिलियन का हो गया है। इस समय आरबीआई के पास सोने का भंडार 880 टन तक पहुंच गया है। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का 14.7 फीसदी बैठता है।

जैनिक सिनर के सामने जोकोविच का मास्टरप्लान फेल

सेमीफाइनल हुआ एकतरफा

नई दिल्ली, एजेंसी। नोवाक जोकोविच और जैनिक सिनर के बीच सिक्स किंग्स स्लैम 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में जोकोविच की रणनीति पूरी तरह ध्वस्त हो गई। सेर्बियाई स्टार, जो अपनी टैक्टिकल ब्रिलियंस और मानसिक मजबूती के लिए जाने जाते हैं, मैच को लंबा खींचकर सिनर की सहनशक्ति को आजमाने की योजना लेकर आए थे। लेकिन इतालवी खिलाड़ी ने केवल एक घंटे से थोड़ी अधिक में सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से उन्हें हराकर योजना को धराशायी कर दिया।

एक योजना जो नहीं बन सकी- हार के बाद जोकोविच ने ईमानदारी से स्वीकार किया कि उनका मास्टरप्लान सिनर को लंबा और शारीरिक मुकाबला खेलने के लिए प्रेरित करने का पूरी तरह फेल हो गया। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा, मैंने कम से कम लंबे मैच की कोशिश की, लेकिन इतालवी खिलाड़ी के स्तर के सामने यह असंभव था। जैनिक सिनर अब जोकोविच के खिलाफ बढ़ती श्रेष्ठता दिखा रहे हैं। उनका हेड-टू-हेड रिकॉर्ड अब 6-4 सिन्नर के पक्ष में है, जिसमें उन्होंने पिछले पांच आधिकारिक मुकाबले जीते हैं। इसके अलावा, जोकोविच ने सिन्नर से 2024 और 2025 के सिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी मुकाबलों में भी हार झेली है।

जोकोविच का हल्का-फुल्का रुख

हार के बावजूद जोकोविच ने अपनी खेल भावना और हास्य दिखाया। रियाद के दर्शकों के सामने उन्होंने मजाक किया- मुझे खेद है कि आप आज लंबा मैच नहीं देख सके, यह उसकी गलती है, मेरी नहीं! उन्होंने सिनर की अविरल ऊर्जा की तारीफ की और बताया कि आखिरी गेम में 0-15 पर उन्हें डराने की कोशिश भी असफल रही। मैं बस टिके रहने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह बहुत अच्छे थे। उन्हें बधाई और फाइनल में शुभकामनाएं।

हार के बावजूद जोकोविच ने अपने खेल और स्थान का संतुलित मूल्यांकन किया, भले ही किसी ने कोर्ट पर आपको इस तरह हराया हो, लेकिन यह अद्भुत है कि मैं अभी भी उच्च स्तर पर खेल पा रहा हूँ, टॉप 10 और टॉप 5 में। इस हार ने जोकोविच को सिनर की तेजी से बढ़ती क्षमता का एहसास दिलाया और उन्हें अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने की चुनौती दी। वहीं, सिन्नर की जीत ने उन्हें टेनिस की अगली प्रमुख ताकत के रूप में मजबूत किया।

विदेश में होगा आईपीएल ऑक्शन

दुबई, मस्कट या दोहा में 15 से 18 दिसंबर के बीच नीलामी, 20 मार्च से आईपीएल हो सकता है

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल की नीलामी एक बार फिर विदेश में होगी। 2026 सीजन के लिए होने वाले इस मिनी ऑक्शन का आयोजन 15 से 18 दिसंबर के बीच दुबई, मस्कट या दोहा में से एक शहर में किया जाएगा।यह जानकारी एक सीनियर अधिकारी ने दैनिक भास्कर को दी है। उसने नाम न

छापने की शर्त पर बताया कि पिछले हफ्ते कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इस बार की नीलामी भारत के किसी शहर में होगी। पिछले साल 2024 में आईपीएल का मेगा ऑक्शन सऊदी अरब के जेद्दाह शहर में हुआ था। तब भी भारत में वेन्यू की कमी और लॉजिस्टिक चुनौतियों को वजह बताया गया था।

मेजबानी की रेस में दुबई सबसे आगे

ऑक्शन के लिए इस बार दुबई, मस्कट और दोहा के नाम चर्चा में हैं। इनमें से दुबई को सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है, क्योंकि वहां न केवल बीसीसीआई और आईपीएल फ्रेंचाइजियों के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद है, बल्कि दुबई पिछले कई सालों से भारतीय क्रिकेट बोर्ड वहां कई इवेंट्स सफलतापूर्वक करा चुका है। 2014 में जब आम चुनावों के कारण भारत में आईपीएल के शुरुआती मैच विदेश में कराए गए थे, तब भी यूएई को ही चुना गया था।

महिला विश्व कप 2025

सेमीफाइनल की रेस से 3 टीमें बाहर!

● भारत की किस्मत बदल सकता है पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में जारी महिला वर्ल्ड कप 2025 के 18वें मुकाबले में शुक्रवार को साउथ अफ्रीका ने अपनी चौथी जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल की दावेदारी ठोस कर ली है। अब बचे हुए दो मैचों में से एक भी जीत प्रोटियाज को अंतिम 4 का टिकट दिलवा सकती है। वहीं श्रीलंका की टीम ने एक भी मैच अभी तक टूर्नामेंट में नहीं जीता है और इस मैच में उसे तीसरी हार मिली। हालांकि, बारिश के कारण रद्द हुए दो मैचों के कारण उसके दो अंक हैं। अब अगर सेमीफाइनल के समीकरण की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी जगह पक्की कर चुकी है। वहीं साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल का टिकट हासिल करने की दहलीज पर है। 21 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में ही उसे सेमीफाइनल में एंट्री मिल सकती है। रही बात इंग्लैंड की तो पाकिस्तान के खिलाफ हार से इंग्लैंड बाल-बाल बच गई। अब रविवार को उसका सामना भारत से है। इस मैच में जीत उसे सेमीफाइनल में एंट्री दिलवा सकती है। वरना यह इंतजार 22 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच तक बढ़ सकता है।

सेमीफाइनल की रेस से 3 टीमें बाहर!

अगर अंक तालिका पर नजर डालें तो बांग्लादेश पांच मैचों में से चार हार के बाद महज 2 अंक लेकर छठे स्थान पर है। तो श्रीलंका की टीम 5 मैचों में से तीन हार और दो बेनतीजा मुकाबलों के बाद 2 अंक लेकर सातवें पायदान पर है।

पाकिस्तान ने 4 में से तीन मुकाबले गंवाए हैं और एक मैच बारिश के कारण रद्द होने की वजह से अंक तालिका में उसका खाता खुला है। अब बांग्लादेश को आखिरी दो मैच भारत और श्रीलंका से खेलने हैं। अगर टीम दोनों मैच भी जीती फिर भी 6 अंक ही हासिल कर पाएगी। मौजूदा हालात के मुताबिक 6 अंक से सेमीफाइनल का क्वालिफिकेशन मुश्किल दिख रहा है।

गिल ने संभाली कमान

कहा- रोहित और विराट से सीखना मेरे लिए गर्व की बात

पर्थ, एजेंसी। भारत के नए कप्तान शुभमन गिल ने आगामी ऑस्ट्रेलिया तीन-मैच ओडीआई श्रृंखला से पहले अपने विचार साझा किए और कहा कि वे किसी भी कठिन परिस्थिति में वरिष्ठ बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली से सलाह लेने में पीछे नहीं हटेंगे। रोहित और विराट अगले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया में अपनी आखिरी अंतरराष्ट्रीय पारियाँ खेलेंगे, जिसमें पर्थ, एडिलेड और सिडनी में तीन ओडीआई मैच शामिल हैं। गिल ने इस साल के शुरुआत में रोहित की टेस्ट कप्तानी की जगह ली थी और अब ओडीआई टीम की कमान भी संभाल रहे हैं। भारत की व्हाइट-बॉल टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा तीन ओडीआई और पांच टी-20 मैचों का है। ओडीआई श्रृंखला का पहला मैच 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि अन्य मैच 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल और 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में होंगे। इसके बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला खेली जाएगी, जिसकी कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। गिल ने कहा, वे ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें मैं बचपन से आदर्श मानता रहा हूं। उनका खेल और जीत की भूख मुझे हमेशा प्रेरित करती रही है। उनके जैसा खेलना और उनके अनुभव से सीखना मेरे लिए गर्व की बात है। सीरीज के दौरान भी कई मौके आए जब मैं उनके अनुभव से सीखूंगा और किसी कठिन स्थिति में उनके सुझाव लेने से कभी पीछे नहीं हटूंगा।

रोहित-कोहली वही खिलाड़ी, जिन्हें बचपन में अपना आदर्श मानता था: कप्तान गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्टूबर से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। गिल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे टीम की कमान संभालने जा रहे हैं। कप्तान ने बताया कि वह बचपन से ही रोहित-कोहली को अपना आदर्श मानते थे।शुभमन गिल ऐसी टीम की अगुवाई कर रहे हैं, जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे पूर्व

कप्तान मौजूद हैं। इसे आगामी वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी में शुरुआती कदम माना जा रहा है, जो साल 2027 में खेला जाएगा। हालांकि, गिल ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि दोनों वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ उनके संबंधों में कोई बदलाव नहीं आया है। कप्तान गिल ने पर्थ में खेले जाने वाले पहले वनडे की पूर्व संध्या पर कहा, मुझे लगता है कि बाहर की कहानी अलग है, लेकिन हमारे बीच कुछ भी नहीं बदला है। सब कुछ पहले जैसा ही है। यह बहुत मददगार है।

26 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, जो कुछ भी वे महसूस करते हैं, उनका अनुभव, जो कुछ भी उन्होंने सीखा है, चाहे वह पिच को पढ़ना हो या किसी भी स्थिति का सामना करना, मैं उनके पास जाता हूं और पूछता हूं कि वे क्या सोचते हैं।

शमी ने रणजी मैच में झटके 7 विकेट

अपने प्रदर्शन से दिया अजीत अगरकर को मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर काफी चर्चा हो रही है। जहां एक तरफ भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर उन्हें अनफिट बता रहे हैं। वहीं शमी ने जो कहा था वो साबित भी कर दिया है। भारतीय पेसर ने रणजी ट्रॉफी 2025 की शुरुआत से पहले ही खुद को एकदम फिट बताया था। उन्होंने अपने प्रदर्शन से यह साबित भी कर दिया है। उत्तराखंड के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने करीब 40 ओवर दोनों पारियों में मिलाकर गेंदबाजी की और 7 विकेट लेकर अपनी फिटनेस को साबित कर दिया। इस तरह कहीं ना कहीं मोहम्मद शमी ने अजीत अगरकर के उन्हें अनफिट करार देने वाले बयान को भी झुठला दिया है। अजीत अगरकर ने कहा था कि शमी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले पूरी तरह फिट नहीं थे। 4 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए स्क्वाड का ऐलान हुआ था और 15 अक्टूबर से वह रणजी ट्रॉफी 2025 में अपनी टीम बंगाल के लिए खेल रहे हैं।

इससे पहले मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में 5 मैचों में 9 विकेट लेकर उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था। आईपीएल में भी वह खेलते नजर आए थे। शमी ने अपने बयान में यह कहा भी था कि अगर मैं आईपीएल खेल रहा हूं, रणजी खेल रहा हूं तो फिट कैसे नहीं हूं। वहीं अगरकर ने साफ-साफ उन्हें अनफिट कहे दिया था और रणजी में उनके प्रदर्शन को ट्रैक करने की बात कही थी। मोहम्मद शमी ने बंगाल के लिए उत्तराखंड के खिलाफ खेलते हुए पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में चार विकेट अपने नाम किए।

सूर्यकुमार यादव की छिन जाएगी टी20 कप्तानी?

कहा- हर किसी को डर लगता है

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से शुरू हो रही वनडे सीरीज के जरिए शुभमन गिल 50 ओवर्स फॉर्मेट में भारतीय टीम की कप्तानी संभालने जा रहे हैं. शुभमन को रोहित शर्मा की जगह वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है. इससे पहले शुभमन टेस्ट टीम के भी कप्तान बनाए गए थे क्योंकि रोहित ने क्रिकेट के सबसे बड़े फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था. शुभमन गिल को टेस्ट के बाद वनडे कैप्टेंसी सौंपकर भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में ये युवा बल्लेबाज तीनों ही फॉर्मेट में टीम का नेतृत्व करेगा. शुभमन को वनडे कप्तान बनाने के फैसले ने कुछ फैन्स को चौंकाया ही, टी20 कैप्टन सूर्यकुमार यादव के मन में हल्का-सा डर जरूर पैदा हुआ.

सूर्यकुमार यादव को लगा कि शायद उनका कप्तानी कार्यकाल अब ज्यादा लंबा नहीं बचेगा. शुभमन को वनडे और टेस्ट टीम की कप्तानी मिली ही, उन्हें एशिया कप 2025 में भारतीय टी20 टीम का उप-कप्तान बना दिया गया था. एशिया कप के जरिए शुभमन की एक साल बाद टी20 सेटअप में वापसी हुई. ऐसे में सूर्यकुमार को लगा कि कहीं उनकी टी20 कप्तानी 2026 वर्ल्ड कप से पहले ना चली जाए.

शुभमन के लिए खुश हूं: सूर्यकुमार यादव

सूर्यकुमार यादव ने एक्सप्रेस अड्डा से कहा, मैं झूठ नहीं बोलूंगा. हर किसी को डर लगता है. मगर यह एक ऐसा डर है जो आपको प्रेरित करता है. शुभमन गिल और मेरे बीच मैदान के अंदर और बाहर अच्छी बॉन्डिंग है. मुझे पता है कि वो किस तरह के खिलाड़ी और इंसान हैं. इसी चलते, यह मुझे अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है. मैं उनके लिए बहुत खुश हूं कि वो दो फॉर्मेट में कप्तान बन गए हैं. उन्होंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है. सूर्यकुमार यादव ने कहा कि उन्होंने इस डर को कमजोरी नहीं, बल्कि मोटिवेशन की तरह इस्तेमाल किया. कप्तान सूर्या का मानना है कि शुभमन गिल के साथ उनका रिश्ता आपसी सम्मान और भरोसे पर टिका है. 30 साल की उम्र के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले सूर्या कहते हैं कि वो दबाव में या डरकर खेलने वालों में से नहीं हैं. सूर्यकुमार यादव कहते हैं, अगर मैं डरता तो अपने पहले इंटरनेशनल मुकाबले में जोफ्रा आर्चर की गेंद पर पहला शॉट छक्का नहीं मारता. मैंने बहुत पहले डर को पीछे छोड़ दिया है. मेरा मानना है कि अगर कोई ईमानदारी से मेहनत करे, तो बाकी सब अपने-आप सही हो जाता है. भारतीय टीम एशिया कप 2025 जीतने में सफल रही थी, लेकिन सूर्यकुमार यादव का बल्ले से प्रदर्शन निराशाजनक रहा था.

14 चौके, 7 छक्के... 34 गेंद पर ठोक दिया शतक

महिला क्रिकेट में कभी नहीं हुआ ऐसा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट में एक नया इतिहास रचा गया है। किरण नवगिरे ने 17 अक्टूबर को नागपुर में खेले गए सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी मैच में महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए सिर्फ 34 गेंदों में शतक जड़कर महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। पहले ये रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन के नाम था।

किरण नवगिरे का कमाल- उन्होंने 35 गेंदों पर 106 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 7 छक्के शामिल थे। इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत महाराष्ट्र ने 111 रनों के लक्ष्य को सिर्फ 8 ओवर में 9 विकेट से हासिल कर लिया। यह रिकॉर्ड पहलेसोफी डिवाइन के नाम था, जिन्होंने जनवरी 2021 में वेलिंगटन के लिए ओटागो के खिलाफ 36 गेंदों में शतक बनाया था। नवगिरे की 106 रनों की पारी 302.86 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से आई जिससे वह 300 से अधिक के स्ट्राइक रेट पर शतक बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गई।

किरण ने रच दिया इतिहास- उन्होंने इस मैच में मुक्ता मगरे के साथ दूसरे विकेट

के लिए 103 रनों की अटूट साझेदारी की जिसमें मगरे ने सिर्फ 6 रन बनाए। महाराष्ट्र का 113 रनों का कुल स्कोर अब महिला टी20 क्रिकेट में सबसे कम टीम स्कोर है जिसमें किसी खिलाड़ी ने व्यक्तिगत शतक बनाया हो।

डेनमार्क ओपन 2025:

सात्विकसैराज-चिराग सेमीफाइनल में, लक्ष्य सेन हुए बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। डेनमार्क ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के स्टार पुरुष डबल्स खिलाड़ी सात्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि लक्ष्य सेन पुरुष सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में सीधे सेटों में हार गए। सात्विक-चिराग की जोड़ी, जिन्होंने इस साल बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, ने इंडोनेशिया की अनसीड जोड़ी मुहम्मद रियान आर्दियांतो और रहमत हिदायत को 21-15, 18-21, 21-16 से हराकर 65 मिनट तक चले कड़े क्वार्टरफाइनल में जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी अब अगले क्वार्टरफाइनल के विजेता का सामना करेगी, जिसमें आठवीं सीड चीन की चेन बो यांग और यी लियू या जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी की जोड़ी होगी। सात्विक-चिराग की जोड़ी ने अपनी शुरुआती दो राउंड में स्कॉटलैंड के क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमले और चीनी ताइपे की ली जे-हुई और यांग पो-हसुआन की जोड़ी को हराया था। वहीं, लक्ष्य सेन जिन्होंने गुरुवार को विश्व नंबर दो और स्थानीय पसंद एंडर्स एंटोनसेन को सीधे सेटों में हराकर चौंकाया था, शुक्रवार को सातवीं सीड फ्रांसीसी खिलाड़ी एलेक्स लानियर से 9-21, 14-21 से 44 मिनट में हार गए। पहला सेट फ्रांसीसी खिलाड़ी की पूरी पकड़ वाला रहा, जिन्होंने लगातार पांच पॉइंट लेकर 8-2 की बढ़त बनाई, जबकि लक्ष्य नेट पर संघर्ष करते नजर आए और कई अनफोर्स्ड एरर की।

रिंकू सिंह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले जड़ा शानदार शतक, टी20 के बाद रेड बॉल क्रिकेट में ठोकी दावेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के स्टार फिनिशर और बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने टी20 में कमाल करने के बाद अब रेड बॉल क्रिकेट में भी दावेदारी ठोकी है। रिंकू सिंह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टी20 सीरीज के लिए जाने से पहले रणजी ट्रॉफी 2025 के पहले राउंड में बेहतरीन शतकीय पारी खेली। उन्होंने पहले राउंड के मुकाबले में आंध्र प्रदेश के खिलाफ अपना आठवां फर्स्ट क्लास शतक बनाया। दूसरे राउंड के मैच में रिंकू राष्ट्रीय ड्यूटी के कारण रणजी ट्रॉफी में नहीं खेल पाएंगे। 29 अक्टूबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज होगी। रिंकू सिंह की बात करें तो 220 रन पर 6 विकेट गंवाने के बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश की टीम को संभाला। भारतीय खिलाड़ी ने शतक जड़ते हुए विप्रज निगम के साथ 100 से ऊपर की साझेदारी की। फर्स्ट क्लास क्रिकेट यानी रेड बॉल फॉर्मेट में यह उनका 8वां शतक है। रिंकू ने 2016 में रणजी ट्रॉफी डेब्यू किया था। इस मैच में पहले खेलते हुए आंध्र प्रदेश ने 470 रन बनाए थे।

थामा का यक्षासन

मेरे बच्चों को जरूर पसंद आएगा: नवाजुद्दीन

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म थामा को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच उन्होंने अपने फिल्म के किरदार को लेकर बात की और बताया कि यह किरदार उनके बच्चों के लिए खास रूप से रोमांचक होने वाला है। बात करते हुए नवाजुद्दीन ने कहा, यह रोल मेरे लिए काफी अलग और नया है, जिसे मैं लंबे समय से निभाना चाह रहा था। फिल्म में मेरी भूमिका थोड़ी अजीब है, लेकिन यही अजीबपन बहुत दिलचस्प और मजेदार होने वाला है। मैं अपने अनुभव से बेहद खुश हूं। जब मेरे बच्चे फिल्म में मेरे किरदार यक्षासन को देखेंगे, तो यकीनन उसे जरूर पसंद करेंगे। मैंने इस किरदार को निभाने में काफी मेहनत की है। नवाजुद्दीन ने अपनी भूमिका की एक बल्लेबाज से तुलना की, जो मैच में पूरी तैयारी के बावजूद भी अनपेक्षित गेंद का सामना करता है। उन्होंने आगे कहा, यह रोल मिलना मेरे लिए किसी सौभाग्य से कम नहीं है। फिल्मकार अब भी मुझे नए और अलग अवतार में देख रहे हैं। बता दें कि फिल्म थामा में नवाजुद्दीन सिद्दीकी यक्षासन नाम के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके अलावा, आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और परेश रावल भी लीड रोल में हैं। वहीं पंचायत फेम फैसल मलिक भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। वह पंचायत सीरीज में प्रहलाद चाचा के रोल में दिखे थे। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी हॉरर है। इसमें एक वैंपायर की लव स्टोरी दिखाई जाएगी। इस फिल्म को आदित्य सरपोतदार ने निर्देशित किया है। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान और अमर कौशिक ने मिलकर किया है। फिल्म की कहानी निरंजन भट्ट और सुरेश मैथ्यू ने लिखी है। यह मैडॉक्स फिल्म्स के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है। इस बैनर तले स्त्री, स्त्री 2, भेड़िया, और मुंज्या जैसी मूवीज बन चुकी हैं। यह फिल्म 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दीपावली पर रिलीज हो रही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सोनम बाजवा और हर्षवर्धन राणे की फिल्म एक दीवीने की दीवानियत से टकराएगी।

अर्जुन बिजलानी की झोली में आई राइज एंड फॉल की ट्रॉफी

शो राइज एंड फॉल के विजेता का एलान हो चुका है। ट्रॉफी अर्जुन बिजलानी की झोली में आई है। 6 प्रतियोगियों में से अर्जुन शो के विजेता बनकर उभरे हैं।

अर्जुन बिजलानी शो राइज एंड फॉल के पहले सीजन के विजेता बने हैं। छह फाइनलिस्ट में हुए मुकाबले में अर्जुन ने शो की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वहीं, आरुष भोला पहले रनरअप रहे। वहीं, अरबाज पटेल शो के दूसरे रनरअप रहे हैं। रियलिटी शो की शुरुआत 15 प्रतिभागियों के साथ हुई थी। शो में अर्जुन बिजलानी, आरुष भोला और अरबाज पटेल तीन फाइनलिस्ट के रूप में चुने गए। इनमें से अर्जुन बिजलानी पहले सीजन के विनर बने हैं।

पवन सिंह भी बने थे शो का हिस्सा

शो राइड एंड फॉल को शार्क टैंक इंडिया के पूर्व जज अशनीर ग्रोवर ने होस्ट किया। यह शो प्रतिभागियों के सनसनीखेज और तीखे बयानों के चलते खूब सुर्खियों में रहा। भोजपुरी एक्टर पवन सिंह भी इस शो में नजर आए। हालांकि, उन्होंने शो बीच में ही छोड़ दिया था। अर्जुन को ट्रॉफी के अलावा 28 लाख 10 हजार रुपये का नकद ईनाम मिला है।

अशनीर ने दी अर्जुन को ट्रॉफी

शो में विजेता के तौर पर अर्जुन बिजलानी के नाम का एलान अशनीर ग्रोवर ने किया। अपना नाम सुनते ही अर्जुन खुशी से उछल पड़े और सहयोगी प्रतिभागी के गले लग गए। इसके बाद अशनीर ने ही अर्जुन बिजलानी को ट्रॉफी दी। फिनाले में अर्जुन ब्लैक कलर के आउटफिट पहनकर पहुंचे।

एक दशक बाद बड़े पर्दे पर लौटीं गीता बसरा

गीता बसरा ने क्रिकेटर हरभजन सिंह के साथ शादी के बाद फिल्मों से दूरी बना ली थी लेकिन एक बार फिर वह एक्टिंग की दुनिया में सक्रिय हो गईं। एक टॉक शो भी कर रही हैं। करीब एक दशक बाद गीता बसरा ने पंजाबी 'मेहर' के साथ कमबैक किया है। फिल्मों तक ही सीमित न रहकर वह अब अपने पति और क्रिकेटर हरभजन सिंह के साथ टॉक शो ÒWhoÓs The Boss?' की होस्टिंग भी कर रही हैं।

सपना चौधरी ने नसीहत देने वालों को दिया जवाब

हरियाणवी डांसर और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की मशहूर शख्सियत सपना चौधरी एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। इस बार वजह बना है उनका एक इंस्टाग्राम वीडियो, जिसमें वो पारंपरिक पटियाला सूट पहनकर गलियों में बड़े दिलकश अंदाज में घूमती नजर आ रही हैं। वीडियो में उनका देसी अंदाज लोगों को खासा पसंद आ रहा है।सपना चौधरी अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने डांस वीडियोज, शायरी और देसी लुक्स साझा करती रहती हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपने पोस्ट के जरिए दिल की बात भी साझा की है। सपना चौधरी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह बेबी पिंक कलर का खूबसूरत पटियाला सूट पहने हुए नजर आ रही हैं। वीडियो में वह बड़ी सादगी के साथ गलियों में घूमती दिख रही हैं। उनका देसी लुक सभी फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस वीडियो के कैप्शन में सपना ने उन लोगों को कड़ा जवाब दिया, जो उन्हें ट्रोल करते रहते हैं या फिर सलाह देते हैं। अपने इंस्टा पोस्ट के कैप्शन में सपना ने लिखा, मुझे सबर (सब्र) करने की नसीहत न दीजिए, मेरी जगह आइए और सह के दिखाइए। इस वीडियो में सपना ने बैकग्राउंड म्यूजिक के तौर पर 90 के दशक की हिट फिल्म अजय का सुपरहिट गाना छम्मक छल्लो जरा धीरे चलो को चुना, जिसे मशहूर गायक कुमार सानू ने गाया है। इस गाने को सनी देओल और करिश्मा कपूर पर फिल्माया गया है और इसका संगीत आनंद-मिलिंद ने तैयार किया, जबकि बोल समीर ने लिखे हैं। बात करें सपना चौधरी के करियर की बात करें, तो उन्होंने बहुत कम उम्र में स्टेज परफॉर्मेंस शुरू की थी। हरियाणा के एक छोटे से गांव से निकलकर उन्होंने ऑर्केस्ट्रा टीम के साथ काम करना शुरू किया और फिर रागनी पार्टियों में हिस्सा लेने लगीं। उनका पहला बड़ा ब्रेक सॉलिड बॉडी रै गाने से मिला, जिसके बाद वो घर-घर में पहचानी जाने लगीं।

कंफर्ट जोन से निकलना चाहते थे जितेंद्र

वेब सीरीज पंचायत फेम जितेंद्र कुमार इन दिनों भागवत चैप्टर 1- राक्षस को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें उनके साथ अरशद वारसी भी हैं। फिल्म में उन्होंने एक कॉलेज प्रोफेसर की भूमिका निभाई है। जितेंद्र के मुताबिक- वह ऐसा चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहते थे, जिससे उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका मिल सके।

भागवत चैप्टर 1- राक्षस में जितेंद्र, कॉलेज प्रोफेसर समीर की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं अरशद वारसी, इंस्पेक्टर विश्वास भागवत की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में अरशद कॉलेज से कई युवतियों के लापता होने की जांच कर रहे हैं। जी5 की इस फिल्म का निर्देशन अक्षय शेरे ने किया है।

जितेंद्र ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा मैं अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए बहुत उत्साहित था। मुझे यह किरदार काफी चुनौतीपूर्ण लगा क्योंकि मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं किया था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं इसे कैसे निभा पाऊंगा। हालांकि हर चुनौती के साथ मेरे अंदर एक अलग ही उत्साह था। मैं सच में एक क्राइम-थ्रिलर और कई अलग-अलग पहलुओं वाला किरदार निभाना चाहता था।

लाल साड़ी में छाई प्रियंका !

● दिवाली पार्टी में देसी गर्ल ने लगाया ग्लैमर का ऐसा तड़का, आहें भरते रह गए फैन

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर सुर्खियों में हैं, और इस बार वजह है उनका शानदार लुक, एक्ट्रेस हाल ही में एक दिवाली पार्टी में पहुंची, जहां उनका रेड साड़ी-गाउन लुक तहलका मचा गया.

ग्लोबल आइकन और बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर अपने शानदार लुक को लेकर सुर्खियों में हैं. एक्ट्रेस हाल ही में जॉनी वॉकर की दिवाली पार्टी में नजर आईं, जहां उनका रेड साड़ी-गाउन लुक सोशल मीडिया पर छा गया. फैंस उनके इस ग्लैमरस अंदाज से नजरें नहीं हटा पा रहे हैं.

रेड साड़ी-गाउन में बिखेरा जलवा

इस खास मौके के लिए प्रियंका ने रेड कलर का स्टाइलिश साड़ी-गाउन पहना था, जो उन्हें एकदम रॉयल और ग्रेसफुल लुक दे रहा था. उनका ये वन-शोल्डर गाउन कॉरसेट ब्लाउज डिजाइन के साथ था.

प्रियंका ने अपने आउटफिट में ऐसे जोड़ा मॉडर्न टच

जिसने प्रियंका के पूरे आउटफिट में मॉडर्न टच जोड़ दिया. उनका ये फ्यूजन लुक फेस्टिव सीजन के लिए परफेक्ट इंस्पिरेशन साबित हो रहा है, जिसे आप भी दिवाली पर रिक्रेट कर छा सकतीं हैं.

मिनिमल एक्सेसरीज में दिखीं एलीगेंट

प्रियंका ने अपने इस ग्लैमरस लुक को मिनिमल एक्सेसरीज के साथ बैलेंस किया. उन्होंने डायमंड ड्रॉप इयररिंग्स और एक सिंपल ब्रेसलेट कैरी किया, जो उनके आउटफिट के साथ परफेक्ट लग रहा था. हेयरस्टाइल की बात करें तो एक्ट्रेस ने अपने बालों को स्लिक बन में बांधा, जिससे उनके पूरे लुक में एलिगेंस झलक रही थी.

मेकअप से बढ़ी चार्म की चमक

मेकअप के लिए प्रियंका ने शिमरी आईशैडो, विंग्ड आईलाइनर और बोल्ड रेड लिपस्टिक का कॉम्बिनेशन चुना. उनका ये क्लासिक ब्यूटी लुक आउटफिट के साथ बेहद खूबसूरत लग रहा था. उनकी हर तस्वीर में ग्रेस और कॉन्फिडेंस साफ झलक रहा है.

इंडस्ट्री में काम के घंटे बिल्कुल तय होने चाहिए

लाउड होना, चिल्लाना ही ताकत का पैमाना नहीं

पर्दे पर एक से बढ़कर शानदार किरदारों को जीवंत करने वाली कलाकारा कोंकणा सेन शर्मा अपनी नई सीरीज सर्च- नैना मर्डर केस में घर और काम के बीच जूझती एक होनहार एसपी संयुक्ता दास की भूमिका के लिए चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में हमने कोंकणा से की खास बातचीत-

कामकाजी औरतों के लिए घर और काम के बीच तालमेल बिठाना हमेशा एक चुनौती रहती है, जो आपकी सीरीज भी प्रमुखता से दिखाती है। आप खुद एक सिंगल मदर होने के नाते ऐक्टिंग जैसे डिमांडिंग पेशे में यह बैलेंस कैसे बनाती हैं? मैं बहुत लकी हूं, क्योंकि हारून (बेटा) के पिता (ऐक्टर रणवीर शौरी) भी उसकी परवरिश में बराबरी से इन्वॉल्व रहते हैं, जो बहुत बड़ा सपोर्ट है। इस वजह से मैं बेफिक्र होकर ट्रैवल कर पाती हूं। हम दोनों ही काम के लिए सिलसिले में समय-समय पर ट्रैवल करते रहते हैं, तब दूसरा घर का ख्याल रखता है तो मैं इस मामले में बहुत लकी हूं, मगर वो कहते हैं न कि एक एक बच्चे को बड़ा करने में एक पूरा गांव लगता है, तो सिंगल पैरंट या जिसके भी पास भी वो गांव नहीं है, उसके लिए बहुत मुश्किल होता है। पहले दादा-दादी, बुआ-चाची जैसे परिवार के सदस्य साथ होते थे, जबकि आज के दौर में न्यूक्लियर फैमिली हैं या हम दूसरे शहरों में चले जाते हैं जहां वो कम्यूनिटी नहीं है तो निश्चित तौर पर घर और काम के बीच तालमेल बिठाना बड़ा संघर्ष है लेकिन अभी हमारे पास कोई समाधान नहीं है। मैं उम्मीद करती हूं कि इस बारे में बात करने से कोई समाधान निकले। मैं बिल्कुल इस बात से सहमत हूं कि सेट पर काम के घंटे तय होने चाहिए, क्योंकि ऐक्टर्स ही नहीं, हमारे टेक्नीशियन तो और ज्यादा घंटे काम करते हैं, तो मुझे लगता है कि हफ्ते में 6 दिन ही काम होना चाहिए। जैसे, फ्रांस में हफ्ते में सिर्फ चार दिन काम होता है और वहां प्रोडक्टिविटी बढ़ी है। बेशक वो एक अलग देश है, मगर यहां भी हफ्ते में 6 दिन काम होना चाहिए और 12 घंटे की शिफ्ट होनी चाहिए। यह बेसिक है, जिसके हिसाब से चीजें प्लान की जानी चाहिए। बाकी, कभी जरूरत हो तो 14-15 घंटे काम करना पड़ जाए तो चलता है, लेकिन ये सामान्य कल्चर नहीं होना चाहिए। सीरीज यह भी दिखाती है कि कैसे एक काबिल फीमेल ऑफिसर के मातहत काम करने में उसके पुरुष सहयोगी की मेल ईगो को बड़ी चोट पहुंचती है। क्या कभी इस पुरुष सत्तात्मक सोच से हमें निजात मिलेगी? हां, ये दिक्कत तो है।

डीजल में अभिनय करना शारीरिक और मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था

तमिल सिनेमा के उभरते सितारे हरीश कल्याण की अपकमिंग एक्शन थ्रिलर डीजल 17 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। इस फिल्म में हरीश ने पहली बार एक एक्शन हीरो का किरदार निभाया है। इस फिल्म का निर्देशन शन्मुगम मुथुसामी ने किया है। एक इंटरव्यू में हरीश कल्याण ने बताया कि डीजल में काम करना शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से बेहद थकाऊ था। हरीश कल्याण ने कहा, निर्देशक शन्मुगम मुथुसामी की रिसर्च और डिटेलिंग ने मुझे हैरान कर दिया। उनकी स्क्रिप्ट की गहराई ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया और मुझे पूरा यकीन है कि दर्शक भी इसे खूब पसंद करेंगे। पेट्रोल और डीजल हर किसी की जिंदगी से जुड़े हैं, और सोने से ज्यादा वैल्यूएबल कच्चा तेल, जिसे ब्लैक गोल्ड कहते हैं, दुनिया का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला रिसोर्स है। हम रोज पेट्रोल पंप जाते हैं, लेकिन कच्चे तेल की उस डार्क वर्ल्ड के बारे में शायद ही सोचते हैं। डीजल उसी दुनिया को एक्सप्लोर करेगी। उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म ग्लोबल ऑडियंस के लिए एक फ्रेश और अनोखा एक्सपीरियंस लेकर आएगी। इसे गहराई और पर्पज के साथ क्राफ्ट किया गया है, और बड़े स्केल पर प्रोड्यूस किया गया है। हमने क्रिएटिव रिस्क लिए हैं जो कुछ अलग लेवल के हैं। दुनिया की सबसे बिजी लोकेशन्स पर शूटिंग करना सच में एक बड़ा चैलेंज था, लेकिन साथ ही एक्साइटिंग भी। बताया जा रहा है कि अभिनेता हरीश कल्याण ने इस रोमांचक थ्रिलर पर बड़ा दांव लगाया है। इसमें वह पहली बार एक्शन करते दिखाई देंगे। हरीश ने कहा, डीजल शारीरिक और मानसिक रूप से दोनों ही तरह से चुनौतीपूर्ण था। गानों और जबरदस्त एक्शन सीन्स तक, हर चीज के लिए काफी मेहनत की जरूरत थी। लेकिन इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के बाद मुझे काफी संतुष्टि का अहसास हुआ। अगर दर्शक मुझे एक्शन के क्षेत्र में अपनाते हैं, तो इस शैली में मेरे लिए और फिल्मों के दरवाजे खुलेंगे। डीजल का निर्माण थर्ड आई एंटरटेनमेंट और एसपी सिनेमाज ने किया है। शन्मुगम मुथुसामी ने ही इस फिल्म की कहानी लिखी है।